



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 277]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 2009/भाद्र 4, 1931

No. 277]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 2009/BHADRA 4, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड और श्रीलंका के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फ्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

फा. सं. 14/12/2007-डीजीएडी(एनएसवी).—यतः, ऑल इंडिया फाइबर बोर्ड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, फरीदाबाद (याचिकाकर्ता कंपनियाँ मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि., मुंबई और मै. न्यूकैम लि., फरीदाबाद के साथ) ने मै. टीपीएम कन्सल्टेंट्स, नई दिल्ली (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) के जरिए वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटन वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन. गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड और श्रीलंका (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए पाटनरोधी जाँच शुरू करने का अनुरोध किया गया है ।

3100 GI/2009

2. और प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उनकी पर्याप्तता और प्रमाणिकता के संबंध में जाँच करने के बाद दिनांक 6 जून, 2008 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिसमें नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच की शुरुआत की गई थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

3. और यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अधिनियम एवं नियम को ध्यान में रखते हुए दिनांक 2 फरवरी, 2009 के समसंख्यक जाँच परिणाम द्वारा चीन जन. गण., मलेशिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड तथा श्रीलंका के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 4411 के अंतर्गत आने वाले 6 मिमी और उससे अधिक की मोटाई के प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के आयातों की जाँच की और उन पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की तथा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क के दिनांक 27 फरवरी, 2009 की सी.शु. अधिसूचना सं. 21/2009-सी.शु. द्वारा लगाया गया था ।

4. और यतः मै. ए. के. गुप्ता, मै. टी पी एम सॉलिसिटर्स एंड कंसल्टेंट्स, नई दिल्ली ने दिनांक 9 जुलाई, 2009 के पत्र द्वारा प्राधिकारी को यह सूचित किया है कि याचिकाकर्ताओं के निर्देशानुसार वे इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि न्यूजीलैंड से हुए आयात मुख्यतः बाजार के उस खंड में मौजूद हैं जहाँ घरेलू उद्योग इस समय पर्याप्त मात्रा में सामग्री प्रस्तुत नहीं कर रहा है, नियमावली के नियम 14 के अंतर्गत न्यूजीलैंड के संबंध में अपना आवेदन वापस ले रहे हैं। मै. ए पी जे एसएलजी लॉ आफिस, नई दिल्ली ने उल्लेख किया है

(1)

कि घरेलू उद्योग को नियम 14 की अन्य उप-धारा के उपबंधों के अनुसार जांच के लिए किसी देश को चुनने या उसे छोड़ने का अधिकार नहीं दिया गया है और वर्तमान जांच या तो पूर्णतः वापस ली जा सकती है या उसे उन सभी देशों के खिलाफ जारी रखा जा सकता है जिनके लिए मामला शुरू किया गया था। प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने इस तथ्य के मद्देनजर न्यूजीलैंड के संबंध में अपना आवेदन वापस लिया है कि उक्त देश से हुए आयात बाजार के उस खंड में मुख्यतः मौजूद हैं, जहां घरेलू उद्योग पर्याप्त मात्रा में सामग्री प्रस्तुत नहीं कर रहा था। प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग ने यह स्वीकार किया है कि न्यूजीलैंड से हुए आयातों के द्वारा उन्हें क्षति नहीं हो रही है जबकि पूर्व में उन्होंने यह तर्क दिया था कि न्यूजीलैंड से हुए आयातों के द्वारा भी क्षति हो रही है। ये ए पी बी एस एल जी लॉ ऑफिसेज इस आशय का कोई साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है कि क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के द्वारा नहीं हुई है। तदनुसार प्राधिकारी नियमावली के नियम 14 के अंतर्गत न्यूजीलैंड के संबंध में आवेदन वापस लेने की अनुमति देते हैं और पाटनरोधी जांच को चीन जन. गण., मलेशिया, थाईलैंड तथा श्रीलंका (जिन्हें एतदपरचात् संबद्ध देश कहा गया है) से 6 मिनो और उससे अधिक की मोटाई के प्लेन मोडियम डेंसिटी फाइबर बोर्ड (जिसे एतदपरचात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों तक सीमित करने की अनुमति देते हैं।

#### क. प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

- (i) प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत करने से पहले संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार आवेदक द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
- (ii) प्राधिकारी ने नियम 6 के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचना देते हुए भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को इस अनुरोध के साथ 6 जून, 2008 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों के नाम और पत्रों सहित उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की एक प्रति तथा आवेदन का अगोपनीय रूपांतरण भी उनके पास भेजा गया था।
- (iii) आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण तथा निर्यातक प्रश्नावली के साथ-साथ 6 जून, 2008 की जांच शुरुआत संबंधी आवेदन की प्रतियां भेजीं और उनसे यह अनुरोध किया कि जांच शुरुआत संबंधी सूचना के 40 (चालीस) दिनों के भीतर संगत सूचना उपलब्ध कराएं और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।

(iv) प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार ज्ञात आयातकों और घरेलू उद्योग को आयात प्रश्नावली दिनांक 6 जून, 2008 को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 (चालीस) दिनों के भीतर लिखित में संगत सूचना और उनके विचार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

(v) आवेदक ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का प्राधिकारी से अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया है कि वह यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा (7) और (8) के आलोक में आवेदक के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। अतः चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों के पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार करने में सक्षम हो सके कि क्या उन सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार दिखाना चाहिए जो यह सन्निहित कर सके कि वे अपने मामले में बाजार स्थितियों के प्रचलन संबंधी मापदंडों को पूरा करते हैं।

(vi) प्राधिकारी नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें प्रश्नावलियां भेजी थीं :

1. टोमरिच इंटरनेशनल ट्रेडिंग लि., आरएन 803, सं. 309, फुशान रोड, पुडोंग, शंघाई चीन जन. गण.
2. नानजिंग ईटीएआई ट्रेडिंग कं. लि., कमरा 202, सं. 14, जिनशाजिंग नानजिंग, चीन जन. गण.
3. लिनई होंगफू टिम्बर कं. लि., यितांग टाउन, लिनयी शेंडोंग, चीन जन. गण.
4. शाऊगुआंग गुईहे इकोनॉमिक एंड ट्रेड कंपनी लि., दि वेस्ट ऑफ रेंगकें स्ट्रीट, वेईकेंग रेंगडोंग, चीन जन. गण.
5. लिनयी बेइडेली इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लि., नान लोउ जौन, यितांग टाउन, लानशान जिला लिनयी सिटी शेंडोंग, चीन जन. गण.
6. झेनजियांग किंगस्टार बिल्डिंग मेटिरियल कंपनी लि., 2/एफ, बिल्डिंग ए, जिबेई गार्डन, नं. 41, हेबिन रोड 3, झेजियांग गुआंगडोंग, चीन जन. गण.
7. वेन्झोऊ टिम्बर ग्रुप कंपनी लि., 42, वेंनजिन रोड, वेन्झोऊ रोड, झेजियांग, चीन जन. गण.
8. डेकेन सारावाक बीडीएच.एसडी., लॉट 2069, ब्लॉक, 26 किदुरोंग इंडस्ट्रियल इस्टेट, 97008, बिन्दुलू सारावाक, मलेशिया

9. मरबाक एमडीएफ लंका प्रा. लि.,  
पर्य इस्टेट,  
बीओआई होराना ईपीचैड  
रत्नापुरा रोड,  
होराना 12400, श्रीलंका
10. खोन केन एमडीएफ बोर्ड,  
3003, मू 6, टेपराक रोड,  
टेपराक, 10270, मूआंग  
समुथप्रकन,  
थाइलैंड
11. सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.,  
417/112-113 करणचनावनीच रोड,  
टुम्बोल पटोंग,  
एम्फर हाडियाई,  
शोंगखला 90230, थाइलैंड
- (vii) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है :
  1. मै एवरग्रीन फाइबर बरहाड (ईएफबी)  
बाटू 11-1/2, जलानमसाई 81750 मसाई,  
जोहोर, मलेशिया
  2. मै एवरग्रीन फाइबर बरहाड (जेबी) एसडीएन.बीएचडी  
बाटू 11-1/2, जलानमसाई 81750 मसाई,  
जोहोर, मलेशिया
  3. मै रॉबिन रिसॉसेज (मलेशिया) एसडीएन.बीएचडी  
नं. 1, जालान इंडस्ट्री 5,  
तमनपेरइंडस्ट्रीन टेमरलोह  
28400, मेंटकाब, पहांग,  
मलेशिया
  4. मै सेगमाट पेनल बोर्ड एसडीएन.बीएचडी  
प्लाट 201, कावासान पेरेन्डस्ट्रीयन सेगामाट II,  
मुकीम पोगो, 85000 सेगामाट,  
जोहोर, मलेशिया
  5. मै सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.,  
417/112-113 करणचनावनीच रोड,  
टुम्बोल पटोंग,  
एम्फर हाडियाई,  
शोंगखला 90230, थाइलैंड
  6. मै एडवांस फाइबर कंपनी लि.,  
100/1, खरासोम्बाट बिल्डिंग, 18वां तल,  
राम 9 रोड, हुआयकुआंग,  
बैंकॉक 10310
  7. मै मैट्रो फाइबर कंपनी लि.,  
विनिर्माता-निर्यातक-आयातक  
9/9, मू 5, वेनियो-डोंगशाक रोड, टमाका,  
कर्णचानाबुरी 71120, थाइलैंड
  8. मै मैट्रो एमडीएफ कं. लि.,  
74, मू 2, नोम्बाबुरी-1 सेड, बांग का सो,  
नंधबुरी 11000 थाइलैंड
  9. मै वानाचाई ग्रुप पब्लिक कंपनी लि.,  
थाइलैंड
  10. मै वानाचाई पेनल इंडस्ट्रीज कं. लि.,  
थाइलैंड
  11. मै डोंगवा फाइबर बोर्ड एसडीएन. बीएचडी  
और संबंधित कंपनी डोंगवा एमडीएफ (एम)  
एसडीएन. बीएचडी
  12. मै मरबाक एमडीएफ लंका प्रा. लि., पर्य इस्टेट,  
बीओआई होराना, ईपीचैड रत्नापुरा सेड,  
होराना 12400 श्रीलंका
- (viii) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना के लिए संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी :
  1. प्लाई प्वाइंट 15/228, कोदामपुल्ल रोड, पेट्टा  
फेरोक, कोशीकोड, केरल
  2. लेबल सेल्स कार्पोरेशन इंद्रधनुष अपार्टमेंट,  
दुकान नं. 7, 8 और 9, टी.डी. रोड  
कोचीन, केरल
  3. सिरिवरी ट्रेडर्स, 136/53बी, ऊटी मेन रोड,  
ओडनतुरई, मेट्टूबलायम, तमिलनाडु
  4. कृष्णा प्लाईवुड, 34, कामराज रोड,  
कलूर, तमिलनाडु
  5. धमारापल्ली ब्रदर्स, एक्सएल/499, उबा किरन  
एम.जी. रोड, एर्णाकुलम,  
कोच्ची, केरल
  6. जेक्सन विनियर्स एंड पेनल्स प्रा.लि.,  
एक्सएल/499, उबा किरन  
एम.जी. रोड,  
एर्णाकुलम, कोच्ची, केरल
  7. कलिंगा इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट प्रा.लि.,  
18/777, कल्लाई रोड,  
कालीकट, केरल
  8. विकट्री प्लाईवुड डिस्ट्रीब्यूटर्स,  
कमरा नं. 148, सीई-34/640,  
स्टेडियम कॉम्प्लेक्स,  
कन्नूर, केरल
  9. मैथ्यूसंस एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स प्रा.लि.,  
44/2158, पहली मॉडल,  
मैथ्यूसंस बिल्डिंग,  
कलूर, कोचीन, केरल

10. फेरोक बोर्डस लि.,  
वीपी 4/394, पो.आ. कारड,  
फेरोक कॉलेज,  
वाया-मल्लापुरम,  
केरल ।
  11. आर. जे. मेटल्स  
एक्सएल/4039 फाबा काम्प्लैक्स  
जयज स्ट्रीट, एर्णाकुलम  
कोचीन, केरल ।
- (ix) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/हितबद्ध पक्षकारों ने अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं :-
1. मै. स्पेसवुड फर्नीचर्स प्रा.लि.,  
टी-48, एमआईडीसी रोड,  
नागपुर-440016
  2. फेरोक बोर्ड लि.,  
वीपी 4/394, पो.आ. कारड,  
फेरोक कॉलेज,  
वाया-मल्लापुरम, केरल
  3. मै. वेणुगोपाल स्लेट इंडस्ट्रीज,  
नेहरू स्ट्रीट, मर्कापुर-523316  
आंध्र प्रदेश
  4. मै. कुट्टी फल्लो डोर एंड फर्नीचर कं. प्रा.लि.,  
1167 (पुराना नं. 37) पुनामल्ली हाई रोड, कोयमबेड,  
चेन्नई-600107
  5. मै. थमारापल्ली ब्रदर्स,  
अटलांटिस जंक्शन, एम जी रोड, एर्णाकुलम,  
कोचीन-682015
  6. मै. मुरादाबाद हेंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसो.,  
जैन मंदिर बिल्डिंग, कोतवाली के सामने,  
मुरादाबाद-244001
  7. मै. सी. एल. गुप्ता एक्सपोर्टर्स लि.,  
मुरादाबाद, दिल्ली राजमार्ग के 18वें किमी. से पहले,  
गांव जीवन, जे.पी. नगर-224221
  8. संयुक्त विकास आयुक्त,  
नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र,  
नोएडा दादरी रोड, फेस II, नोएडा-201305
- (x) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना पर इन जांच परिणामों में भरोसा किया गया है ;
- (xi) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण को प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा । अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पार्टियों को भी अगोपनीय आवेदन की एक प्रति उपलब्ध कराई गई थी ।
- (xii) प्राधिकारी ने हुई क्षति की जांच करने और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर तथा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- (xiii) नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने 20 अप्रैल, 2009 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में अपने मौखिक विचार प्रस्तुत करने के लिए समस्त हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर भी प्रदान किया । सार्वजनिक सुनवाई में कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने विशिष्ट अनुरोध करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था और उन्हें 27 अप्रैल, 2009 तक अपने अनुरोध प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी । जिन हितबद्ध पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने मौखिक विचार प्रस्तुत किए थे, उनसे 4 मई, 2009 को मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध प्रस्तुत करने के साथ-साथ उक्त तारीख को लिखित अनुरोधों का आदन-प्रदान करने और 11 मई, 2009 को अपने उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।
- (xiv) इस अधिसूचना में \*\*\* चिन्ह आवेदकों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है ।
- (xv) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 जनवरी, 2007 से 31 दिसम्बर, 2007 (12 महीने) तक की है । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2004-05, 2005-06, 2006-07 और जांच अवधि शामिल हैं ।
- (xvi) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्योगिक प्रयोक्ताओं को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में संगत समझी जाने वाली सूचना उपलब्ध कराने का अवसर दिया था ।
- (xvii) इस मामले में प्राधिकारी ने उपभोक्ता की कीमत और लागत निर्धारण से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इनके प्रकटन से अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है । घरेलू उद्योग की मात्राओं से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय नहीं माना गया है ।
- ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु
6. विचाराधीन उत्पाद प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड है जिसे बाजार की भाषा में प्लेन एमडीएफ बोर्ड के रूप में भी जाना जाता है । मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड, या प्लेन एमडीएफ बोर्ड एक संयोजित लकड़ी उत्पाद है जिसका निर्माण लकड़ी के अपशिष्ट

फाइबर को यूरिया फॉर्मिलिडहाइड रेजिन या मेलामाइन रेजिन और दबाव से जोड़कर किया जाता है। इसका व्यापक उपयोग उसकी नरमी एवं एकीकृत बमक के कारण पाटीशनों, माइयूलर फर्नीचर, कैबिनेटों आदि में किया जाता है। एमडीएफ बोर्ड का उत्पादन प्लेन रूप में किया जाता है तथा लेमिनेशन अतिरिक्त प्रसंस्करण है जिसे प्लेन एमडीएफ बोर्ड के उत्पादन के बाद किया जाता है। लेमिनेटेड मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड (लेमिनेटेड एमडीएफ बोर्ड) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है। प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक जांच परिणामों में विचाराधीन उत्पाद के बारे में प्राप्त अनुरोधों पर विचार किया था और विधिवत् जांच करने के बाद 6 मि.मी. से कम की मोटाई के प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड को उत्पाद क्षेत्र से अलग रखा था और तदनुसार विचाराधीन उत्पाद 6 मि.मी. और उससे अधिक की मोटाई का प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड माना गया था और उसी पर इस जांच में भी विचार किया जा रहा है।

7. इस उत्पाद को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष 44.11 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

#### ख. 1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार :

8. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने जांच के बाद निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् मै. मेट्रो एमडीएफ, मै. मेट्रो फाइबर, मै. एडवांस फाइबर, मै. सियाम फाइबर, मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड (ईएफबी), मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड (जेबी), मै. सेगामाट पैनल बोर्ड का प्रमुख मुद्दा यह है कि भारत में घरेलू उद्योग 6 मि.मी. से कम मोटाई की संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं करता है और न ही उनके पास वाणिज्यिक रूप से कुशल ढंग से अपेक्षाकृत पतले आकार के उत्पादन के लिए उचित प्रौद्योगिकी है। अतः भारत में विनिर्मित नहीं की जाने वाली मोटाई को जांच से बाहर रखा जाना चाहिए और वर्तमान जांच को केवल 6 मि.मी. मोटाई से अधिक तक सीमित रखना चाहिए। मै. वेनूगोपाल स्लेट इंडस्ट्रीज, मर्कापुर, आंध्र प्रदेश ने यह बताया है कि घरेलू उद्योग के पास 2.5 मि.मी. मोटाई के प्लेन एमडीएफ के विनिर्माण की सुविधा नहीं है और वे देश में लिखने वाली स्लेटों के विनिर्माण और विपणन के लिए 2.5 मि.मी. प्लेन एमडीएफ बोर्ड का आयात करते हैं। मै. कुट्टी फ्लश डोर एंड फर्नीचर कंपनी प्रा. लि., चेन्नई ने कहा है कि वे डोर स्किन्स का आयात करते हैं जिनका वर्णन 2.8 मि.मी. या 3.2 मि.मी. की मोटाई और 1000 किग्रा./सीबीएम और उनके आसपास के घनत्व के विशिष्ट मॉल्डेड पैनल डोर के शटर के लिए फाइबर बोर्ड शीटों के रूप में किया गया है और उनके द्वारा आयातित उत्पाद जांचाधीन उत्पाद से बिल्कुल अलग है।

- (ii) घरेलू उद्योग के एक घटक ने यह अनुरोध किया है कि उनका संयंत्र 4 मि.मी. और उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ का उत्पादन कर सकता है और उन्होंने क्षति अवधि से पहले अर्थात् 2003-04 के दौरान 4 मि.मी. मोटाई के एमडीएफ का वस्तुतः उत्पादन किया है जबकि क्षति अवधि के दौरान उन्होंने 6 मि.मी. या उससे अधिक मोटाई के एमडीएफ बोर्डों का उत्पादन किया है। घरेलू उद्योग ने दिनांक 5 जनवरी, 2009 के अपने पत्र द्वारा यह अनुरोध किया है कि 5 मि.मी. तक की मोटाई के एमडीएफ बोर्डों को जांच के दायरे से बाहर रखा जाए।

- (iii) मै. थमारापल्ली ब्रदर्स, एर्णाकुलम ने यह उल्लेख किया है कि स्थानीय एमडीएफ में फफूंदी, बोरर, दीमक आदि के भारी संक्रमण की आशंका रहती है और इसकी स्क्रू होल्डिंग क्षमता काफी खराब है।

- (iv) मै. स्पेशलुड फर्नीचर्स प्रा. लि., नागपुर ने यह उल्लेख किया है कि एचएस कोड के 4 अंकों पर उत्पाद का पता लगाने में सांद्रता, शामिल किए गए तल अथवा यांत्रिक रूप से कार्य किया गया है या नहीं, के संबंध में एमडीएफ की किसी स्पष्ट परिभाषा के बिना सभी अन्य फाइबर बोर्डों को एमडीएफ मानने में धोखाधड़ी होने की संभावना रहती है।

#### ग. समान वस्तु :

9. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है :-

“समान वस्तु” का अर्थ एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में अन्य किसी वस्तु से है जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों ;

10. आवेदकों ने यह दावा किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोगों उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। यह दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। आवेदकों ने निम्नानुसार अनुरोध भी किए हैं :

- (i) कच्ची सामग्रियों में अंतर से दोनों उत्पाद भिन्न नहीं हो जाते हैं। जिस बात की जांच करना संगत है वह है कि क्या आवश्यक उत्पाद के गुणधर्म कच्ची सामग्री में अंतर के कारण अलग-अलग हैं। इस कारण हितबद्ध पक्षकारों का यह भी दावा नहीं हो सकता कि उत्पाद के गुणधर्म कच्ची सामग्री के आधार पर अलग-अलग हैं।

- (ii) यह तर्क कि उच्चतर आकारों (1220 मि.मी. × 2440 मि.मी. से अधिक) का उत्पादन भारत में नहीं किया जाता है, तथ्यतः गलत है। एक याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा एमडीएफ के उच्चतर आकारों का उत्पादन किया गया है।
- (iii) इसके होते हुए भी विधिक अपेक्षा यह है कि क्या घरेलू उद्योग समान वस्तु की पेशकश कर रहा है। एमडीएफ के आकार में मात्र अंतर से वह अलग-अलग नहीं हो जाता है।
- (iv) कम उपसर्जन मानक वाले एमडीएफ बोर्डों का भारत में उत्पादन नहीं किया जाता है, निराधार है। पाटित उत्पाद की उपलब्धता के कारण उपभोक्ताओं ने घरेलू उद्योग से इसकी मांग ही नहीं की है। इसके होते हुए भी विशेष उत्सर्जन मानकों वाले प्लेन एमडीएफ का उत्पादन सही फार्मेल्टीडाइड रेजिन के उपयोग का मामला बनता है। फार्मेल्टीडाइड रेजिन कोई स्वामित्व वाली मद नहीं है। घरेलू उद्योग संगत फार्मेल्टीडाइड रेजिन का उपयोग कर सकता है और अपेक्षित उत्सर्जन मानकों की पूर्ति करते हुए प्लेन एमडीएफ का उत्पादन कर सकता है।
- (v) अब तक कोई भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार यह सिद्ध करने में समर्थ नहीं रहा है कि आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पाद भिन्न वस्तुएं हैं।

11. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं और मुद्दे उठाए गए हैं :-

- (क) एसोसिएशन ऑफ फर्नीचर मैन्यूफैक्चरर्स ऑफ इंडिया (एएफएमआई) ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-
- (i) कि घरेलू उद्योग न तो फर्नीचर उद्योग के लिए अपेक्षित विशिष्टीकृत एमडीएफ का उत्पादन करता है और न ही उसका उत्पादन करने की उसके पास क्षमता है क्योंकि कम फार्मेल्टीडाइड उत्सर्जन वाला (एलएफई) एमडीएफ फर्नीचरों में प्रयोग होने वाला कास्ट के संघटकों के लिए एक अनिवार्य अपेक्षा है तथा समूचे यूरोप को फर्नीचरों के निर्यात हेतु कैलिफोर्निया एयर रिसोर्सेज बोर्ड (सीएआरबी) के विनियमों का अनिवार्य अनुपालन अपेक्षित होता है।
- (ख) मै. मेरीनो पेनल प्रोडक्ट्स लि., जिला-झुजूर, हरियाणा ने समान वस्तु, संदर्भ कीमत, अम.डॉ. में संदर्भ कीमत, क्षतिरहित कीमत, सार्वजनिक हित एवं डब्ल्यूटीओ करार से संबंधित मुद्दे उठाए हैं और निम्नलिखित अनुरोध भी किए हैं :-
- (i) कि चार अंकीय एचएस कोड 4411 में समस्त फाइबर बोर्ड शामिल हैं और इसलिए एमडीएफ को कम से कम सांद्रता या 8 अंकीय स्तर पर एच एस कोड पर इसे परिभाषित किए जाने से किसी शंका या स्पष्टता का समाधान हो जाता है।

(ग) मै. स्पेसवुड फर्नीचर्स प्रा. लि., नागपुर ने समान वस्तु, संदर्भ कीमत, अम. डॉ. में संदर्भ कीमत, क्षतिरहित कीमत, सार्वजनिक हित एवं डब्ल्यूटीओ करार से संबंधित मुद्दे उठाए हैं और निम्नलिखित विशिष्ट अनुरोध भी किए हैं :-

- (i) कि इस आराय का कोई सुविचारित निर्धारण नहीं है कि भारतीय एमडीएफ कंपनियों द्वारा उत्पादित एमडीएफ उनके उद्योग की तकनीकी, भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों की अपेक्षा को पूरा करता है और घरेलू एमडीएफ उनके उद्योग के लिए अपेक्षित एमडीएफ से भिन्न है तथा दोनों किसी भी हालत में पूर्णतः प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।
- (ii) कि यद्यपि घरेलू उद्योग 6 मि.मी. की मोटाई के एमडीएफ का उत्पादन करता है, तथापि व्यापार की सामान्य प्रक्रिया का इस प्रकार के उत्पादन का कोई सक्षम नहीं है और इस तथ्य का भी प्रकटन नहीं किया गया है कि 8 मि.मी. से कम की मोटाई का उत्पादन 8 मि.मी. से कम की रेंज के फतले वैनलों के उत्पादन में डेलाइट प्रेसों की सीमाओं के साथ भी आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।

12. प्राधिकारी ने नोट किया है कि हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में अनेक तर्क दिए हैं और उन पर इस अंतिम जांच परिणाम के पैरा 20 में विस्तार से विचार किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विधिवत् विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति :

13. यह याचिका मै. शिरडी इंडस्ट्रिय लि., मुम्बई और मै. न्यूकैम लि.-फरीदाबाद द्वारा दायर की गई है। आवेदकों के अलावा, मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. भी जांच अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद के उत्पादक रहे हैं। प्राधिकारी ने नोट किया है कि डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त आयातों की सौदागार सूचना से यह पता चलता है कि मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। निर्यातकों के उत्तरों के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि मै. मंगलम टिम्बर ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा (\*\*\* सीबीएम) का आयात किया है। यह भी पाया गया है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज पहले संबद्ध वस्तु के आयातक रहे हैं परंतु उनके संयंत्र ने अप्रैल, 2007 अर्थात् जांच अवधि में ही उत्पादन शुरू किया है। जांच अवधि के दौरान मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने संबद्ध वस्तु की केवल \*\*\* सीबीएम मात्रा का आयात किया था जो घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों के 1% से कम है।

14. आवेदकों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- (i) जांच अवधि के दौरान मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. द्वारा आयात का कोई आर्डर नहीं दिया गया है। जांच



अवधि के दौरान प्राप्त वस्तु का आर्डर काफी समय पूर्व दिया गया था और प्राप्त खर्चों 6 मि.मी. और उससे अधिक की मोटाई के \*\*\* सीबीएम प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड की रही है और उनकी निकासी ऐसे ऑर्डरों पर जांच अवधि के दौरान की गई है। यह उल्लेखनीय है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक नई कंपनी है जिसने जांच अवधि के दौरान उत्पादन शुरू किया है और यह समूह पूर्व में विचाराधीन उत्पाद के आयातों में शामिल था।

- (ii) उत्पादन शुरू किए जाने के कारण मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने आयात बंद कर दिए तथा अपना खुद का उत्पादन बढ़ाया। वस्तुतः नियम 2(ख) के अंतर्गत अलग रखने के विवेकाधिकार से केवल ऐसी स्थितियों का तात्पर्य निकलता है। अलग तभी रखा जाना चाहिए जब किसी कंपनी का ध्यान उत्पादन से हटकर आयातों पर केन्द्रित हो जाए। वर्तमान मामले में ध्यान अन्य रूप में अर्थात् आयातों से हटकर घरेलू उत्पादन पर केन्द्रित हुआ है।

- (iii) मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. की स्थिति मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. से एकदम भिन्न है। मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. विचाराधीन उत्पाद का उत्पाद करता आ रहा है और उसने पाटित कीमतों पर उत्पाद का आयात करना और घरेलू बाजार में उसकी बिक्री करना अधिक लाभकारी पाया और इस प्रकार उसने उत्पादन से ध्यान हटाकर आयातों पर केन्द्रित किया।

- (iv) कि मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए आयातों से उन्हें घरेलू उद्योग से अलग रखना पूर्णतः न्यायोचित है।

15. हितबद्ध पक्षकारों ने इस आशय के तर्क दिए हैं कि शिकायतकर्ता सीमा-शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के नियम 2(ख) के अंतर्गत यथापरिभाषित घरेलू उद्योग नहीं है क्योंकि शिकायतकर्ताओं में से एक अर्थात् मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात एवं व्यापार में शामिल रहा है। इसके अलावा, मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. संबद्ध वस्तु का एक बड़ा विनिर्माता रहा है और उसने लाभों की सूचना दी है और वे विकृत आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए वर्तमान जांच से जानबूझकर अलग रहे हैं।

#### घ.1 निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष तथ्य :

16. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान तीन घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. न्यूकैम लि., मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. और मै. मंगलम टिम्बर प्रोडक्ट्स लि. रहे थे। इन तीनों घरेलू उत्पादकों में से पहले दो आवेदक हैं और जांच अवधि के दौरान मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने संबद्ध वस्तु की केवल \*\*\* सीबीएम मात्रा का आयात किया था जो घरेलू उद्योग की कुल बिक्रियों के 1% से कम है।

इसके अलावा, मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. जांच अवधि से पूर्व एक अत्यंतक था और उसने उत्पादन की शुरुआत से पूर्व आयात बंद कर दिए थे।

17. सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद और रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि याचिकाकर्ताओं के उत्पादन का जांच अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन में बड़ा हिस्सा बनता है जैसा कि निम्नांकित तालिका से स्पष्ट है :-

याचिकाकर्ताओं का उत्पादन सीबीएम	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन सीबीएम	कुल भारतीय उत्पादन सीबीएम	भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ताओं का हिस्सा सीबीएम
***	***	***	65.79%

18. अतः प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ता नियमावली के अंतर्गत योग्यता संबंधी शर्तों को पूरा करते हैं और याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3)(क) के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" हैं।

#### घ.2 निर्धारित न्यूनतम सीमाएं :

19. याचिकाकर्ताओं ने आवेदन में आयात के आंकड़े दो स्रोतों से उपलब्ध कराए हैं, डीजीसीआईएस के आंकड़े जो 30 जून, 2006 तक के हैं और इम्फो-इंडव सर्विस के आंकड़े जो संपूर्ण क्षति अवधि को कवर करते हैं। तत्पश्चात् संपूर्ण क्षति जांच अवधि को कवर करने वाले डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों की मांग प्राधिकारी द्वारा की गई थी। डीजीसीआई एंड एस से क्षति अवधि के लिए सौदावार आंकड़े प्राप्त किए गए हैं और सीआईएफ निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु उन पर विचार किया गया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातित मात्राएं नियमों के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक रहीं थी।

इ अन्य अनुरोध तथा उठाए गए मुद्दे :

20. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनेक अनुरोध किए गए हैं तथा मुद्दे उठाए गए हैं और उन पर इस प्रकटन विवरण में विचार किया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट अनुरोध तथा दिए गए तर्क निम्नानुसार हैं :-

ड.1 एपीजे-एसएलजी विधि कार्यालय के अनुरोध (डोंग्बा पेटीना न्यूजीलैंड, एबररीन फाइबर बोर्ड-मलेशिया, एचस्ट्रीन फाइबर बोर्ड (केबी)-मलेशिया, सिनाथ फाइबर बोर्ड-थाइलैंड, रॉकिंग रिस्सेज-मलेशिया, सेगासट पेन्स बोर्ड-मलेशिया, एडवारा फाइबर कंपनी थाइलैंड, मेट्रोफाइबर कंपनी थाइलैंड, पेद्रो एमडीएफ थाइलैंड की ओर से)

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा कारणतमक संबंध को बारे में दिया गया यह विवरण कि याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी और संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के बीच कोई अंतर नहीं है, मूलतः है। उद्योग के पास 8'x4' से अधिक के एमडीएफ का उत्पादन करने की क्षमता

- नहीं है। प्रयोक्ता के आकार के अनुसार बोर्ड के उत्पादन के संबंध में याचिका में दिया गया विवरण गलत है क्योंकि उद्योग 8'x4' से बड़े बोर्डों का उत्पादन नहीं कर सकता है। मोटाई के संबंध में भी गुमराह करने वाली और गलत सूचना दी गई है। आयात आंकड़ों में वे उत्पाद शामिल हैं जो भारत में विनिर्मित नहीं होते हैं। 6 मिमी. से कम के आयातों को पाटन और क्षति विश्लेषण से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (ii) बाजार हिस्से संबंधी विश्लेषण में नए उत्पादक का प्रवेश ध्यान में रखा जाना चाहिए जिसने बाजार के बड़े हिस्से पर अधिकार जमा लिया है। इसके अलावा, मै. मंगलम के निष्पादन में सुधार हुआ है जो जांच में भाग नहीं ले रहे हैं। प्रतिस्थापना प्रभाव के संबंध में कोई विश्लेषण नहीं किया गया है। एमडीएफ प्लाइवुड, लेमिनेटेड बोर्ड, अन्य इंजीनियरी बोर्डों आदि के लिए प्रतिस्थापनीय है। ये सभी बाजार में एमडीएफ से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। क्षमता और उत्पादन में वृद्धि हुई है, इस प्रकार कोई क्षति नहीं हुई है। आयातों में वृद्धि मांग में असामान्य वृद्धि के कारण और 6 मिमी. से कम की मोटाई को शामिल किए जाने के कारण हुई है। घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन को आयातों से जोड़ा नहीं जाए क्योंकि घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान घाटा उठा रहा है। मालसूची के स्तरों और उसकी पद्धति के संबंध में गोपनीयता का कोई दावा नहीं किया जा सकता है। पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का स्पष्ट अभाव है क्योंकि मै. न्यूकैम अनेक वित्तीय समस्याओं के कारण खराब निष्पादन कर रहे हैं जो कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट से भी पता चलता है। मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संबंध में उनके पास एमडीएफ के उत्पादन का अनुभव नहीं है और वे चीन से प्रौद्योगिकीय आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर करते हैं तथा सहायता प्रदान करने में कोई असमर्थता कम्पनी के प्रचालनों पर प्रभाव डालती है। इसके अलावा, यह स्वीकार किया गया है कि उत्तराखण्ड में स्थित विनिर्माण सुविधाएं समुद्री पत्तन से काफी दूर हैं जिससे परिवहन में काफी लागत आती है। मंगलम के कार्य निष्पादन में कथित पाटित आयातों के बावजूद सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग के संयंत्र का आकार पैमाने की मितव्ययिताएं उपलब्ध नहीं कराता है। मै. शिरडी इंडस्ट्रीज को कर संबंधी अनेक लाभ मिलते हैं इसलिए उनके उत्पाद मै. न्यूकैम से कम कीमत के हैं और उनमें आंतरिक प्रतिस्पर्धा है।
- (iii) ऐसा प्रतीत होता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मलेशिया के सभी निर्यातकों के लिए एक ही सामान्य मूल्य निर्धारित किया है।
- (iv) कि घरेलू उद्योग वर्तमान जांच के तथ्यों और परिस्थितियों में क्षति की किसी पुष्टि करने में पूर्णतः विफल रहा है।
- (v) यह तथ्य स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने आवेदन दायर करते समय अनेक भ्रामक विवरण दिए हैं।
- (vi) कि विनिर्माता मेनडे या कंटीन्यूअस प्रेसों की ओर मुड़े हैं और यह प्रौद्योगिकीय उन्नति सर्वविदित है तथा प्रौद्योगिकीय प्रगति के बारे में कोई गलत घोषणा नहीं की गई है।
- (vii) कि याचिका के अगोपनीय रूपांतरण में विसंगतियां हैं।
- (viii) कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त लिखित अनुरोध पर क्रम संख्या नहीं दी गई है जिससे पैरावार टिप्पणियां देना कठिन हो गया है जैसी कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 22 अक्टूबर, 2007 की व्यापार सूचना सं. 1/2007 के अनुसार अपेक्षा की है।
- (ix) यह विवादस्पद है कि कच्ची सामग्री में अंतर से दोनों उत्पाद भिन्न-भिन्न नहीं होंगे। उत्पादक द्वारा कच्ची सामग्री में अंतर का प्रयोग अंतिम उपभोक्ता के अंतिम प्रयोगों के मद्देनजर किया जाता है। किसी विशेष प्रकार की कच्ची सामग्री द्वारा निर्मित एमडीएफ अंतिम प्रयोग तथा उपभोक्ता की जरूरत को ध्यान में रखते हुए अलग कच्ची सामग्री से निर्मित एमडीएफ का स्थान नहीं ले सकता। इसके अलावा, अनुरोध है कि तैयार किए गए अंतिम उत्पाद रंग तथा कीमत के रूप में अलग-अलग होंगे क्योंकि लकड़ी की कीमत में भी काफी अंतर होता है अतः घरेलू उद्योग के अनुरूप अस्वीकार किए जाने की जरूरत है।
- (x) घरेलू उद्योग ने पहली बार यह खुलासा किया है कि वे 8'x4' से अधिक आकारों का उत्पादन कर रहे हैं और इस संबंध में प्राधिकारी को साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- (xi) गुणवत्ता के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोधों को अस्वीकार किए जाने की जरूरत है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित नीति अन्य मामलों में अपनाई गई नीति के विपरीत है।
- (xii) कम उत्सर्जन के मानकों के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध साक्ष्य रहित हों और इस प्रकार उन्हें अस्वीकार किया जाना अपेक्षित है।
- (xiii) घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि मै. शिरडी ने जांच अवधि में कोई आयात नहीं किया है और जांच अवधि में उनके द्वारा प्राप्त वस्तु का ऑर्डर काफी पहले दिया गया था। इस संबंध में अनुरोध है कि प्राधिकारी ने मै. शिरडी द्वारा किए गए आयातों की जांच केवल जांचावधि में ही की है जो कुल घरेलू उद्योग की बिक्री का प्रतिशत है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्षों में मै. शिरडी द्वारा किए गए आयातों की जांच नहीं की गई है। हमारा प्राधिकारी से अनुरोध है कि कृपया पूर्ववर्ती 3 वर्षों में



मै. शिरडी द्वारा किए गए आयातों की भी जांचकी जाए। यह भी अनुरोध है कि भारी मात्रा में आयात करने के बाद कोई घरेलू उत्पादक प्राधिकारी के समक्ष नहीं आ सकता और यह दावा नहीं कर सकता कि उसे आयातों के कारण क्षति हुई है। उपर्युक्त के मद्देनजर हमारा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि कृपया मै. शिरडी को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखें। जांच अवधि के लिए आयात की मात्रा और क्षति जांच अवधि के इस मात्रा का विश्लेषण भी ऐसे आयात शामिल किए जाने के कारण त्रुटिपूर्ण है। इस प्रकार का तर्क देते समय घरेलू उद्योग ने उसी तर्ज पर मै. मंगलम को अलग रखना न्यायोचित ठहराया है। इससे स्वयं यह पता चलता है कि ये तर्क अनुमान, पूर्वानुमान, परिकल्पनाओं एवं आभास पर आधारित हैं। ऐसे तर्क किसी निर्णय का आधार नहीं बन सकते अतः इन्हें अस्वीकार किया जाए।

## इ 2 स्पेसवुड फर्नीचर प्रा.लि. के अनुरोध :

(i) घरेलू उद्योग द्वारा बनाए गए उत्पाद में सुसंगतता, गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी मानकों का अभाव है जिससे हमें अन्य देशों से एमडीएफ की खरीद के लिए बाध्य होना पड़ा है। फाइबर बोर्ड का प्रयोग मोटे तौर पर सरंधता, सतह की मजबूती, रूटेबिलिटी, चमक, प्वाइटेबिलिटी, मुद्रणीयता, प्रोफाइलिंग हानिकारक फार्मैल्डेहाइड रसायन के निस्सारण की सीमाएं संपोषणनीय आद्रता प्रतिरोध, हाइड्रो-विस्तारण, स्थिरता और पैनल की समतलता आयाती विशेषताओं की एक समानता सही पैनल डेन्सिटी प्रोफाइल फाइबर से पैनल कम्प्रेसर का अनुपात, रेजिन भार आदि पर निर्भर करती है। इन मापदंडों की दृष्टि से घरेलू उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय उत्पादों के आगे कहीं नहीं उठते हैं। घरेलू उत्पादों में से कोई भी फार्मैल्डेहाइड मानकों के अनुरूप नहीं है। घरेलू उद्योग सीमित मोटाई और आकारों के फाइबर बोर्ड का उत्पादन करता है जबकि प्रयोक्ता उद्योग की जरूरतें इससे काफी अधिक हैं। कोई भी याचिकाकर्ता उनके उत्पाद विवरण के अनुसार 8 मिमी. से कम की मोटाई का उत्पादन नहीं करता है। सोर्सिंग करने का हमारा निर्णय केवल कीमत पर आधारित नहीं है। यह कार्य निष्पादन मूल्य के अलावा उपयुक्तता, कार्यात्मकता और गुणवत्ता के अन्य अनेक गुणों पर आधारित है। यदि जैसा कि दावा किया गया है सभी फाइबर बोर्ड समान होते हैं। तो हमारे लिए आयात करने और कम से कम 20 प्रतिशत अधिक मूल्य खर्च करने की कोई बाध्यता नहीं होनी चाहिए। मै. शिरडी कच्ची सामग्री के रूप में आयातित बोर्डों के साथ अपने फर्नीचर संघटक संयंत्र की जरूरत को पूरा करने के लिए चेन्नई में एक लेमिनेशन संयंत्र की स्थापना कर रहा है। अपनी स्वयं की आबद्ध खपत के लिए वे अपने स्वयं के उत्पाद पर भरोसा नहीं कर रहा है।

(ii) क्षति और आयातों के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। शिकायतकर्ता पहले भी अध्याय 4410 और 4411 के

अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को आयातों की नकारात्मक सूची में लाने का असफल प्रयास कर चुका है। एमडीएफ उद्योग और कागज की लुप्त उद्योग के बीच वित्तीय सुदृढ़ता और प्रचालनात्मक किफायत अन्य क्षेत्र के लिए कच्ची सामग्री की कीमतों और उपलब्धता निर्धारित करती है। सभी न्यूकैम पिछले 25 वर्षों से एमडीएफ के व्यापार में और 50 वर्षों से रेजिन के व्यापार में शामिल है तथापि पिछले अनेक वर्षों से उन्होंने किसी करयोग्य लाभ की घोषणा नहीं की है जिससे यह पता चलता है कि उनके प्रचालन आयातों के शुरू होने से पहले भी कभी लाभकारी नहीं रहे हैं। दोनों याचिकाकर्ताओं को हुई क्षति का कारण कोई और है और न कि आयात हैं क्योंकि दूसरा घरेलू उत्पादक मै. मंगलम लाभ दर्शा रहा है। वर्तमान जांच का दीर्घावधिक नीति पर काफी निहितार्थ है और इससे अनेक सामाजिक-आर्थिक और पारिस्थितिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। वर्तमान जांच वन उत्पादों संबंधी डब्ल्यूटीओ करार के भी विपरीत है।

(iii) आवास निर्माण भारतीय अर्थव्यवस्था की एक अन्य वरीयता और उच्च वृद्धि तथा रोजगार के सृजन करने वाला क्षेत्र है और यह सभी को वहनीय घर उपलब्ध करा रहा है। एमडीएफ बोर्ड पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से माडयूलर फर्नीचर के आयातों में वृद्धि होगी।

(iv) कि इस आशय का कोई सुविचारित निर्धारण नहीं है कि भारतीय एमडीएफ कंपनियों द्वारा उत्पादित एमडीएफ उनके उद्योग की तकनीकी, भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्मों की अपेक्षा को पूरा करता है और घरेलू एमडीएफ उनके उद्योग के लिए अपेक्षित एमडीएफ से भिन्न है तथा दोनों किसी भी हालत में पूणतः प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।

(v) कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के खतरे के बारे में दिया गया तर्क इस तथ्य के मद्देनजर पूर्णतः झूठ है कि दोषपूर्ण और घटिया उत्पाद अच्छे एवं निष्पादनकारी उत्पाद की तुलना में उपभोक्ताओं की स्वीकार्यता को देते हैं।

(vi) 9(1)(ग) के उप नियम (i) के अंतर्गत सामान्य मूल्यों के निर्धारण की कार्य पद्धति के पक्ष में एकमात्र बाध्यकारी कारण यह है कि इस आशय के अनेक सार्थक कारण हैं कि नियम 9(1)(ग)(ii) के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कीमत को इस चुनौती के मद्देनजर पाटन मार्जिन के निर्धारण का आधार क्यों नहीं बनाया जाता कि घरेलू बाजार में ऐसी बिक्रिया व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में नहीं की गई थीं।

(vii) कि प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने नागपुर एवं दिल्ली जैसे आई सी डी गंतव्यों पर सीमा-शुल्क बॉर्डर पर पहुंच लागत पर विचार नहीं किया है परंतु इसे मोचन के समुद्री पत्तन तक सीमित रखा गया है तथा क्षति मार्जिन को 15-10-2008 को किए गए उनके अनुरोधों पर ध्यान दिए बिना बेवजह बढ़ाया गया है। इसके अलावा, आईसीडी गंतव्यों तक उत्पाद को ले जाने में शामिल अंतरदेशीय भाड़े से ही क्षति मार्जिन में काफी कमी आ जाती है और यह

न्यूजीलैंड के लिए पूर्णतः समाप्त हो जाता है। अनुरोध है कि समुद्री सीमा शुल्क पत्तन, जहां कागों समुद्री जलयान से आई सी डी गंतव्यों पर सीमा-शुल्क चौकी तक ले जाया जाता है और जहां सीमा-शुल्क के लिए उसका वास्तविक निर्धारण किया जाता है और आयातक द्वारा प्राप्त किया जाता है, के बजाए सीमा-शुल्क चौकी पर जहां संबद्ध वस्तु की सुपुर्दगी की गई थी और व्यापार की मुख्य धारा में आया था, पहुंच मूल्य की तुलना करने के उनके अनुरोध को स्वीकार न करने के कारणों को दर्ज कर उन्हें एक अवसर प्रदान किया जाए।

(viii) कि पहुंच लागत को प्रभावित करने वाली रुपया डॉलर विनिमय दर में असाधारण परिवर्तनों से ध्यान हटाया गया है और उसकी जांच नहीं की गई है और निर्यातक या आयातक के घरेलू बाजार की मुद्रा के रूप में अम.डॉ. को मानने का कोई आधार नहीं है।

(ix) कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड उस समय अस्तित्व में आया जब मै. शिरडी द्वारा शुरू किए गए एमडीएफ के आयात एक बाजारी वास्तविकता थी और शिरडी या घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित एम डी एफ उद्योग के अनुमानों को प्रभावित करने वाले आपात स्वरूप के किसी अप्रत्याशित घटनाक्रम का उदाहरण देने के लिए ऐसा कोई मामला नहीं बनाया गया है कि विफलता का कारण केवल पाटन की बजाए पाटन से भिन्न कारण है जिनकी प्राधिकारी द्वारा जांच नहीं की गई है।

**ड 3 दि एसोसिएशन ऑफ फर्नीचर मैन्यूफैक्चरर्स इंडिया के अनुरोध :**

- (i) कि भारतीय फर्नीचर विनिर्माताओं द्वारा भी घरेलू, संस्थागत, माने गए निर्यातों एवं एस ई जैड इकाइयों के लिए फर्नीचर के विनिर्माण हेतु विचाराधीन उत्पाद का आयात किया जाता है। और पाटनरोधी प्रस्ताव से फर्नीचर उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- (ii) कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत निविष्टि की लागत से संबंधित आंकड़े पाटनरोधी शुल्क की मांग के उद्देश्यों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।
- (iii) कि भारत में संगठित एवं असंगठित दोनों क्षेत्रों में 10,000 से अधिक बड़ी और छोटी फर्नीचर फैक्टरियां हैं तथा फर्नीचर उद्योग और उसके सहायक उद्योगों ने 10,000 से अधिक कामगारों को प्रत्यक्ष रोजगार देते हुए उत्पादन क्षमताओं की स्थापना में 5000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।
- (iv) कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा देश में लकड़ी के नरम वृक्षों को गिराने पर लगे प्रतिबंध के कारण कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, लकड़ी के मामले में स्वीकार्य नहीं है।
- (v) क्या भारत सरकार ऑर्डर में दिए गए अधिदेश के अनुसार घरेलू एमडीएफ से निर्मित घटिया गैर-निष्पादनकारी उत्पादकों के अंधाधुन्ध उपयोग से उत्पन्न और उसकी परिणामी

जिम्मेवारी के प्रति भारत में फैब्रिकेटर्स तथा फर्नीचर के पुनः विक्रेताओं को आर्थिक एवं आपराधिक दोनों प्रकार की छूट प्रदान करने की स्थिति में होगी?

(vi) लेमिनेटिड बोर्ड तथा फर्नीचर के आयातों के विरुद्ध भारतीय फर्नीचर उद्योग तथा उसकी सहायक कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु उन मामलों में सरकार क्या उपाय करना चाहती है जहां पाटनरोधी उपाय या रक्षोपाय विधिसम्मत ढंग से लागू रहने में असफल होंगे।

(vii) भारतीय फर्नीचर उद्योग तथा उसकी सहायक कंपनियों ने भारी निवेश के साथ भारी निधियों का निवेश किया है तथा किए गए निवेश और सृजित रोजगार का भविष्य निस्संदेह भारी जोखिम में पड़ जाएगा।

**ड 4 मै. बजाज इकोटेक प्रोडक्ट्स लि., मुंबई के अनुरोध :**

- (i) मै. बजाज इकोटेक प्रोडक्ट्स लि., मुंबई ने कहा कि उन्होंने दिनांक 1 अप्रैल, 2008 को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और उन्हें काफी कम कीमतों पर उत्पाद की बिक्री के लिए बाध्य होना पड़ा है और ऐसी कम कीमतों पर कोई भी उत्पादक अपने प्रचालन नहीं चला सकता है और वे संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए याचिका का समर्थन करते हैं।

**ड 5 मै. मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स (वेलफेयर) एसोसिएशन, मुरादाबाद के अनुरोध :**

- (i) मै. मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स (वेलफेयर) एसोसिएशन, मुरादाबाद ने यह कहा है कि किसी भी भारतीय उत्पादक के पास भारत में विवैले पदार्थ रहित एमडीएफ का विनिर्माण करने की प्रौद्योगिकी और क्षमता नहीं है जबकि स्तर ई-1 और ई-0 के कम फार्मेलडीहाइड के निस्सारण के साथ एमडीएफ में निस्सारण मुक्त अपेक्षा बीओसी (अस्थिर कार्बनिक रसायन) को पूरा करना विश्व के उन अधिकांश विकसित देशों की अनिवार्य अपेक्षा है जहां वे एमडीएफ से बने अपने उत्पादों का निर्यात करते हैं। उन्होंने आगे यह कहा है कि घरेलू उद्योग 6 मिमी. से कम मोटाई की संबद्ध वस्तु का विनिर्माण नहीं करता है जबकि उनके निर्यातकों के पास 2.5 मिमी. से 3.5 मिमी. के बीच की मोटाई के लिए काफी मांग है।

**ड 6 दि फेडरेशन ऑफ थाइ इंडस्ट्रीज के अनुरोध :**

- (i) वे मानते हैं कि भारतीय एमडीएफ के निर्माता (i) 6 मिमी. से कम मोटाई के पतले एमडीएफ (ii) अल्प फार्मेलडीहाइड एमडीएफ और (iii) बड़े आकार के एमडीएफ जैसे 6'x8' और 5'x9' का उत्पादन नहीं करते हैं।
- (ii) उन्होंने यह भी प्रस्ताव किया है कि (i) यांत्रिक रूप से तैयार या कवर्ड सतह वाले एमडीएफ (प्लेन एमडीएफ नहीं) (ii) उच्च घनत्व वाले फाइबर बोर्ड 4411.92.00

तथा कम घनत्व वाले फाइबर बोर्ड 4411.94.00 को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में ब्यौरों को सूचीबद्ध करने वाली एक सूची संलग्न की है।

**ड 7 रॉयल थाई गवर्नमेंट की ओर से विदेश व्यापार विभाग के अनुरोध :**

- (i) कि वे यह जानना चाहते हैं कि क्या (i) पतले एमडीएफ (6 मिमी. से कम मोटाई के), (ii) कम फॉर्मलडीहाइड के एमडीएफ और (iii) बड़े आकार के एमडीएफ जैसे  $6' \times 6'$  और  $5' \times 9'$  उत्पाद जांच के दायरे में आते हैं।

**ड 8 मै. थमारापल्ली ब्रदर्स, एर्णाकुलम के अनुरोध :**

- (i) कि वे मिश्रित कटिबंधीय कठोर लकड़ी के एमडीएफ के आयात और विपणन में शामिल हैं जिनका घरेलू विनिर्माताओं द्वारा उत्पादन नहीं किया जाता है और उक्त उत्पाद में ऐसी विशिष्ट विशेषताएं हैं जो केरल जैसे उच्च आर्द्रता वाले स्थानों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। परंतु उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं।
- (ii) कि पैनल उद्योग में पार्टीकल बोर्ड, प्लाईवुड और एमडीएफ आता है और उनकी वैश्विक खपत का अपुपात 55 प्रतिशत, 20 प्रतिशत और 25 प्रतिशत है जबकि भारतीय स्थितियों में यह 6 प्रतिशत, 90 प्रतिशत और 4 प्रतिशत है और चूंकि भारत में प्लाईवुड का उत्पादन कच्ची सामग्री की कमी का सामना कर रहा है, इसलिए उसमें भी घट-बढ़ विश्व मानकों के अनुसार होगी।
- (iii) कि घरेलू उद्योग ने कोई आधार दिए बिना सामान्य मूल्य के रूप में अत्यधिक बढ़ी हुई राशि प्रदर्शित करते हुए ग्रामक तथा झूठे विवरण तथा आंकड़े दायर किए हैं क्योंकि मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का उल्लेख 575.77 अम.डॉ. प्रति मी.ट. के रूप में किया गया है।
- (iv) कि समस्त घरेलू फैक्टरियां उत्तर भारत में स्थित हैं और मै. न्यूकैम फैक्ट्री से चेन्नई तक की दूलाई लागत लगभग 75 अम.डॉ. प्रति सीबीएम होगी जबकि पोर्टब्लांग से चेन्नई तक की दूलाई लागत केवल 20 अम. डॉ. प्रति सी बी एम है और स्थानीय फैक्टरियों के भूभागीय अलाभों के कारण दक्षिण के बाजारों की जरूरत को पूरी करना व्यवहार्य नहीं हो सकता है।
- (v) कि स्थानीय एमडीएफ में फफूंदी, बोरर, दीमक आदि के भारी संक्रमण की आशंका रहती है और इसकी स्कू होल्डिंग क्षमता काफी खराब है। प्रारंभिक जांच परिणामों से हजारों छोटे/बड़े फर्नीचर निर्माता एकक और समस्त निर्माण उद्योग बंद हो जाएगा तथा भारत में फर्नीचर के पाटन का विकल्प खुलने के कारण देश में अत्यधिक बेरोजगारी उत्पन्न हो जाएगी।
- (vi) 30 सितंबर, 2007 को समाप्त अवधि के लिए न्यूकैम लि. के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों से यह पता चलता है कि आयातों के कारण मै. न्यूकैम को कोई क्षति नहीं हुई है

और किसी नकद/नकद प्रवाह की समस्या निधियों के अन्यत्र प्रयोग, कुप्रबंधन, खराब कार्यशील पूंजी प्रबंधन, खराब वित्तीय योजना एवं अत्यंत खराब निवेश योजना के कारण उत्पन्न हुई है।

- (vii) कि जमा की गई मूल राशियों के पुनर्भुगतान का कार्यक्रम पुनः तैयार करने हेतु मै. न्यूकैम ने कंपनी विधि बोर्ड, उत्तरी पीठ से संपर्क किया है और उसका एमडीएफ प्रभाग अभी भी लाभ दर्शा रहा है और उसकी समस्याओं का आरोपित पाटन से कोई संबंध नहीं है।
- (viii) कि मै. मंगलम ने प्रपाती लाभ कमाया है और मै. शिरडी द्वारा अपनी विनिर्माण सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।
- (ix) कि प्रारंभिक जांच परिणामों में यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता एवं उत्पादन में मजदूरी, उत्पादकता, घरेलू बिक्री तथा बिक्री कीमत में सुधार के कारण वृद्धि हुई है और इनसे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- (x) कि उन्होंने अत्यधिक फफूंदीरोधी होने के कारण केरल जैसे तटवर्ती क्षेत्रों के लिए उपयुक्त मिश्रित उष्ण कटिबंधीय हार्ड वुड एमडीएफ का आयात किया।
- (xi) कि विनिमय दर 39 रुपए प्रति डॉलर थी जो अब बढ़कर 52 रुपए हो गई है।
- (xii) कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात किया और वह घरेलू उद्योग को परिभाषित करने वाले पाटनरोधी नियम के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के दायरे में नहीं आता है।
- (xiii) सामान्य मूल्य के अभाव में आयातकों के साथ प्राकृतिक न्याय नहीं हुआ है क्योंकि वे प्रारंभिक जांच परिणामों को चुनौती देने की स्थिति में नहीं हैं, और
- (ix) कि प्रारंभिक जांच परिणामों में उनके लिखित अनुरोधों पर विचार नहीं किया गया है।

**ड 9 मै. मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसो., मुरादाबाद के अनुरोध :**

- (i) यह कि घरेलू उद्योग का कोई भी उत्पादक कम फॉर्मलडीहाइड निस्सारणों के संबंध में यूएस सीएआरबी और 1-1-2009 से लागू अमेरिका में बनाए गए नए कानून (सीएआरबी) की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले एमडीएफ का विनिर्माण नहीं करता है।
- (ii) यह कि ईओयू के संबंध में पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया गया है। सदस्य इकाइयों द्वारा एमडीएफ का सीधा आयातक बनना संभव नहीं है। दूसरी ओर अधिकांश निर्यातक शिल्पकारों से सीधे हस्तशिल्प के निर्मित उत्पादों को प्राप्त करते हैं जो पारिवारिक उद्यम के रूप में स्वयं उत्पादों को सजाते और डिजाइन करते हैं तथा ऐसे 10,000 से अधिक परिवार हैं जो अपने घरों में हस्तशिल्प के कार्यों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं।

- (iii) यह कि आयातित एमडीएफ पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू हस्तशिल्प उद्योग की समस्याओं में और वृद्धि होगी जो मंदी के दौरान पहले से ही अपनी स्थापित क्षमताओं के सकल अल्प उपयोग के कारण भारी घाटा झेल रहा है।
- ड 10** मै. सी.एल. गुप्ता एक्सपोर्ट्स लि., एक 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई, जे.पी. नगर-244221 के अनुरोध :
- (i) यह कि भारत और एशियाई देशों में कोई भी विनिर्माता नई शतों और विनिर्देशनों के अनुसार अमरीका और यूरोपीय बाजार में सीएआरबी और फार्मेलडीहाइड निस्सारण जैसे नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार विनिर्देशनों और अन्य मापदंडों को पूरा नहीं करता है और पर्यावरण अनुकूल होन की अपेक्षा को भी पूरा नहीं करता है।
- (ii) यह कि पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाए जाने से निर्यातकों को उनकी उत्तरजीविता में मदद मिलेगी और इससे हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात में लगे हुए हजारों श्रमिकों की छंटनी से भी बचा जा सकेगा।
- ड 11** नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र, नोएडा के संयुक्त विकास आयुक्त के अनुरोध :
- (i) उन्होंने 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख इकाई मै. सी.एल. गुप्ता एक्सपोर्ट्स लि. के अभ्यावेदन को अंग्रेषित किया है जिसमें यह कहा गया है कि उक्त इकाई संभवतः भारत में हस्तशिल्प की सबसे बड़ी निर्यातक है और हस्तशिल्प इकाइयों द्वारा लकड़ी के हस्तशिल्प बनाने के लिए कच्ची सामग्री के रूप में मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है। यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग और चीन जन. गण. द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं अमरीका और यूरोप की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करती हैं।
- ड 12** अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, मलेशिया के अनुरोध :
- (i) कि क्षति निर्धारण अवधि (पी ओ आई डी) को विशिष्ट रूप से अभिज्ञात नहीं किया गया है।
- (ii) कि चूंकि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अप्रैल, 2007 के दौरान अर्थात् जांच अवधि के भीतर ही प्रचालन शुरू किया था, इसलिए उनकी राय में क्षति विश्लेषण से सामान्य परिस्थितियों में याचिकाकर्ताओं को हुई क्षति की वास्तविक मात्रा का पता नहीं चलेगा।
- (iii) कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात किया था, याचिकाकर्ता द्वारा मलेशिया से किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों की जांच की जाए तथा संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादकों पर पुनर्विचार किया जाए ताकि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.4 की अपेक्षा के अनुसार घरेलू उद्योग का निर्धारण किया जा सके और पुनः परिभाषित भारतीय घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन किया जा सके।
- (iv) कि मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण समग्र रूप में किया गया है न कि प्रारंभिक जांच परिणामों में किए गए कंपनी विशिष्ट निर्धारण के अनुसार जो डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 के प्रतिकूल है जिसमें यह उल्लेख है कि प्राधिकारी डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4.2 का पालन करेंगे और प्रत्येक सहयोगी निर्यातक के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की उचित तुलना के आधार पर पाटन मार्जिन की मौजूदगी की पुष्टि करेंगे।
- (v) कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार प्राधिकारी के लिए यह निष्कर्ष निकालने हेतु अन्य समस्त ज्ञात कारकों की जांच करनी अपेक्षित है कि क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है न कि इन अन्य कारकों से और प्रारंभिक जांच परिणामों में इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं है कि इस अपेक्षा की संतोषजनक ढंग से जांच की गई है।
- (vi) कि प्रारंभिक जांच परिणामों में घोषित आंकड़ों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि मलेशिया की आरोपित कंपनियों पर पाटन मार्जिन से अधिक अंतिम शुल्क लगाया जाएगा और तदनुसार पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने वाले प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 104 की विषय वस्तु को अमल में नहीं लाया गया है।
- (vii) कि जांच अवधि तथा क्षति निर्धारण अवधि के बीच तालमेल है और पाटन तथा क्षति के निर्धारण में प्रयुक्त समयावधिक में असंगतता के कारण कारणात्मक संबंध सिद्ध नहीं किया जा सकता।
- ड 13** मै. मैरीनो पैनल प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जिला झज्जर, हरियाणा के अनुरोध :
- (i) कि वे भी कई अन्य आयातकों के साथ एक आयातक हैं जिन्होंने कम फार्मेलडीहाइड उत्सर्जन के एल पी एम तथा रासायनिक गुण-धर्मों का आयात किया है, एम डी एफ की लेमिनेशन हेतु सतह का ठोस होना, रूट क्षमता, रंगाई क्षमता या मुद्रण क्षमता आदि लेमिनेशन की प्रक्रिया में कारक होते हैं और तदनुसार गुणवत्ता एक ऐसा मुद्दा है जिसकी वजह से एलपीएम के अनुप्रयोग में एलपीएम उद्योग घरेलू बोर्डों का उपयोग नहीं करता है।
- (ii) कि घरेलू उद्योग का गुणवत्ता मानक असंगत है और काफी घटिया है जिसकी वजह से वह कम कीमतों पर अपने उत्पाद की बिक्री करता है। आगे यह अनुरोध किया गया है कि किन्ही दो ग्रेडों के बीच कीमत में लगभग 40-50 प्रतिशत का अंतर होता है और यह भी सच है कि दो तिहाई से अधिक उत्पादन और उसकी बिक्री न्यून ग्रेडों में की जाती है जिससे बाजारों में उत्पाद की स्वीकार्यता के अभाव अथवा अपने खुद के मानकों में बेहतर गुणवत्ता युक्त उत्पाद का उत्पादन और बिक्री करने में शिकायतकर्ताओं की अक्षमता का पता चलता है।

**ड 14 मै. विक्टरी एम्प्लोयड डिस्ट्रीब्यूटर्स, कन्नूर के अनुरोध :**

- (i) कि भारत में एम्पलीएफ बोर्ड का कुल उत्पन्न कुल मंगा के 1/6 से भी कम है और मंगा में अनुमानित वार्षिक वृद्धि 30 प्रतिशत की दर से होती है तबुसभ भारत में विनिर्मित पूर्ण उत्पन्न क्षमता पर भी बढ़ी हुई मंगा की पूर्ति नहीं कर सकते।
- (ii) कि याचिकाकर्ताओं ने बड़ा-चढ़ा कर दिखाए गए आंकड़ों के साथ प्राधिकारी से संपर्क किया है ताकि प्लेन एम डी एफ बोर्ड पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए प्राधिकारी को प्रमित कर ऐसा कस्यस जा सके और यह कि एम डी एफ बोर्डों की बिक्री जांच परिणामों के साथ संलग्न तालिका में विनिर्दिष्ट दरों पर विश्व में कहीं नहीं की जाती है। संबद्ध देशों के एम्पलीएफ बोर्ड के सामान्य मूल्य का उल्लेख नहीं किया है।
- (iii) कि जांच परिणामों के साथ संलग्न तालिका में विनिर्दिष्ट दरों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से बाजार पर तीनों घरेलू विनिर्माताओं का एकाधिकार स्थापित होगा तथा संबद्ध वस्तु उपलब्ध नहीं होगी जिसका मुख्यतः उपयोग फर्नीचर उद्योग में किया जाता है जिसकी वजह से पटित कीमत पर फर्नीचर का आयात होगा।
- (iv) कि रुपए की तुलना में डालर की विनिमय दरों में लगभग 33% की वृद्धि हुई है अतः वर्ष 2007 के आंकड़ों पर आधारित संदर्भ कीमत तथा विनिमय दरों की वर्ष 2009 में कोई प्रासंगिकता नहीं रहेगी।
- (v) कि संबद्ध वस्तु का पटित कीमत पर आयात नहीं किया जाता है और आवेदकों की बिक्री के बीजकों के साथ तुलना करने पर उनकी कीमत में मामूली अंतर होगा।

**ड 15 प्राधिकारी द्वारा जांच :**

21. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों पर विधिवत् विचार किया है और उन पर उचित स्थानों पर कार्रवाई की है। प्रारंभ में प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित अधिनियम एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार जांच शुरू की है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए "सकारात्मक साक्ष्यों" पर भरोसा किया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा सकारात्मक साक्ष्य प्रदान किए बिना तर्क दिए जाने की स्थिति में अथवा जहां सार्वजनिक स्रोतों से तर्क की प्रामाणिकता या सत्यता का सत्यापन करने की संभावना नहीं रही है, वहां ऐसे तर्कों को स्वीकार करना संभव नहीं हुआ है। अनुच्छेद 3.1 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट "सकारात्मक साक्ष्य" शब्द की डब्ल्यू टी ओ द्वारा व्यापक व्याख्या की गई है। खासकर, अमरीकी-हॉट रोलड स्टील से संबंधित मामले में अपीलीय निकाय ने सकारात्मक साक्ष्य के अर्थ पर विस्तार से विचार किया था और यह निर्णय दिया था कि "सकारात्मक साक्ष्य" पद साक्ष्य की उस गुणवत्ता से संबंधित है, जिस पर प्राधिकारी निर्धारण करते समय भरोसा कर सकते हैं। यह भी स्पष्ट किया गया है कि "सकारात्मक" का अर्थ यह है कि उक्त साक्ष्य पुष्टीकृत, तथ्यपरक एवं सत्यापन योग्य स्वरूप का होना चाहिए और यह भरोसेमंद होना चाहिए।

**ड 16 जांच की शुरुआत :**

(i) जांच शुरू करने के निर्णय की सत्यता, याचिका में उल्लिखित सूचना के प्रकटन तथा नियमावली के नियम 5 का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जांच की शुरुआत से पूर्व घरेलू उद्योग द्वारा दायर दस्तावेजों/सामग्री का प्रकटन न किए जाने से संबंधित तर्क दिए गए हैं। प्राधिकारी ने नोट किया है कि आवेदन की जांच की शुरुआत से पूर्व संबंधी एक नैमित्तिक प्रक्रिया है। याचिकाकर्ता द्वारा जांच की शुरुआत से पूर्व की सूचना/किए गए अनुरोध को शामिल करते हुए अद्यतन आवेदन दायर किए जाने के बाद यह आवश्यक नहीं होता है कि प्राधिकारी की जांच से पूर्व समीक्षा के माग स्वरूप ऐसी सूचना का प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों को किया जाना चाहिए।

(ii) प्राधिकारी का मानना है कि जांच की शुरुआत का पर्याप्त औचित्याधार है। जांच की शुरुआत एक लिखित आवेदन की प्राप्ति के बाद ही की गई थी, जो प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रपत्र में और ढंग से किया गया था और जिसके साथ पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध से संबंधित संगत तथा आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे। जांच की शुरुआत यह निर्धारित करने के बाद कि उक्त आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है और आवेदन में प्रदत्त साक्ष्य की सत्यता एवं पर्याप्तता के संबंध में पर्याप्त जांच करने के बाद और प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में पूर्णतः संतुष्ट होने के बाद की गई थी कि जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है। मैक्सिको पोर्टलैंड सीमेंट के मामले में अपीलीय निकाय के निर्णय के अनुसार कोई पाटनरोधी जांच एक ऐसी प्रक्रिया होती है जब जांच की कार्रवाई बढ़ने के साथ-साथ साक्ष्य की गुणवत्ता और मात्रा में वृद्धि होती रहती है। प्राधिकारी के लिए केवल स्वयं को इस बात के प्रति संतुष्ट करना होता है कि जांच की शुरुआत के लिए पर्याप्त औचित्याधार है।

**ड 17 अंतरिम शुल्क के लिए सिफारिशें :**

(i) अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने वर्तमान जांच में अंतरिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के औचित्य का खंडन किया है। तथापि, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने साक्ष्य के साथ यह सिद्ध नहीं किया है कि वर्तमान जांच में अंतरिम शुल्क अपेक्षित क्यों नहीं है खासकर, यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान कोई क्षति नहीं हुई थी। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि डब्ल्यू टी ओ करार में विनिर्दिष्ट स्थितियों में और प्राधिकारी द्वारा इस बात के प्रति संतुष्ट हो जाने पर कि जांच की कार्रवाई के दौरान हो रही क्षति की रोकथाम हेतु ऐसे उपाय जरूरी हैं, अंतरिम शुल्क की सिफारिश करने का प्रावधान है।

(ii) अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के औचित्य और प्रारंभिक जांच परिणामों में किए गए निर्धारण के बारे में टिप्पणियां दी हैं। प्राधिकारी इन तर्कों में पर्याप्त आधार नहीं पाते हैं क्योंकि प्रारंभिक जांच परिणाम अंतिम निर्धारण नहीं होते हैं। और उस सीमा तक वे प्राधिकारी द्वारा किए गए अंतिम निर्धारण पर आधारित होते हैं।

(iii) अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्रारंभिक जांच परिणामों के स्तर पर पाटन मार्जिन की गणनाओं को प्रकट करने का अनुरोध किया है। तथापि, प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारतीय पाटनरोधी नियमों में इस संबंध में स्पष्ट दायित्व निर्धारित है। आवश्यक तथ्यों के प्रकटन का प्रावधान नियम 16 में किया गया है जो निम्नानुसार है:

“16. सूचना का प्रकटन.—निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने अंतिम परिणाम देने से पूर्व समस्त हितबद्ध को विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों की सूचना देंगे जो उनके निर्णय का आधार होंगे।”

(iv) उपर्युक्त से यह स्पष्ट हो जाता है कि अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन जांच संपन्न होने से पूर्व करना अपेक्षित होता है। नियमों में प्रारंभिक जांच परिणामों के चरण पर प्रकटन जारी करने का प्रावधान नहीं है।

ऊ18 सूचना की गोपनीयता :

(i) अनेक पक्षकारों ने प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त गोपनीयता के व्यवहार का विरोध किया है। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी के लिए निम्नलिखित सूचना को गोपनीय मानना अपेक्षित है:

(क) ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की है (उदाहरणार्थ क्योंकि इसके प्रकटन से किसी प्रतिस्पर्धी को पर्याप्त प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा, अथवा क्योंकि इसके प्रकटन से सूचना प्रदाता किसी व्यक्ति पर या उस व्यक्ति पर जिससे उसने सूचना प्राप्त की है अत्याधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा), अथवा

(ख) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किसी जांच में गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना।

(ii) घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों, दोनों द्वारा गोपनीयता के दावे किए गए हैं और दोनों ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा की गई गोपनीयता पर आपत्ति की गई है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि गोपनीयता केवल ऐसी सूचना को प्रदान की जाती है जो उपर्युक्त मानदंडों को पूरा करती है। हितबद्ध पक्षकारों को हर हालत में अगोपनीय प्रतियां उपलब्ध कराई जाती हैं ताकि वे अपने हित का बचाव कर सकें। अतः प्राधिकारी ने केवल ऐसी सूचना को गोपनीय माना है जो वस्तुतः गोपनीय थी और जो कानूनन अनुमत है और उसके पर्याप्त अगोपनीय सारांशों का प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया गया है।

ऊ19 याचिकाकर्ता द्वारा आयात :

(i) अनेक पक्षकारों ने एक याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा किए गए आयातों के बारे में अपने तर्कों को दोहराया है और इसलिए इस मुद्दे की पुनः जांच की गई है। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनियों में से एक कंपनी द्वारा संबद्ध वस्तु की अति अल्प मात्रा\*\*\* सीबीएम का आयात किया गया है जिसने संबद्ध वस्तु के उत्पादन हेतु जांच अवधि के दौरान एक नया संयंत्र स्थापित किया है जो घरेलू उद्योग की कुल बिक्री के 1% से काफी कम है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को घरेलू उद्योग के दायरे से अलग रखना उचित नहीं होगा। जहां तक जांच की शुरुआत से पूर्व गलत घोषणा का संबंध है, प्राधिकारी ने नोट किया है रिकॉर्ड में उपर्युक्त तथ्यों और वर्तमान मामले की परिस्थितियों से ऐसी स्थिति का

पता नहीं चलता है जिसमें याचिकाकर्ता ने खास कर तब गलत घोषणा का जानबूझ कर और होशोहवाश में सहारा लिया है जब आयातों की मात्रा इतनी कम रही हो और याचिकाकर्ता को नियम 2 (ख) के अंतर्गत प्राधिकारी को प्रदत्त विवेकाधिकार के मद्देनजर याचिकाकर्ता को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में विचार करने के अपने दावे में सफल रहने की संभावना हो। जांच की शुरुआत से पूर्व तथ्यों को इस प्रकार से प्रकट न किए जाने के कारण किसी हितबद्ध पक्षकार के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है।

ऊ20 विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र विस्तार एवं समान वस्तु :

(i) अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में कई तर्क दिए हैं। हितबद्ध पक्षकारों के तर्क मुख्यतः मीडियम टेन्सिटी फाइबर बोर्डों (एमडीएफ) के निम्नलिखित प्रकारों को बाहर रखने की ओर संकेत करते हैं :

(क) 8 मिमी. से कम थिन एमडीएफ;

(ख) कम उत्सर्जन मानकों वाला एमडीएफ;

(ग) बड़े आकार के पैनल।

(ii) बार-बार किए गए अनेक तर्कों को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद इस मुद्दे की एक बार फिर विस्तृत जांच की गई है। प्राधिकारी ने माना है कि इस संबंध में निम्नलिखित संगत है:

(क) पाटनरोधी जांच के अंतर्गत पहला कदम “विचाराधीन उत्पाद” को अभिज्ञात करने का होता है। यह विवाद रहित स्थिति है कि “विचाराधीन उत्पाद” के चयन के बारे में कोई नियम नहीं है। अमरीका-लुम्बर वी मामले में डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय ने भी यह निर्णय दिया है कि विचाराधीन उत्पाद को तय करने के लिए अपनाए जाने वाले मानदंड के बारे में करार में कोई प्रावधान नहीं है। इस मामले में डब्ल्यू टी ओ पैनल को उद्धृत करते हुए अनुच्छेद 2.6 में उस आधार को परिभाषित किया गया है जिस पर “विचाराधीन उत्पाद” के साथ तुलनीय उत्पाद का निर्धारण करना होता है। चूंकि “समान उत्पाद” की परिभाषा में अन्य उत्पाद के साथ तुलना का प्रावधान है, इसलिए यह स्पष्ट हो जाता है कि शुरुआती बिन्दु केवल ऐसा “अन्य उत्पाद” हो सकता है जिसके बारे में पाटन का आरोप लगाया गया है। अतः विचाराधीन उत्पाद एक बार परिभाषित हो जाने के बाद विचाराधीन उत्पाद के लिए “समान उत्पाद” का निर्धारण अनुच्छेद-2.6 के आधार पर करना होता है। तथापि, पाटनरोधी करार के विश्लेषण में ऐसा कोई मार्गदर्शन प्राप्त नहीं किया जा सकता जिससे “विचाराधीन उत्पाद” का निर्धारण होना चाहिए।

(ख) प्राधिकारी के लिए जिस वस्तु का भारत में आयात किया जा रहा है, उस वस्तु पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद पर विचार करना अपेक्षित होता है। इस संबंध में कोई विवाद नहीं है कि जिन दो प्रकार के उत्पादों को बाहर रखने की मांग की गई है, वे मीडियम



डेन्सिटी फाइबर बोर्ड (एमडीएफ) हैं। चूँकि उत्पाद के ये प्रकार मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड हैं, अतः इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे में उचित ढंग से शामिल किया गया है। विचाराधीन उत्पाद का निर्धारण करने के बाद प्राधिकारी के लिए इस बात का पता लगाना/निर्धारण करना अपेक्षित होता है कि क्या समान वस्तु की भारत में पेशकश की जा रही है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि अपेक्षा इस बात की नहीं है कि प्राधिकारी को सर्वप्रथम भारत में उत्पादित उत्पाद की पहचान करनी चाहिए और तत्पश्चात् विचाराधीन उत्पाद का दायरा निर्धारित करना चाहिए।

- (ग) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने तकनीकी/विशेषज्ञ निकायों की सहायता/मदद मांगने का सुझाव दिया है। तथापि, प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनमेधी जांच भारतीय नियमों एवं डब्ल्यूटीओ करार के कार्य ढांचे के भीतर की जाती है। बाहरी विशेषज्ञों से सूचना/सहायता मांगने का ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। तथापि, समस्त हितबद्ध पक्षकारों को अपने हित की रक्षा करने के लिए अवसर प्रदान किया गया था तथा वर्तमान अंतिम जांच परिणाम विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना एवं साक्ष्य पर आधारित हैं। यह नोट किया गया है कि ये हितबद्ध पक्षकार सकारात्मक साक्ष्य के साथ यह सिद्ध करने में सफल नहीं रहे हैं कि जिस उत्पाद को अलग रखने की मांग की गई है, वह भिन्न उत्पाद है।

- (घ) नियमों में समान उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित है:  
“समान वस्तु” का अर्थ एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन की जा रही जांचाधीन वस्तु के समान हो या प्रतीक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में अन्य किसी वस्तु से है जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएँ हों;

- (ii) स्पष्टतः उपर्युक्त परिभाषा के दो भाग हैं—(क) ऐसी वस्तु जो आयातित वस्तु से प्रत्येक दृष्टि से समान या समनुरूप है; तथा (ख) ऐसी वस्तु जो यद्यपि समान नहीं है परंतु उसमें आयातित वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएँ हैं। दूसरे शब्दों में नियमों में ही ऐसी स्थिति की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर की गई है जिसमें समनुरूप वस्तु का उत्पादन भारत में नहीं होता है। ऐसी किसी स्थिति में जिसमें समनुरूप वस्तु का उत्पादन भारत में नहीं होता है, नियमों में ऐसी किसी वस्तु को स्वतः ही अलग रखने का प्रावधान नहीं है। नियमों में अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएँ रखने वाली ऐसी अन्य वस्तु पर विचार करने का प्रावधान है।

- (ङ) प्राधिकारी ने आगे यह नोट किया कि नियमों में ऐसे किसी तरीके का प्रावधान नहीं है कि प्राधिकारी को किस प्रकार इस बात का निर्धारण करना चाहिए कि क्या घरेलू वस्तु आयातित वस्तु के समनुरूप या उसके तुलनीय है। तथापि, व्यापक रूप से अपनाई जाने

वाली कार्यप्रणाली में स्पष्ट संकेत है कि घरेलू उत्पाद को आयातित उत्पाद के समान उत्पाद माने जाने के बारे में जांच की कार्यवाही में निम्नलिखित कारकों पर विचार किया जाए :

- (i) उत्पाद विनिर्देशन, जिसमें भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएँ शामिल हैं।
- (ii) विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी,
- (iii) कच्ची सामग्री,
- (iv) कार्य एवं उपयोग,
- (v) कीमत,
- (vi) वितरण एवं विपणन, तथा
- (vii) वस्तु का टैरिफ वर्गीकरण।

- (च) उपर्युक्त मानदंडों के आधार पर प्राधिकारी के लिए यह निष्कर्ष निकालना अपेक्षित है कि क्या दोनों वस्तुएँ तकनीकी तथा वणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। प्राधिकारी ने समान वस्तु के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचते समय उपर्युक्त तथ्यों पर लगातार विचार किया है। वर्तमान मामले में भी वही मानदंड लागू किया गया है। प्राधिकारी ने जिस उत्पाद को बाहर रखे जाने की मांग की है, उसके बारे में भी यह जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा समान उत्पाद की पेशकश की जा रही है और स्थिति निम्नानुसार है:

- (i) **उत्पाद विशेषताएँ :** एमडीएफ के जिन प्रकारों को बाहर रखे जाने की मांग की गई है, उनकी तुलना घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्त एमडीएफ के साथ की गई है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और आपूर्त एमडीएफ भारत में आयातित एमडीएफ के विभिन्न अन्य प्रकारों की अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। उष्ण कटिबंधीय हार्ड वुड से विनिर्मित एम डी एफ को अलग रखने की मांग करते हुए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया दावा स्वीकार्य नहीं है और प्रत्येक मामले में अंतिम उत्पाद एम डी एफ है तथा यह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा विपणित उत्पाद के समान वस्तु है। आयातित प्लेन एम डी एफ बोर्ड का उपयोग घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित बोर्ड के स्थान पर किया जा सकता है और इसलिए उसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे में उचित ढंग से शामिल किया जा रहा है।

- (ii) **विनिर्माण प्रक्रिया :** समस्त हितबद्ध पक्षकार इस बात पर सहमत हैं कि मीडियम डेन्सिटी फाइबर का उत्पादन निम्नलिखित दो प्रक्रियाओं के जरिए किया जा सकता है:

(क) कन्टीन्यूअस प्रोसेस

(ख) डे लाइट प्रोसेस

अनेक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि थिन एम डी एफ का उत्पादन केवल कन्टीन्यूअस प्रोसेस पर किया जा सकता है जबकि घरेलू उद्योग के पास केवल डे लाइट

प्रेसों हैं। हितबद्ध पक्षकारों का यह भी तर्क था कि कंटीन्यूअस प्रोसेस यंत्रों ने बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद प्रदान करती हैं। जांच से वस्तुतः पता चला है कि 6 मिमी. से कम थिन एमडीएफ का उत्पादन डे लाइट प्रैसों पर नहीं हो सकता। इसके अलावा, बोर्ड की लंबाई को कंटीन्यूअस प्रक्रिया पर नियंत्रित किया जा सकता है जबकि यह डे लाइट प्रैस के मामले में निषेधित की जाती है। अतः घरेलू उद्योग स्वयं भी इस बात से सहमत है कि 6 मिमी. से कम मीडियम डेन्सिटी फाइबर को प्रस्तावित शुल्क के दायरे से अलग रखा जा सकता है और ऐसा प्रारंभिक जांच परिणाम में किया गया था।

(iii) कच्ची सामग्री : प्रतिवादी निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार यह सिद्ध करने में समर्थ नहीं रहे हैं कि कच्ची सामग्री में अंतर होने से किस प्रकार दोनों उत्पादों के भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म पूर्णतः अलग हो जाते हैं और यह कि घरेलू उत्पाद का उपयोग आयातित उत्पाद के अभाव में नहीं किया जा सकता तथा दोनों उत्पाद तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं होते हैं। यद्यपि दोनों उत्पादों का उत्पादन अलग-अलग कच्ची सामग्री से किया जा सकता है, तथापि यह नोट किया जाता है कि दोनों उत्पादों के अनिवार्य गुणधर्म लगभग एक जैसे बने रहते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि उत्पाद के गुणधर्मों के कुछेक मूल्य में मात्र अंतर होने का तात्पर्य यह नहीं होता है कि दोनों उत्पाद भिन्न वस्तुएं हैं। इसका एकमात्र अर्थ यह है कि दोनों समनुरूप वस्तुएं नहीं हैं तथापि, पूर्व में किए गए उल्लेख के अनुसार केवल इस वजह से कि किसी समनुरूप वस्तु की घरेलू उद्योग ने पेशकश नहीं की है, यह नहीं माना जा सकता कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु पाटित वस्तु के समनुरूप वस्तु नहीं हैं।

(iv) कार्य एवं उपयोग : समस्त एमडीएफ का उपयोग भवन एवं निर्माण, फर्नीचर, औद्योगिक, हस्तशिल्प प्रयोजनों आदि में किया जाता है। यद्यपि यह संभव है कि कुछेक एमडीएफ का कुछेक विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोग हो, तथापि एम डी एफ के अलग-अलग प्रकारों के कार्य एवं उपयोग में स्पष्टतः घालमेल हाकता है। किसी भी मामले में समस्त उपभोक्ताओं द्वारा पूर्ण प्रतिस्थापनीयता को समान उत्पाद के निर्धारण का निश्चयात्मक मानदंड कभी नहीं माना जाता है। जहाँ तक दोनों उत्पादों के अभिभावी उपयोग का संबंध है, दोनों को समान उत्पाद मानना होगा।

(v) टैरिफ वर्गीकरण : मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के अलग-अलग प्रकार एक ही टैरिफ वर्गीकरणों में आते हैं।

(छ) इस बात को तय करने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग आयातित उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन और उसकी आपूर्ति करता है, के लिए सामान्यतया लागू उपर्युक्त मानदंडों को ध्यान में रखते हुए तथा विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विस्तृत

अनुसंधान पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने निर्यातकों/उत्पादकों की उत्पाद सूचियों और घरेलू उद्योग की सूचियों की तुलना की थी।

(ज) यह नोट किया जाता है कि विभिन्न विदेशी उत्पादकों तथा भारतीय उत्पादकों के विभिन्न मानकों तथा उत्पाद विनिर्देशनों के अंतर्गत विनिर्देशनों में इन्हीं मापदंडों को विनिर्दिष्ट किया गया है। तदनुसार अनेक विनिर्देशनों में भी निम्नलिखित उत्पाद मानदंडों का प्रवधान है :

प्रमुख डेन्सिटी
सतही डेन्सिटी
सतही मजबूती
उत्सर्जन
आयामी स्थायित्व

(झ) घरेलू उद्योग ने कहा है कि प्रमुख डेन्सिटी, सतही डेन्सिटी और सतही मजबूती बोर्ड की डेन्सिटी से संबंध/संबंधित हैं और इसलिए इनका समाधान बीआईएस मानकों के अंतर्गत निर्धारित डेन्सिटी द्वारा किया जाता है। किसी हितबद्ध पक्षकार ने आयामी स्थायित्व को एक प्रमुख मापदंड के रूप में नहीं बताया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने आयामी स्थायित्व के आधार पर आयातित तथा घरेलू उत्पाद के बीच अंतर का दावा किया है।

(ञ) हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उत्पाद उत्सर्जन मानकों में अंतर के अनुसार आयातित उत्पाद के समान वस्तु नहीं है। खासकर यह दावा किया गया है कि ईओ, ई। उत्सर्जन मानकों वाले एमडीएफ का उत्पादन और उसकी आपूर्ति भारत में नहीं होती है। घरेलू उद्योग ने यह कहते हुए इसका खंडन किया है कि उपयुक्त रेजिनों के उपयोग द्वारा अलग-अलग उत्सर्जन मानकों वाले एमडीएफ का उत्पादन किया जाता है। यह तर्क दिया गया था कि ई-1 तथा ई-2 उत्सर्जन मानकों के एमडीएफ का उत्पादन फार्मेल्टोहाइड रेजिन के अलग-अलग ग्रेडों के उपयोग द्वारा किया जाता है जबकि फार्मेल्टोहाइड रेजिन के बजाए एमडीआई रेजिन के उपयोग से ईओ उत्सर्जन मानक के एमडीएफ का उत्पादन होता है। तकनीकी रूप से कम उत्सर्जन मानक की प्राप्ति उचित रेजिन के प्रयोग द्वारा की जा सकती है और इसलिए एमडीएफ के समस्त उत्पादक अलग-अलग उत्सर्जन मानकों के एमडीएफ का उत्पादन करने और उसकी आपूर्ति करने की स्थिति में है। वाणिज्यिक रूप से अलग-अलग रेजिन या फार्मेल्टोहाइड के उपयोग के परिणामस्वरूप अधिक मंहगे रेजिन का उपयोग होता है जिससे लागत अधिक आती है और एमडीएफ की कीमत भी बढ़ती है।

(ट) उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने एमडीएफ के कुछेक प्रकारों को अलग रखने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावों पर विचार किया।

(i) 6 मिमी. से कम एमडीएफ : प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या घरेलू उद्योग 6 मिमी. से कम के एमडीएफ या ऐसे किसी अन्य उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति करता है जिस पर भारत में आयातित 6 मिमी. से कम के मोटाई के एमडीएफ के समान वस्तु के रूप में विचार किया जा सकता है। जांच से यह पता चला

है कि 6 मिमी. से कम की मोटाई के एमडीएफ के उत्पादन में अलग-अलग प्रौद्योगिकी और संयंत्र तथा उपकरणों का उपयोग होता है। चूंकि घरेलू उद्योग के पास अपेक्षित संयंत्र तथा उपकरण नहीं हैं, इसलिए यह निष्कर्ष निकाला गया कि घरेलू उद्योग 6 मिमी. से कम की मोटाई के एमडीएफ का उत्पादन और उसकी आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं है। साथ ही साथ इस उत्पाद के अलग-अलग अंतिम अनुप्रयोग हैं। सामान्यतः 6 मिमी. से कम की मोटाई के एमडीएफ का उपयोग उन उपभोक्तकों द्वारा नहीं किया जाता है जिन्हें अन्यथा 6 मिमी. और उससे अधिक की मोटाई के एमडीएफ की जरूरत होती है। यह निष्कर्ष निकाला गया है कि 6 मिमी. से कम की मोटाई का एमडीएफ 6 मिमी. और उससे अधिक की मोटाई के एमडीएफ से प्रौद्योगिकी और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं है। इस निर्णय के आधार पर प्रारंभिक जांच परिणामों में 6 मिमी. से कम की मोटाई के एमडीएफ को अलग रखना उचित माना गया था। विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के बाद इस संबंध में प्रारंभिक निष्कर्ष की पुष्टि अंतिम जांच परिणामों में करने का प्रस्ताव है।

- (ii) कम फार्मेलडीहाइड उत्सर्जन वाला एम डी एफ : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि तकनीकी रूप से कम उत्सर्जन वाले मानक की प्राप्ति उचित रेजिन के उपयोग से की जा सकती है और इसलिए एमडीएफ के समस्त उत्पादक अलग-अलग उत्सर्जन मानकों के एमडीएफ का उत्पादन करने और उसकी आपूर्ति करने की स्थिति में हैं। वाणिज्यिक रूप से कम या शून्य उत्सर्जन मानक के एमडीएफ बोर्ड के लिए केवल अधिक महंगे रेजिन की जरूरत होती है, जिससे लागत अधिक आती है और एमडीएफ की कीमत बढ़ती है। यदि कम उत्सर्जन वाले एमडीएफ की कीमत उच्च उत्सर्जन वाले एमडीएफ की कीमत से कम होती है तो इस बारे में कोई विवाद नहीं हो सकता है कि उपभोक्ता कम उत्सर्जन वाले सस्ते एम डी एफ की ओर तुरंत रुख करेंगे। दूसरे शब्दों में यदि कम उत्सर्जन वाले एम डी एफ को प्रस्तावित उपायों के दायरे से अलग रखा जाता है तो घरेलू उद्योग के अनुसार पाटन की मात्रा ऐसे कम उत्सर्जन वाले एम डी एफ के संबंध में बढ़ जाएगी। किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस आशय का कोई तर्क नहीं दिया है कि भारतीय एमडीएफ के उपभोक्ता कम उत्सर्जन वाले एमडीएफ का आयात उस स्थिति में कर सकते हैं यदि ऐसा आयातित उत्पाद घरेलू उत्पाद की तुलना में सस्ता होगा। हर हालत में दोनों प्रकारों के बीच अत्यधिक अभिमावी प्रभाव है और यद्यपि, इनमें कोई पूर्ण प्रतिस्थापनीय क्षमता नहीं है, तथापि यह निर्विवादित है कि शामिल उत्पाद प्रतिस्थापनीय है।

(iii) बड़े आकार के पैनेल : प्रतिस्पर्धी निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग 1220 × 2440 मि.मी. (4' × 8') से अधिक आकार के एम डी एफ बोर्ड का विनिर्माण नहीं करता है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वे बड़े आकार के पैनेलों का विनिर्माण करने में समर्थ हैं। डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के बाद यह पाया गया है कि लम्बाई या चौड़ाई या दोनों रूपों में 1220 × 2440 मि.मी. (4' × 8') से अधिक आकार के बड़े पैनेलों का आयात किया गया है जो संबद्ध देशों से हुए कुल आयात का 3.15% है। घरेलू उद्योग ने बताया है कि यदि बड़े आकार के पैनेलों को जांच के दायरे से बाहर रखा जाता है तो पाटित आयात होंगे और घरेलू उद्योग को क्षति होगी क्योंकि बड़े आकारों को देश में लाया जा सकता है और उन्हें छोटे आकारों में काटा जा सकता है और यह प्रतिस्थापनीयता है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि बड़े आकार के पैनेल विचाराधीन उत्पाद हैं।

#### च. पाटन मार्जिन की गणना की कार्यपद्धति

##### च. 1 पाटन मार्जिन का निर्धारण

##### च. 2 बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए पाटन मार्जिन

22. प्राधिकारी ने आवेदनक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार संबद्ध देशों के विभिन्न निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजी हैं। इसके अलावा प्राधिकारी ने भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/व्यापार प्रतिनिधियों को पत्र भेजे हैं और उनसे उनके देशों के संबंधित उत्पाद के उत्पादकों और निर्यातकों को निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर देने के लिए कहने का अनुरोध किया है। इसके उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है :-

1. मै सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.-थाइलैंड
2. मै. वांघायी पेनल इंडस्ट्रीज कं. लि.-थाइलैंड
3. मै. वांघायी ग्रुप पीसीएल- थाइलैंड
4. मै. मैट्रो एमडीएफ-थाइलैंड
5. मै. मैट्रो फाइबर-थाइलैंड
6. मै. एडवांस फाइबर-थाइलैंड
7. मै. मरबोक्स-श्रीलंका
8. मै. डोंगवा-मलेशिया
9. मै. रॉबिन रिसॉसेज-मलेशिया
10. मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड-(ईएफबी)-मलेशिया
11. मै. एवरग्रीन फाइबर बोर्ड-(जेबी)-मलेशिया
12. मै. सेगामार्ट पैबल बोर्ड्स एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

##### च. 3 थाइलैंड के लिए पाटन मार्जिन

##### च. 3.1 सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि. के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

23. सामान्य मूल्य—कंपनी ने विभिन्न परिशिष्टों में सूचना प्रदान की है जिसकी प्राधिकारी ने जांच की थी। प्राधिकारी ने

प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त आंकड़ों का सत्यापन करने के लिए 29 तथा 30 अप्रैल, 2009 को मौके पर सत्यापन किया और उसे टिप्पणियों के लिए निर्यातक के पास भेजा गया है। जांच दल द्वारा सत्यापित घरेलू बिक्री के लिए समायोजनों की अनुमति देने के बाद सामान्य मूल्य \*\*\*थाई बहत प्रति घन मीटर (सीबीएम) निर्धारित किया गया है।

24. निर्यात कीमत.—निर्यातक ने परिशिष्ट 2 में निर्यात बिक्री के बारे में सूचना प्रस्तुत की है और 6 मिमी. से अधिक की संबद्ध वस्तु की निर्यात बिक्री को दर्शाते हुए संशोधित परिशिष्ट 2 प्रस्तुत की है। सत्यापन और अलग-अलग परिशिष्टों के साथ प्रति जांच करने के बाद कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, निकासी एवं हैंडलिंग, बिक्री एवं विपणन के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है और निवल निर्यात कीमत \*\*\*अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गई है।

च. 3.2 वांछाई पैनल इंडस्ट्रीज कंपनी लि.—थाईलैंड के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

25. सामान्य मूल्य.—कंपनी ने विभिन्न परिशिष्टों में सूचना प्रदान की जिसकी जांच प्राधिकारी ने विस्तृत रूप से की तथा कमी संबंधी पत्र जारी किए गए। प्राधिकारी ने 1 मई, 2009 को उत्पादक/निर्यातक का मौके पर सत्यापन किया और सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि कंपनी ने संबद्ध कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में घरेलू बिक्री की है परंतु वे इस आशय का कोई साक्ष्य या जांच दल के समक्ष कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं कर सके कि संबद्ध कंपनियों को की गई बिक्रियां दूरवर्ती आधार पर हुई हैं। कंपनी ने संबद्ध कंपनी से रेजिन की खरीद की और यह नोट किया गया कि संबद्ध कंपनी से खरीदे गए और आयात किए गए रेजिन दरें एक-दूसरे से मिलती जुलती थीं जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध कंपनी से की गई खरीद दूरवर्ती आधार पर थीं। सत्यापन के बाद कमीशन, ऋण नोट, ऋण लागत, पैकिंग एवं अंतरदेशीय भाड़े के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई और सामान्य मूल्य \*\*\* थाई बहत प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

26. निर्यात कीमत.—निर्यातक ने परिशिष्ट 2 में 6 मिमी. और उससे अधिक की क संबद्ध वस्तु के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है और संशोधित परिशिष्ट 2 प्रस्तुत की है। सत्यापन के बाद समुद्री भाड़े, संबद्ध कंपनी तथा भारतीय व्यापारी को कमीशन, अंतरदेशीय परिवहन, पैकिंग एवं ऋण लागत के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है और निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

च. 3.3 वांछाई गुप पीसीएल-थाईलैंड के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

27. सामान्य मूल्य.—कंपनी ने विभिन्न परिशिष्टों में सूचना प्रदान की जिसकी प्राधिकारी ने विस्तृत जांच की और कमी संबंधी पत्र जारी किए। प्राधिकारी ने 2 मई, 2009 को मौके पर सत्यापन किया और यह पाया कि कंपनी ने संबद्ध कंपनियों को भारी मात्रा में घरेलू बिक्री की परंतु वे इस आशय का कोई साक्ष्य या जांच दल के समक्ष कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं कर सके कि संबद्ध कंपनियों को की गई बिक्रियां दूरवर्ती आधार पर हुई हैं। कंपनी ने संबद्ध कंपनी से रेजिन की खरीद की और यह नोट किया गया कि संबद्ध कंपनी से खरीदे गए और आयात किए गए रेजिन दरें एक-दूसरे से मिलती जुलती थीं जिससे यह पता चलता है कि संबद्ध कंपनी से की गई खरीद दूरवर्ती

आधार पर थीं। सत्यापन के बाद कमीशन, ऋण नोट, ऋण लागत, पैकिंग एवं अंतरदेशीय भाड़े के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है और सामान्य मूल्य \*\*\* थाई बहत प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

28. निर्यात कीमत.—निर्यातक ने परिशिष्ट 2 में 6 मिमी. और उससे अधिक की क संबद्ध वस्तु के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है और संशोधित परिशिष्ट 2 प्रस्तुत की है। सत्यापन के बाद समुद्री भाड़े, संबद्ध कंपनी तथा भारतीय व्यापारी को कमीशन, अंतरदेशीय परिवहन, पैकिंग एवं ऋण लागत के लिए समायोजनों की अनुमति दी गई है और निवल निर्यात कीमत \*\*\* अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

च. 3.4 मेट्रो एमडीएफ, मेट्रो फाइबर और एडवांस फाइबर-थाईलैंड के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर देते समय थाईलैंड के उपर्युक्त तीनों उत्पादकों/निर्यातकों ने अधूरी सूचना प्रस्तुत की है। जहां दावा किए गए समायोजनों के साथ भारत को की गई निर्यात बिक्रियां से संबंधित सूचना प्रस्तुत की गई है, वहीं उत्पादन, घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना तथा अन्य संबंधित सूचना इन तीनों उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई है। प्राधिकारी ने इन कंपनियों से यह अनुरोध करते हुए पत्र भेजे हैं कि घरेलू बाजार में की गई बिक्री और उत्पादन लागत के बारे में सूचना उपलब्ध कराई जाए। लेकिन, इस संबंध में इन कंपनियों ने कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की। बाद में 18-12-2008 को इन उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह देते हुए पत्र भी भेजे गए कि सामान्य मूल्य निकालने के लिए अपेक्षित संगत सूचना प्रस्तुत की जाए। ऐसा न करने पर प्राधिकारी घरेलू उद्योग की बिक्री लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए बाध्य होंगे।

30. प्रारंभिक जांच परिणामों के स्तर पर इन उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन होने तक उन्हें विभिन्न समायोजनों के साथ उनके द्वारा प्रस्तुत निर्यात कीमत की मात्रा तक सत्यापन के अधीन अलग-अलग व्यवहार की अनुमति दी गई थी। प्रारंभिक जांच परिणाम जारी होने के बाद इन उत्पादकों/निर्यातकों के भारतीय प्रतिनिधि ने जांच दल द्वारा सत्यापित अपेक्षित आंकड़े प्राप्त करने में इन उत्पादकों/निर्यातकों की असमर्थता प्रदर्शित की। अतः भारत के लिए निर्यात कीमत के बारे में प्रस्तुत सूचना का सत्यापन भी नहीं किया जा सका। अतः मामले के इन पहलुओं पर विचार करते हुए इन तीनों उत्पादकों/निर्यातकों को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ असहयोगी का दर्जा प्रदान करने का प्रस्ताव है।

31. थाईलैंड के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य.—संबंधित अलग-अलग सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। थाईलैंड के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य\*\*\*अम. डॉ. प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

च. 3.5 थाईलैंड के अन्य असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

32. थाईलैंड के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत को सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए यथापरिकलित न्यूनतम निवल निर्यात कीमत के अनुसार लिया गया है \*\*\*अम. डॉ. प्रति सी बी एम बनती है।

33. जैसी ऊपर चर्चा की गई है, सामान्य मूल्य और निर्यात

कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनाता है :—

अम. डॉ./ प्रति सीबीएम

नाम	सिखम फाइबर बोर्ड	वांचाई पैनल	वांचाई गुप	अन्य
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	4-8	5-9	12-16	26-30

#### घ. 4 श्रीलंका के लिए पाटन मार्जिन

##### घ. 4.1 मरबोक श्रीलंका के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

34. सामान्य मूल्य.— प्राधिकारी नोट करते हैं निर्यातक ने भिन्न-भिन्न परिशिष्टों में सूचना उपलब्ध कराई है जिनकी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच और मिलान किया गया है और एक विस्तृत पत्र भी जारी किया गया था। कंपनी के वित्तीय विवरण के विश्लेषण से यह पता चला कि वर्ष 2006 के दौरान कंपनी के पास उसकी निर्यातित कंपनी का \*\*\* मिलियन अम. डॉ. का ऋण था जिस पर \*\*\*% ब्याज दर लागू था। जांच अवधि के दौरान (मई, 2007) से ये समस्त ऋण ब्याज मुक्त ऋण के रूप में हस्तांतरित कर दिए गए थे। प्राधिकारी ने मौके पर सत्यापन किया और सत्यापन के बाद दावा किए गए और सत्यापित किए गए समायोजनों की अनुमति देने के बाद सामान्य मूल्य \*\*\* अम. डॉ. प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

35. निर्यात करिस्तर.— कमीशन, समुद्री फाड़े, बिक्री एवं विपणन, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन प्रचारों के लिए दावा किए गए और सत्यापित समायोजनों की अनुमति देने के बाद सत्यापन के बाद निर्यात कीमत \*\*\* अम. डॉ. प्रति सी बी एम निर्धारित की गयी है।

36. श्रीलंका के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य.— प्राधिकारी नोट करते हैं कि श्रीलंका से केवल एक उत्पादक के सहयोग किया है। अतः मरबोक श्रीलंका, सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के लिए परिकल्पित सामान्य मूल्य पर श्रीलंका के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के रूप में विचार किया गया है और इसे \*\*\* अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित किया गया है।

##### घ. 4.2 श्रीलंका के अन्य असहयोगी निर्यातक-उत्पादक के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

37. श्रीलंका में असहयोगी निर्यातक/उत्पादकों के मामले में सामान्य मूल्य को उपर्युक्त चर्चा के अनुसार लिया गया है। निर्यात कीमत के लिए निर्यात कीमत को संबंधित सहयोगी निर्यातक/उत्पादक के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत के अनुसार स्वीकार किया गया है।

38. ऊपर चर्चा अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनाता है :—

	मरबोक	अन्य
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
पाटन मार्जिन %	5-9%	40-45%

#### घ. 5 मलेशिया के लिए पाटन मार्जिन

##### घ. 5.1 मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड एसडीएन, बीएचडी-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

39. सामान्य मूल्य-निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में उत्पादक/निर्यातक ने डोंगवा फाइबर बोर्ड और डोंगवा एमडीएफ के संबंध में संयुक्त उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड के पास दो कारखाने अर्थात् मरबोक और निलाई हैं जबकि मै. डोंगवा एमडीएफ के पास एक कारखाना है। यह भी नोट किया गया है कि परिशिष्ट -8 में उत्पादन \*\*\* सीबीएम दर्शाया गया था जबकि बिक्रियां \*\*\* सीबीएम दर्शायी गयी थी। उत्पादन और बिक्रियों के बीच अंतर या तो माल सूची या आबद्ध हस्तांतरणों के रूप में हो सकता है, परंतु इसे कहीं भी स्पष्ट नहीं किया गया था। इसके अलावा, रेजिन, जो निविष्टि लागत का एक बड़ा हिस्सा है, को उसकी संबंधित कंपनी अर्थात् मै. डोंगवा केमिकल (एम) एसडीएन, बीएचडी से खरीदा गया था। तदनुसार उत्पादकों/निर्यातकों को प्रत्येक संबंधित कारखाने के उत्पादन और बिक्रियों के संपूर्ण आभेदन प्रस्तुत करने के लिए एक कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था। यह देखा गया है कि मरबोक संयंत्र के संबंध में उत्पादन और बिक्रियों के बीच भारी अंतर है। प्राधिकारी ने 13 से 15 अप्रैल, 2009 के दौरान मरबोक संयंत्र एवं निलाई संयंत्र के बारे में मौके पर सत्यापन किया। कंपनी ने आरंभिक स्टॉक, उत्पादन, बिक्री एवं अंतिम स्टॉक को दर्शाते हुए संशोधित परिशिष्ट 4 पुनः प्रस्तुत की जो पहले से प्रस्तुत सूचना से काफी भिन्न थी। परिशिष्ट 7 एवं परिशिष्ट 8 को सत्यापन के लिए लिया गया परंतु कंपनी ने परिशिष्ट 7 एवं परिशिष्ट 8 को संशोधित रूप में पुनः प्रस्तुत करने की मंशा की जिसे सत्यापन दल ने रिकॉर्ड में ले लिया क्योंकि यह दल कंपनी द्वारा पहले प्रस्तुत की गई सूचना का सत्यापन करने के लिए भेजी गई थी न कि नई सूचना एकत्र करने के लिए। सत्यापन दल ने कंपनी को सुझाव दिया कि यह प्रदर्शित करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत किया जाए कि संबंधित कंपनी से की गई रेजिन की खरीद दूरवर्ती आधार पर थी परंतु कंपनी इस संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सकी। सत्यापन दल ने नोट किया कि दायर किए गए वित्तीय एवं लागत के आंकड़े भरोसेमंद नहीं पाए गए हैं। कमी संबंधी पत्र के उत्तर में दायर परिशिष्ट 7 की सूचना का भी सत्यापन नहीं किया जा सका क्योंकि कोई समर्थन/अनुसमर्थनकारी पत्रक उपलब्ध नहीं थे।

40. माले के उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करते हुए प्राधिकारी का प्रस्ताव मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड, उत्पादक/निर्यातक को असहयोगी मानने का है।

##### घ. 5.2 मै. डोंगवा एम डी एफ-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण

41. सामान्य मूल्य.— सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक द्वारा किए गए समस्त समायोजनों के बारे में प्रस्तुत उत्तरों के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य \*\*\* मलेशियाई रिंगिट प्रति सी बी एम (कारखाना स्तर) निर्धारित किया गया है।

42. निर्यात कीमत.— निर्यातक द्वारा प्रस्तुत निर्यातक के उत्तर के आधार पर एवं समस्त समायोजनों की अनुमति देने के बाद



कारखाना निर्यात कीमत \*\*\* अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

**च. 5.3 रॉबिन रिसोर्सेज-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण**

43. सामान्य मूल्य.—कंपनी ने घरेलू बाजार में बिक्री और उत्पादन लागत के बारे में सूचना प्रस्तुत की। प्राधिकारी ने 9 अप्रैल, 2009 को कंपनी का मौके पर पर सत्यापन किया और सत्यापन के बाद दावा किए गए और सत्यापित समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात् सामान्य मूल्य\*\*\* मलेशियाई रिंगिट प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

44. निर्यात कीमत.—कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशी परिवहन, निकासी एवं हैंडलिंग, बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों के बाद सत्यापनोपरांत निवल निर्यात कीमत\*\*\* अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

**च. 5.4 एवरग्रीन फाइबर बोर्ड-मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण**

45. सामान्य मूल्य.—घरेलू बाजार में बिक्री तथा उत्पादन लागत के संबंध में कंपनी ने सूचना प्रस्तुत की। प्राधिकारी ने 10 और 11 अप्रैल, 2009 को कंपनी का मौके पर सत्यापन किया और सत्यापन के बाद दावा किए गए और दल द्वारा सत्यापित समायोजनों की अनुमति देने के उपरांत सामान्य मूल्य\*\*\* मलेशियाई रिंगिट प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

46. निर्यात कीमत.—दावा किए गए और सत्यापित कमीशन, समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय परिवहन, बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों की अनुमति देते हुए सत्यापनोपरांत निर्यात कीमत\*\*\*अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

**च. 5.5 मलेशिया के लिए समग्र देश के रूप में एक सामान्य मूल्य**

47. संबंधित अलग-अलग सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और मलेशिया के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य \*\*\*अम. डॉ. प्रति सी बी एम निर्धारित किया गया है।

**च. 5.6 मलेशिया के अन्य असहयोगी निर्यातक-उत्पादक के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण**

48. मलेशिया के अन्य असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण ऊपर चर्चा के अनुसार किया गया है। निर्यात कीमत के लिए निर्यात कीमत को सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए परिकल्पित न्यूनतम कीमत के निर्यात के अनुसार स्वीकार किया गया है। मै. एवरग्रीन फाइबर जेबी और मै. सेगामाट पैनल ने भी उत्तर दिया है और यह अनुरोध किया है कि उन्होंने केवल 6 मिमी. से कम मोटाई का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने 6 मिमी. से कम मोटाई के एमडीएफ को संबंधित उत्पाद के दायरे से बाहर रखा है और तदनुसार इन दोनों निर्यातकों ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है।

49. ऊपर यथा विचार विमर्शित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है :—

	अम. डॉ./सीबीएम			
	डॉंगवा एमडीएफ	रोबिन रिसोर्सेज	एवरग्रीन (ईएफबी)	अन्य
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	18-23	1% से कम	10-15	22-27

**च. 6 चीन जन. गण. के लिए पाटन मार्जिन**

**च. 6.1. चीन जन. गण. के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण**

50. चीन जन. गण. गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक देश है और इसलिए चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन. गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के व्यवहार के बारे में कोई दावा नहीं है अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 और 8(2) के अनुसार प्राधिकारी का प्रस्ताव चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने का है।

51. सामान्य मूल्य.—प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी के पास घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्रियों में तर्कसंगत लाभ मार्जिन को जोड़कर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। सामान्य मूल्य\*\*\*अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित किया गया है। चूंकि चीन जन. गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है इसलिए प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य निकाला है।

52. निर्यात कीमत.—प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी निर्यातक या उत्पादक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार चीन जन. गण. से निर्यात कीमत निर्धारित की है। समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन खर्चों के लिए समायोजन किए गए हैं। उपर्युक्त समायोजन करने के बाद कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत \*\*\*अम. डॉ. प्रति सीबीएम निर्धारित की गयी है।

53. उपर्युक्त चर्चानुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद चीन जन.गण. के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है।

सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन %	120% 125

**क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध की जांच हेतु कार्य पद्धति**  
**छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच:—**

54. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में घरेलू उद्योग को हुई क्षति



को इंगित करने वाले कारकों की जांच की जाएगी। "पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयात के प्रभाव सहित" घरेलू उद्योग को हुई क्षति को इंगित करने वाले कारकों की जांच की जाएगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे पाटित आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती।

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण हेतु आवेदन मै. न्यूक्रेम लि. एवं मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने प्रस्तुत किया है, जिनका भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में प्रमुख अनुपात है। इस जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार में उन्हें घरेलू उद्योग माना गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मै. मंगलय टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि. भारत में संबद्ध वस्तु के एक अन्य ज्ञात उत्पादक हैं और वे जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का उल्लेखनीय मात्रा में आयात करते रहे हैं।

56. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की आगे जांच करने के लिए नियमावली के अनुबंध II के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, व्यय, लाभप्रदता, निचल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा एवं मार्जिन आदि जैसे घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों पर विचार किया जाना अपेक्षित है। ऊपर इंगित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा आदि जैसे घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदंडों की भी जांच की जानी अपेक्षित है।

#### ख. 1 घरेलू उद्योग के विचार :

57. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :—

(i) वर्तमान याचिका भारतीय बाजार में विभिन्न देशों से मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है। भारत में इस उत्पाद का पाटन कोई नयी घटना नहीं है।

(ii) भारतीय बाजार में इस उत्पाद का पाटन काफी समय से किया जा रहा है। दरअसल, क्षति की पूरी अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया।

(iii) सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जाता रहा। अतः घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करते समय लगातार पाटन के तथ्य पर विचार किया जाना भी अपेक्षित है।

(iv) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. भारतीय बाजार में इस उत्पाद के एक नए उत्पादक हैं। इस कंपनी ने केवल जांच अवधि के दौरान ही उत्पादन किया और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही पाटन का सामना करना पड़ा है।

(v) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. द्वारा उत्पादन की शुरुआत किए जाने के कारण विभिन्न मात्रात्मक भागदंड सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शा सकते हैं। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय इस तथ्य पर ध्यान देना जरूरी है।

(vi) संबन्धी कंपनियों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में प्रमुख योगदान है। संबन्धी कंपनियां नियमावली के अर्थ के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं।

(vii) प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए पाटन की मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है। प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। उत्पाद की वैश्विक व उद्योगिक विशेषताओं में कोई अंतर नहीं है। उपभोक्ताओं के लिए इसके अंतर्गत का निर्णायक कारक इसकी कीमत है, जहां अंतर्गत घरेलू हो अथवा संबद्ध देशों से किया गया आयात हो। संबद्ध देशों के निर्यातकों या याचिकाकर्ता ने इसी उत्पाद की बिक्री इस अवधि के दौरान बाजारों के इसी वर्ग को की है। विभिन्न विदेशी उत्पादकों एवं घरेलू उद्योग के लिए बिक्री पैटर्न भी तुलनीय हैं। प्रत्येक संबद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा उल्लेखनीय है।

(viii) संबद्ध देशों से किए गए आयातों में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है और भारत में इस उत्पाद के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है। भारत में इस उत्पाद की खपत की तुलना में भी इसके आयातों में वृद्धि हुई है।

(ix) आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हो रही है। घरेलू उद्योग की कीमत और आयातों में उल्लेखनीय अंतर के परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में तीन गुना से अधिक वृद्धि हुई है, जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में मात्र 31% की वृद्धि हुई है, जो नए उत्पादक मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. के प्रवेश के कारण हुई है।

(x) उल्लेखनीय कीमत कटौती होने के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतें बढ़ा नहीं सका है, जो उत्पादन लागत बढ़ जाने के कारण जरूरी हो गया है। परिणामतः अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।

(xi) क्षमता उपयोग में लगातार गिरावट आई है, जो संबद्ध देशों से आयातों के साथ प्रत्यक्षतः संबद्ध है। मांग में 67% से अधिक की वृद्धि हो जाने की स्थिति के बावजूद घरेलू उद्योग अपना क्षमता उपयोग बढ़ा नहीं पा रहा है। बावजूद में यह कहा जा सकता है कि मांग में हुई समस्त वृद्धि पर प्रतिक्रिया करने में कठिनाई हो रही है।

(xii) भारतीय उत्पादकों के पास अनुसूचित क्षमता अवधिक है। भारत में सीमा उत्पादक हैं, जिनमें से दो इस याचिका के याचिकाकर्ता हैं। अन्य उत्पादक की क्षमता 30000 मी. टन प्रति वर्ष है। भारत में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिन पर संबद्ध देशों से हुए आयातों ने कब्जा कर लिया है। इसके परिणामस्वरूप भारत में मांग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

(xiii) नए उत्पादक मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. द्वारा उत्पादन एवं बिक्री की शुरुआत के परिणामस्वरूप प्रस्तावित जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में बढ़ोत्तरी हुई है। तथापि यह वृद्धि मांग में हुई बढ़ोत्तरी के अनुपात में नहीं है।

(xiv) कच्चे साल व यूटीसिटी लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में 38% की वृद्धि हुई है। बिक्री कीमत में भी 36% की वृद्धि हुई है। तथापि निरपेक्ष रूप में जहां उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में \*\*\* रुपए सीधीएम की वृद्धि हुई, वहीं बिक्री कीमत में आधार वर्ष की तुलना में \*\*\* रुपए की वृद्धि हुई। परिणामतः योगदान में गिरावट आई। इसके कारण लाभप्रदता में भी गिरावट आई।

(xv) घरेलू उद्योग ने अपने कार्य निष्पादन में सुधार किया और वर्ष 2005-06 में नकद लाभ अधिकृत किया तथा प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई।

(xvi) घरेलू उद्योग की माससूचियों में वृद्धि हुई। बिक्री में हुई वृद्धि के बावजूद माससूची में वृद्धि हुई है।

(xvii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता की प्रवृत्ति उत्पादन के समान ही है अर्थात् जांच अवधि को छोड़कर, जब एक भारतीय उत्पादक द्वारा उत्पादन की शुरुआत के कारण उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई; क्षति अवधि में उत्पन्न इसका उल्टावर्तन स्थिर बनी रही।

(xviii) एक भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादन की शुरुआत के कारण घरेलू उद्योग की वृद्धि अनिवार्य रूप से मासिक मासिकों के रूप में कम रही। क्षति कीमत संबंधी विभिन्न मासिकों के संदर्भ में वृद्धि नकारात्मक रही।

(xix) घरेलू उद्योग काफ़ी समय से फटन की भर झेल रहा है। क्षति की समस्त अवधि के दौरान फटन के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

(xx) उत्पाद की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती रहने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी मौजूदा क्षमता का उपयोग करने में असमर्थ रहा। अतः लगातार पाटन के कारण देश में क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

(xxi) आयातित और घरेलू उत्पाद की कीमत के बीच उल्लेखनीय अंतर ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री की मात्रा बढ़ाने से रोक दिया है। व्यावहारिक रूप से, मांग में हुई समस्त वृद्धि को पाटित आयात पूरा कर रहे हैं। निरंतर पाटन के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

(xxii) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है। परिणामस्वरूप फटन ने कीमतों में वृद्धि को रोक दिया है, जो अन्यथा उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण होती।

(xxiii) निरंतर पाटन के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग को क्षति की समस्त अवधि के दौरान वित्तीय घाटे का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा लाभप्रदता और उसके परिणामतः लाभ की स्थिति में और भी गिरावट आई है। इससे नियोजित पूंजी से आय और नकद लाभ सीधे प्रभावित हुए हैं।

(xxiv) पाटन के कारण घरेलू उद्योग की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(xxv) पाटन मार्जिन अत्यधिक है। इसके अलावा क्षति की समस्त अवधि के दौरान उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा था।

छ. 2 निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार  
58. घरेलू उद्योग को हुई क्षति एवं उसके कारणात्मक संबंधों के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नानुसार निवेदन किया है :-

(vii) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटन से इतर कारकों की वजह से हुई है; अतः फटन एवं घरेलू उद्योग की क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

(viii) घरेलू उद्योग द्वारा अनुबंध-2 में दिए गए आंकड़ों के अनुसार प्रमुख कारकों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि वास्तविक क्षति तो दूर, वह क्षति का मामला बनाने में भी असफल रहा है।

(ix) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच नए उत्पादक के प्रवेश के संदर्भ में की जानी जरूरी है, जिसने उल्लेखनीय बाजार हिस्सा हासिल किया है। इसके अलावा इसकी जांच असहभागी उत्पादक मै मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स के संदर्भ में भी की जानी अवश्या है, जिनके कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है।

(x) फर्ब कोर्ड, फॉटिकल कोर्ड, अन्य कोर्ड आदि जैसे अन्य उत्पादों को संबद्ध वस्तुओं के प्रत्यक्ष विश्लेषण है, का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है। इन विश्लेषणों से होने वाले प्रभाव पर विचार किए बिना क्षति विश्लेषण एवं असंबद्धता विश्लेषण नहीं किया जा सकता। इसके बिना किसी कीमत और बाजार हिस्से का विश्लेषण त्रुटिपूर्ण है।

(xi) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता में वृद्धि हुई है, अतः इन कारणों से क्षति होने का दावा नहीं किया जा सकता। क्षमता में वर्धन के बावजूद क्षमता उपयोग में गिरावट मात्र 1.7% है, और निःसंदेह यह क्षति का कारक नहीं है।

(xii) मैसर्स न्यूवेम रि. ने बहिकम में काफी उच्चतर संस्थापित क्षमता दर्शाई है, जबकि उनकी लाइसेंस क्षमता बहुत कम है।

(xiii) बिक्री में 31% की वृद्धि होने स्वीकार किया गया है, अतः यह क्षति का कारक नहीं हो सकता।

(xiv) आयातों में वृद्धि क्षति में मांग में हुई अप्रतपूर्व वृद्धि के कारण हुई है। घरेलू उद्योग मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है, अतः मांग की पूर्ति आयातों के माध्यम से की जा रही है। घरेलू उद्योग ने मात्रा, आकार, उत्पाद श्रेणी के रूप में अपनी क्षमता में वृद्धि करने का प्रयास नहीं किया। घरेलू उद्योग का उत्पाद आयातित उत्पाद से तुलनीय नहीं है।

(xv) घरेलू उद्योग के विशेष कार्य निष्पादन का संबंध आयातों से नहीं है। स्वीकार किया गया है कि घरेलू उद्योग को 2005-06 में फटन हुआ, तथापि दावा किया गया है कि उच्च अवधि के दौरान भी फटन किया गया। अधिकारों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति अवधि से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए।

(xvi) घरेलू उद्योग आयातों से असंबद्ध अन्य कारकों के कारण अपना हुई स्थिति में पाटनोपी महानिदेशालय का सहारा लेने का स्पष्ट रूप से प्रयास कर रहा है। विश्लेषण बता रहा है कि आंकड़े सूचीबद्ध हैं, अतः यह टिप्पणी करने में समर्थ नहीं है।

(xvii) माससूचियों और उससे संबंधित विधि के संबंध में किसी गोपनीयता का दावा नहीं किया जा सकता। इस तथ्य के भेदना कि जांच अवधि के दौरान क्षमता वर्धन किया गया है, अधिकारी द्वारा बिक्री के दिक्कों की संख्या और उत्पादन के रूप में माससूची की तुलना की जाए। यह भी संभव है कि न्यूनतम कंपनी मै शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को शुरुआती प्रचलनों के कारण उत्पादन एवं स्थिरीकरण संबंधी कुछेक समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा। अधिकारी द्वारा कोई निष्कर्ष निकालने जाने से पूर्व घरेलू उद्योग के प्रत्येक घटक का गहन विश्लेषण किए जाने की आवश्यकता है। स्वीकार किया गया है कि रोबेनार, मजदूरी और उत्पादकता के बंध में कोई क्षति नहीं दर्शाई गई है।

(xviii) जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 35 की वृद्धि हुई है। इस दावे के बावजूद कि क्षति की अवधि के दौरान उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है, घरेलू उद्योग अपनी कीमतों वृद्धि करने में समर्थ रहा है।

(xix) घरेलू उद्योग का यह दावा कि क्षति अवधि के दौरान पाटन किया जाता रहा है, स्वार्थ से प्रेरित है, क्योंकि वाचिकाकर्ताओं में से एक मैसर्स शिरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने संयंत्र की स्थापना से पूर्व भारत में एमडीएफ के अग्रणी आयातकों में से एक रहे हैं। मै. न्यूकेम लिमिटेड द्वारा प्रकाशित वित्तीय विवरणों से यह स्पष्ट होता है कि उनके कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है।

(xx) उत्पादन एवं वित्तीय समस्याओं के कारण काफी समय से मै. न्यूकेम लिमिटेड का कार्य निष्पादन निराशाजनक रहा है, जो यह दर्शाता है कि आयातों और उनके कार्य निष्पादन के बीच कोई संबंध नहीं था।

(xxi) स्वीकार किया गया है कि मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को श्रम गहन प्रचालनों एवं विनिर्माण कार्यकलापों के प्रहस्तन का कोई अनुभव नहीं है, जिसके कारण उनकी लाभप्रदता एवं कार्य निष्पादन प्रभावित हो रहा है। अतः घरेलू उद्योग कथित पाटित आयातों के कारण क्षति यदि कोई हो, होने का आरोप नहीं लगा सकता।

(xxii) कथित पाटित आयातों के बावजूद 100% क्षमता उपयोग के साथ मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि. के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है। मै. मंगलम टिम्बर प्रॉडक्ट्स लि. के कार्य निष्पादन में हुई वृद्धि यह दर्शाती है कि आयातों ने घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को प्रभावित नहीं किया है और घरेलू उत्पादकों का कार्य निष्पादन ऐतिहासिक कार्यों एवं अव्यवहार्य क्षमताओं के कारण निराशाजनक रहा है।

(xxiii) घरेलू उद्योग के संयंत्र का आकार किराया का पैमाना नहीं दर्शा सकता। मै. न्यूकेम लिमिटेड की क्षमता 45000 मी. टन है और मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. की क्षमता 30000 मी. टन। इसकी तुलना में संबद्ध देशों में औसत संयंत्र का आकार 100000 मी. टन होता है, जबकि कुछेक बड़े संयंत्रों की क्षमता 300000 मी. टन है। वैश्वीकरण एवं चट्टी टैरिफ बाधाओं के युग में छोटे भारतीय संयंत्र व्यवहारिक नहीं हैं।

(xxiv) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. को उत्पाद शुल्क, विक्रय कर एवं आयकर सहित अनेक कर लाभ प्राप्त हैं और वह घरेलू बाजार में कमतर कीमत पर अपना उत्पाद बेचने में समर्थ हैं और घरेलू बाजार में मैसर्स न्यूकेम लि. से प्रतिस्पर्धा करते हैं।

(xxv) भारत में आयातकों ने अपना ब्राण्ड स्थापित करने के लिए संवर्धनात्मक कार्यकलापों पर उल्लेखनीय धनराशि व्यय की है। जिस कीमत पर आयातित सामग्री की बिक्री की जा रही है, वह घरेलू उद्योग की कीमत से अधिक है। प्राधिकारी द्वारा कीमत प्रभाव की जांच करते समय इन तथ्यों पर भी विचार किया जाना चाहिए।

(xxvi) कथित पाटन के बावजूद घरेलू उद्योग के नकद लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(xxvii) मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. की ब्याज की लागत अत्यधिक है और कंपनी पर भी अत्यधिक दबाव है। क्षमता नई होने के कारण मूल्यहास लागत भी अपेक्षाकृत अधिक है। प्रवृत्ति विश्लेषण में इस धारक का ध्यान रखा जाना चाहिए।

(xxviii) अमरीकी डॉलर की विनिमय दर जांच अवधि के दौरान 47 रुपए रह गई थी; वाचिका में इसके प्रभाव पर कोई विचार नहीं किया गया है।

(xxix) पाटन से इतर ऐसे अनेक कारण/कारक हैं, जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है।

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

59. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति के दावे के संबंध में दितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और क्षति के निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के प्रत्येक तथ्य अनिवार्य कारकों की जांच की है।

### छ.4 क्षति का संघवी आकलन

60. निम्नवर्ती के अनुबंध-II (iii) के अनुसार ऐसे मामले में जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की मात्रा रोधी जांच की जाती है, वहां प्राधिकारी से ऐसे आयातों के प्रभाव के संघवी आकलन की अपेक्षा की जाती है, यदि यह निर्धारित होता हो कि :—

(i) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में, स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर 2% से अधिक है तथा प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है, और

(ii) आयातित वस्तु तथा स्थान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शक्तों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संघवी आकलन उचित है।

61. प्रस्तुत मामले में उत्पाद का पाटन एक से अधिक देशों द्वारा किया जा रहा है। अतः प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या इन स्रोतों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संघवी निर्धारण किया जाना चाहिए। प्राधिकारी ने पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन की मात्रा 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है। अतः निम्नलिखित के फलस्वरूप इन देशों के संबंध में क्षति का संघवी आकलन करना उचित है :—

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का अग्रत एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;

(ii) प्राधिकारी ने पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद की वाणिज्यिक विकल्प हैं।

(iii) प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से यह समुचित संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात एक ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान उत्पाद हैं।

(iv) उपभोक्ता घरेलू सामग्री के साथ-साथ आयातित सामग्री का भी उपयोग कर रहे हैं। उपभोक्ताओं का एक ही वर्ग है जो घरेलू उद्योग से इस उत्पाद की खरीद कर रहा है और जो संबद्ध देशों से उत्पाद का आयात कर रहा है।

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर पाटित आयातों के प्रभाव का संघवी आकलन करना उचित है।

### छ. 5 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

63. भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों के बारे में डीजीसीआई एंड एस से आयातों की सौदेवार सूचना मंगाई गई थी। डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त अपेक्षित सूचना का प्राधिकारी द्वारा विश्लेषण किया गया है और 6 मि.मी. तथा उससे अधिक की मोटाई की संबद्ध वस्तु का आयात निम्नानुसार रहा है :—

### छ. 6 आयात की मात्रा एवं संबद्ध देशों का विश्लेषण

64. संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा निम्नानुसार रही है :—

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
<b>से आयात</b>					
चीन जन. गण	सीबीएम	436	1,251	7,904	16,642
मलेशिया	सीबीएम	6,539	16,010	14,183	22,576
थाइलैंड	सीबीएम	740	3,049	2,176	13,169
श्रीलंका	सीबीएम	23,365	36,009	30,869	35,902
संबद्ध देश	सीबीएम	31,080	56,318	55,132	88,288
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	181	177	284
अन्य	सीबीएम	6,727	16,807	10,502	10,314
कुल	सीबीएम	37,806	73,125	65,634	98,602
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	193	174	261
<b>आयातों में बाजार हिस्सा</b>					
चीन जन. गण	%	1.15	1.71	12.04	16.88
मलेशिया	%	17.29	21.89	21.61	22.90
थाइलैंड	%	1.96	4.17	3.32	13.36
श्रीलंका	%	61.80	49.24	47.03	36.41
संबद्ध देश	%	82.21	77.02	84.00	89.54
कुल	%	17.79	22.98	16.00	10.46
अन्य	%	100	100	100	100

65. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के कुल आयातों और पाटित आयातों में वृद्धि की जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो क्रमशः लगभग 161% और 194% है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा 2004-05 में 82.21% से बढ़कर जांच अवधि में 89.54% हो गया।

#### ख. 7 मांग एवं बाजार हिस्सा

66. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री एवं सभी देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है जो निम्नानुसार है :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
<b>मांग</b>					
घरेलू उद्योग की बिक्री	सीबीएम	46,301	46,130	42,218	60,484
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	सीबीएम	35,237	27,399	40,302	33,890
भारत में आयात	सीबीएम	37,806	73,125	65,634	98,602
भारत में मांग	सीबीएम	119,344	146,655	148,154	192,976
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	124	162
<b>मांग में बाजार हिस्सा</b>					
चीन जन. गण.	%	0.37	0.85	5.34	8.62
मलेशिया	%	5.48	10.92	9.57	11.70
थाइलैंड	%	0.62	2.08	1.47	6.82
श्रीलंका	%	19.58	24.55	20.84	18.60
संबद्ध देश	%	26.04	38.40	37.21	45.75
अन्य	%	5.64	11.46	7.09	5.34
घरेलू उद्योग	%	38.80	31.45	28.50	31.34
अन्य भारतीय उत्पादक	%	29.53	18.68	27.20	17.56
कुल आयात	%	31.68	49.86	44.30	51.10

67. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 38.80% से घटकर जांच अवधि के दौरान 31.34% रह गया। साथ ही अन्य भारतीय उत्पादों का बाजार हिस्सा भी आधार वर्ष में 29.53% से घटकर जांच अवधि में 17.56% रह गया। मांग में निरंतर वृद्धि की स्थिति के परिदृश्य में जहां घरेलू उद्योग और भारतीय उत्पादकों के हिस्से में पर्याप्त गिरावट

#### छ.8 घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं क्षमता उपयोग :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
क्षमता	सीबीएम	59,850	59,850	59,850	100350
उत्पादन	सीबीएम	46,120	45,873	42,000	65,163
क्षमता उपयोग	सीबीएम	77.06	76.65	70.18	64.94
बिक्री	सीबीएम	46,301	46,130	42,218	60,484

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि हुई, क्योंकि घरेलू उद्योग के एक घटक मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. ने जांच अवधि में ही उत्पादन एवं बिक्री की शुरुआत की थी। अतः बाजार में एक नये उत्पादक के प्रवेश के कारण जांच अवधि के दौरान, क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री जैसे निरपेक्ष सूचकों में वृद्धि होना तय था। तथापि, घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई और यह आधार वर्ष में 77.06% की तुलना में जांच अवधि के दौरान 64.86% रह गया। वर्ष

आई, वहीं संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई जो आधार वर्ष में 2.04% की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 45.75% हो गया। संबद्ध वस्तुओं की मांग आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 62% हो गई और जांच अवधि के दौरान, उसके पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

2004-05 से 2006-07 के दौरान, जब केवल न्यूकेम लिमिटेड प्रचालनरत था; उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग में सतत गिरावट आई क्योंकि न्यूकेम का क्षमता उपयोग आधार वर्ष में 77.06% की तुलना में 2006-07 के दौरान घटकर 70.18% हो गया।

#### छ. 9 भारतीय उत्पादन की तुलना में पाटित आयात

69. भारतीय उत्पादन की तुलना में पाटित आयातों का ब्यौरा निम्नानुसार रहा :

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
घरेलू उद्योग का उत्पादन	सीबीएम	46,120	45,873	42,000	65,163
आयात					
चीन जन. गण.	सीबीएम	436	1,251	7,904	16,642
मलेशिया	सीबीएम	6,539	16,010	14,183	22,576
थाइलैंड	सीबीएम	740	3,049	2,176	13,169
श्रीलंका	सीबीएम	23,365	36,009	30,869	35,902
संबद्ध देश	सीबीएम	31,080	56,318	55,132	88,288
चीन जन. गण.	%	0.95	2.73	18.82	25.54
मलेशिया	%	14.18	34.90	33.77	34.64
थाइलैंड	%	1.60	6.65	5.18	20.21
श्रीलंका	%	50.66	78.50	73.50	55.09
संबद्ध देश	%	67.39	122.77	131.27	135.49

70. यह स्पष्ट है कि भारतीय उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों में क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि होती रही है। घरेलू उत्पादन की तुलना में संबद्ध वस्तुओं का पाटित आयात वर्ष 2004-05 के दौरान 67.69% था, बढ़कर जांच अवधि के दौरान 135.49% हो गया और समूची क्षति अवधि और खासकर जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा भारत में संबद्ध वस्तु की खपत के संबंध में आयातों में समग्र वृद्धि हुई है।

ज. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव और कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

ज. 1 कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

71. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुसार घरेलू उद्योग की कीमतों पर संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री कीमत हास तथा कीमत में मंदी के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारत औसत उत्पादन

लागत, भारत और निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) एवं क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की

पहुंच लागत से की गई है तथा कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री निम्नानुसार रही है :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./सीबीएम	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	रु./सीबीएम	9609	10774	9996	10118
चीन जन. गण					
मलेशिया	रु./सीबीएम	10609	9024	10994	12004
थाइलैंड	रु./सीबीएम	13353	11488	10821	12899
श्रीलंका	रु./सीबीएम	10490	11036	11753	12023
संबद्ध देश	रु./सीबीएम	10571	10483	11269	11790
कीमत कटौती					
चीन जन. गण	रु./सीबीएम	***	***	***	***
मलेशिया	रु./सीबीएम	***	***	***	***
थाइलैंड	रु./सीबीएम	***	***	***	***
श्रीलंका	रु./सीबीएम	***	***	***	***
संबद्ध देश	रु./सीबीएम	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)					
चीन जन. गण	%	10-20	8-15	20-30	30-40
मलेशिया	%	1-10	20-30	15-25	18-28

थाइलैंड	%	नकारात्मक	1-10	10-20	10-20
श्रीलंका	%	5-15	5-15	10-20	20-30
संबद्ध देश	%	1-10	10-20	10-20	20-30

क्षति रहित कीमत रु./ सीबीएम \*\*\*

कम कीमत पर बिक्री

चीन जन.गण. रु./ सीबीएम\*\*\*

मलेशिया रु./ सीबीएम\*\*\*

थाइलैंड रु./ सीबीएम\*\*\*

श्रीलंका रु./ सीबीएम\*\*\*

संबद्ध देश रु./ सीबीएम\*\*\*

कम कीमत पर

बिक्री (%)

चीन जन. गण. % 60-70

मलेशिया % 30-40

थाइलैंड % 20-30

श्रीलंका % 30-40

संबद्ध देश % 35-45

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम

रही है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री हुई है।

ज. 2 पाटित आयातों का कीमत हासकारी और कीमत न्यूनकारी प्रभाव :

72. पाटित आयातों का कीमत हासकारी एवं कीमत न्यूनकारी प्रभाव निम्नानुसार रहा है :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./सीबीएम	...	...	...	...
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	98.81	118.43	134.04
बिक्री कीमत	रु./सीबीएम	...	...	...	...
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	105.90	117.00	133.11

73. क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत में घट-बढ़ का रुख यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है अतः कीमत मंदी के प्रभाव की मौजूदगी देखी नहीं गई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग लागत में वृद्धि के अनुरूप बिक्री कीमत बढ़ाने में लगभग समर्थ रहा है, अतः कीमत हास का प्रभाव अनुपस्थित है।



## ज. 3 क्षति संबंधी अन्य मानदण्डों की जांच

74. क्षति के यथावलोकि अन्य मानदण्ड निम्नानुसार हैं :

## ज. 4 लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह :—

75. लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह के ब्यौरे निम्नानुसार है :—

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
लक्ष्य तथा हानि	र./सीबीएम	(...)	(...)	(...)	(...)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(2.66)	(135.46)	(146.06)
कुल लाभ तथा हानि (पीबीटी)	र./लाख	(...)	(...)	(...)	(...)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100.00)	(2.65)	(123.52)	(189.50)
पीबीआईटी	र./लाख	(...)	(...)	(...)	(...)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	260.36	68.70	96.19
लगाई गई पूंजी पर आय %	(...)	(...)	(...)	(...)	(...)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100000	257.09	74.78	35.47
नकद लाभ	सूचीबद्ध	(100.00)	(219.16)	(136.03)	(169.08)

76. यह स्पष्ट हो जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति अवधि के दौरान निरंतर वित्तीय घाटा हुआ। निवेश पर आय में भी क्षति अवधि के दौरान गिरावट आती रही। जांच अवधि और इससे पूर्ववर्ती अवधि अर्थात् 2006-07 के दौरान नकद घाटा हुआ।

## ज. 6 निवेश से आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

77. वर्ष 2006-07 तक, केवल मै. न्यूकेम इंडस्ट्रीज लि., जो घरेलू उद्योग है, ने अपनी क्षमता में वृद्धि नहीं की और तदनुसार जब निवेश से आय में गिरावट आई है, पूंजी जुटाने की क्षमता का आकलन नहीं किया जा सका।

## ज.6 उत्पादकता

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	108	107	145
प्रति दिवस उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	99	91	141

78. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि नई क्षमता की शुरुआत के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

## ज.7 रोजगार तथा मजदूरी

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
रोजगार	सूचीबद्ध	100	92	85	97
मजदूरी	सूचीबद्ध	100	95	98	135
प्रति कर्मचारी मजदूरी	सूचीबद्ध	100	104	115	139

79. यह स्पष्ट है कि रोजगार में आधार वर्ष से लेकर वर्ष 2006-2007 तक लगातार गिरावट आती रही है और उसके बाद में, मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. की शुरुआत के कारण जांच अवधि में वृद्धि हुई। क्षति अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी मजदूरी में सतत वृद्धि हुई।

## ज.8 माल सूचियां :

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रारंभिक मालसूचियां	सीबीएम	...	...	...	...
बंद मालसूचियां	सीबीएम	...	...	...	...
औसत मालसूचियां	सीबीएम	...	...	...	...
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	33	139

80. यह स्पष्ट हो जाता है कि औसत मालसूची में वर्ष 2006-07 तक लगातार गिरावट आई और क्षति अवधि में पर्याप्त वृद्धि हुई। दिनांक 31 दिसम्बर, 2007 की स्थिति के अनुसार अंतिम मालसूची \*\*\* सीबीएम थी जबकि जनवरी, 2007 में यह \*\*\* सीबीएम थी।

## ज.9 वृद्धि :

81. घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि मूल्य संबंधी मानदंडों के अनुसार नकारात्मक रही। मात्रात्मक मानदंड के रूप में वृद्धि एक नए उत्पादक के प्रवेश के कारण निरपेक्ष रूप से जांच अवधि में दौरान सकारात्मक बन गई थी। तथापि, जब मांग और बाजार हिस्से के संदर्भ में इसकी तुलना की गई, तो मात्रात्मक रूप में वृद्धि भी नकारात्मक थी। कीमत संबंधी मानदंडों के अनुसार, कम आरओआई तथा नकद घाटे के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उल्लेखनीय गिरावट आई।

## ज.10. निवेश :

82. मै. शिरडी इंडस्ट्रीज लि. जिसने जांच अवधि के दौरान ही उत्पादन शुरू किया था के प्रवेश के कारण घरेलू उद्योग ने नया निवेश किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि देश में मांग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि और बेहतर मार्जिन प्राप्त होने की प्रत्याशा से अन्य कुछेक उत्पादों ने भी एमडीएफ उत्पादन में निवेश किया है।

## ज.11 पाटन की सीमा :

83. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन की सीमा अत्यधिक है जैसी कि पाटन से संबंधित खंड में चर्चा की गई है।

## ज.12. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक :

84. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमतों की प्रवृत्ति तथा घरेलू कीमतों की अंतिम जांच से यह ज्ञात होता है कि पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया है।

## ज. 13 क्षति मापदंडों से संबंधित तथ्य :

85. यह स्पष्ट है कि उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता में निरपेक्ष रूप में हुई वृद्धि के बावजूद बाजार हिस्से में गिरावट, लाभप्रदता में आई गिरावट एवं नकद घाटे के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की पहुंच कीमत के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में क्षति अवधि के दौरान कटौती हुई है और इसकी तीव्रता जांच अवधि के दौरान सर्वाधिक रही है। विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि के परिदृश्य में घरेलू उद्योग की क्षमता बेकार पड़ी रही है और घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक और अत्यधिक है।

**झ. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक :**

86. वास्तविक क्षति की मौजूदगी और कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री आदि के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच के उपरान्त यह जांच करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से इतर अन्य कारकों का भी घरेलू उद्योग को हुई क्षति में कोई योगदान है, पाटनरोधी नियमावली तथा पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों की भी जांच की गई। तदनुसार निम्नलिखित मानदण्डों की जांच की गई है।

**झ.1 अन्य स्रोतों से हुए आयातों की मात्रा एवं कीमतें :**

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से इतर देशों से हुए आयातों की मात्रा 10.46 % रही है, अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण प्रतीत नहीं होता है।

**झ.2 मांग में कमी एवं/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन:**

88. मांग में कोई कमी नहीं आई है, अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

**झ.3 विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा :**

89. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य नहीं रही है और घरेलू बाजार में कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति प्रचलित नहीं है। अतः इस कारक को घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारण नहीं माना जा सकता।

**झ. 4. प्रौद्योगिकी का विकास :**

90. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की प्रौद्योगिकी तथा उत्पादन प्रक्रिया अंत्यंत स्थिरीकृत है और इसमें तकनीकी एवं प्रौद्योगिकीय विकास कम ही हुए हैं। ऐसी कोई प्रौद्योगिकीय उन्नति हुई है जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

**झ. 5 निर्यात कार्य निष्पादन :**

91. कोई भी उत्पादक संबद्ध उत्पाद का निर्यात नहीं कर रहा है अतः निर्यात को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

**ज. कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक :**

92. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्नि निष्पादन का विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण कार्य निष्पादन में वास्तविक रूप से गिरावट आई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई है और पहुंच कीमतों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई जो जांच की अवधि के दौरान अधिकतम थी। घरेलू उद्योग अपनी वास्तविक उत्पादन लागत को वसूल करने और समुचित लाभ अर्जित करने में असफल रहा है और इसे अपने उत्पाद की बिक्री कम कीमत पर करने के लिए विवश होना पड़ा। पाटित आयातों की मात्रा में हुई वृद्धि और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई कमी के साथ बौकर पड़ी क्षमता से लाभ, निवेश से होने वाली आय को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित किया। प्राधिकारी का यह मानने का प्रस्ताव है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव के कारण हुई है।

**ज. 1 क्षति तथा क्षति मार्जिन की सीमा**

93. प्राधिकारी ने यथापरिकल्पित क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों के संबंध में डीजीसीआई एंड एस से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर निर्धारित औसत पहुंच मूल्य से की है और क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है :

देश	क्षति रहित कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन का प्रतिशत
सियाम फाइबर बोर्ड कं.	थाईलैण्ड	...	...	20-30
वानाचाई पैनल	थाईलैण्ड	...	...	15-25
वानाचाई ग्रुप	थाईलैण्ड	...	...	15-25
अन्य	थाईलैण्ड	...	...	15-25
मेरबॉक	श्रीलंका	...	...	25-35
अन्य	श्रीलंका	...	...	25-35
एवरग्रीन फाइबर बोर्ड मलेशिया	मलेशिया	...	...	20-30
डॉंगवा एमडीएफ	मलेशिया	...	...	30-40
रॉबिन रिसोर्सेज	मलेशिया	...	...	20-30
अन्य	मलेशिया	...	...	20-30
चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	...	...	30-40

**ट. प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां****ट.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

94. प्रकटन विवरण के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर किया गया है जिसके कारण उत्पाद का पाटन हुआ है।
- घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है।

**ट.- हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध**

95. मै. ए पी जे एल एल जी लॉ आफिसेज, नई दिल्ली ने मै. सियाम फाइबर बोर्ड कं लि., थाईलैण्ड, मै. रॉबिन रिसोर्सेज एसडीएन, बोडीएच, मलेशिया तथा मै. एवर ग्रीन फाइबर बोर्ड, बी एच डी, मलेशिया की ओर से प्रकटन विवरण के संबंध में अनेक अनुरोध किए गए हैं और निम्नलिखित विशिष्ट अनुरोध किए हैं :

- कि पाटन मार्जिन के प्रयोजनार्थ प्रत्येक सहयोगी निर्यातक के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्य पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि संसद ने धारा 9(क) में संशोधन पारित कर दिए हैं और वित्त विधेयक को एक-दो दिन के भीतर भारत के माननीय राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल जाएगी।
- कि घरेलू उद्योग के पास 1220 मि.मी. से अधिक की चौड़ाई के बोर्ड का विनिर्माण करने की क्षमता नहीं है।

96. श्री एम. एन. झा, अधिवक्ता, भारत के उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने मै. मरबॉक एम डी एफ (प्रा.) लि., श्रीलंका की ओर से अपने मुक्किल द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित कीमत वचन-पत्र प्रस्तुत किया है।

97. व्यापार विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, कोलम्बो, श्रीलंका ने बताया है कि मै. मरबॉक कीमत वचन-पत्र निष्पादित करने तथा लागत में 5 प्रतिशत से अधिक के परिवर्तन के कारण भविष्य में वचन-पत्र की आवधिक समीक्षा करने के लिए तैयार है जो संबद्ध देशों के अन्य निर्यातकों पर उद्ग्रहीत संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क के अधीन है।

98. श्री एम. एन. झा, अधिवक्ता, भारत के उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने मै. वानचाई पैनल इंड कं लि. (वीपीआई) तथा मै. वानचाई ग्रुप पी एल सी (वीएनजी) की ओर से यह बताया है कि संबद्ध कंपनियों को की गई घरेलू बिक्रियां अत्यधिक नहीं हैं और दोनों मुक्किलों के लिए संबद्ध एवं असंबद्ध ग्राहकों के बीच अंतर 4.5 प्रतिशत ही है और यह कि इस अंतर को अनिवार्यतः अदूरवर्ती संबंध का संकेत नहीं मिलता है क्योंकि संबद्ध एवं असंबद्ध ग्राहकों को की गई बिक्रियों के बीच कीमत अंतर वाणिज्यिक दृष्टि से लगभग नगण्य है और कंपनियों तथा उनके संबद्ध ग्राहकों के बीच सौदों पर दूरवर्ती आधार पर किए गए सौदों के रूप में विचार किया जाए। आगे यह उल्लेख किया गया है कि चूंकि थाई राजस्व विभाग के विनियमों के अनुसार समस्त बिक्रियों तथा निर्यात बिक्रियों के लिए समायोजनों को लेखा प्रणाली में थाई बहत में दर्ज किया गया है इसलिए पाटन मार्जिन की गणना सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर थाई बहत में की जाए।

99. श्री एम. एन. झा, अधिवक्ता, भारत के उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली ने मै. डोंगवा फाइबर बोर्ड एस डी एन बी डी एच (डीएचबी) तथा संबद्ध कंपनी डोंगवा एम डी एफ (एम) एस डी एन बी डी एच (डोंगवा के साथ), मलेशिया की ओर से यह बताया है कि वे इस बात से नाखुश हैं कि प्राधिकारी ने मरबॉक तथा निलाई फैक्टरी के लिए संशोधित परिशिष्ट 7 तथा 8 स्वीकार नहीं की और उन्होंने सत्यापन के दौरान पाई गई त्रुटियों को सपष्ट किया था।

100. मै. लक्ष्मी कुमारन एंड सिद्धार्शन, एटर्नीज, नई दिल्ली ने मै. स्पेसबुड, नागपुर की ओर से विचाराधीन उत्पाद, बड़े आकार के पैनलों के बारे में कई अनुरोध किए हैं और यह उल्लेख किया है कि उन्हें प्रकटन विवरण की प्रति प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि यदि कोई रक्षोपाय लागू किया भी जाता है तो संदर्भ कीमत आधारित शुल्क के बजाए पाटनरोधी शुल्क की नियत दर की संस्तुति की जाए।

101. मै. पहाड़गंज प्लाईवुड एंड टिम्बर डीलर्स एसो. (पंजी.) नई दिल्ली ने 22 अगस्त, 2009 के पत्र द्वारा अपने अनुरोध किए हैं जिनमें यह उल्लेख किया गया है कि आयोजित एम डी एफ को भारतीय एम डी एफ के समान मानने में कोई गुणावगुण नहीं है।

102. मै. थमारापल्ली ब्रदर्स, एर्णाकुलम ने 21-9-2009 के अपने पत्र द्वारा यह बताया है कि भारत में कोई भी विनिर्माता

उष्णकटिबंधीय प्लाईवुड पर एम डी एफ का उत्पादन नहीं करता है क्योंकि परवर्ती वस्तु भारत में आसानी से उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि मै. शिरडी इंड ने यह दर्शाते हुए अपनी बिक्री कीमत घटा दी है कि उनके द्वारा कीमतें कम किए जाने पर भी स्थानीय विनिर्माता अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने आगे यह उल्लेख किया है कि मै. शिरडी को जांच में भागीदारी के लिए निश्चित तौर पर अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि आंशिकताओं का सूची में शामिल करने के लिए उनके नाम पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

103. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, मलेशिया ने उल्लेख किया है कि पाटन मार्जिन अलग-अलग कंपनी की निर्यात कीमत (कंपनी) (विशिष्ट) के बीच तुलना अनुचित और डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद-2.4 के असंगत है। उन्होंने उल्लेख किया है कि प्राधिकारी को प्रत्येक सहयोगी निर्यातक के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की उचित तुलना के आधार पर पाटन मार्जिन की मौजूदगी की पुष्टि करनी चाहिए तथा प्रकटन विवरण में समस्त आरोपित कंपनियों के लिए पाटनरोधी शुल्क की संस्तुति का उल्लेख नहीं है। उन्होंने बताया है कि पाटन मार्जिन से अधिक अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के उनके तर्क पर अंतिम जांच परिणाम के समय समुचित विचार करने की जरूरत है।

104. मै. स्पेसबुड फर्नीसर्स प्रा. लि., नागपुर ने 21-8-2009 के फैक्स पत्र द्वारा यह उल्लेख किया है कि यह निर्यात गलत है कि घरेलू उद्योग अधिकतम 16' की लंबाई और 4' चौड़ाई का उत्पादन कर सकता है। घरेलू उद्योग की प्रेस विस्तार योग्य नहीं है और विश्व में प्रेस के आकार को बढ़ाने की कोई प्रौद्योगिकी नहीं है इसे केवल बदला जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया है कि उन्हें न्यूनतम 6' की चौड़ाई के पैनलों की जरूरत होती है जिसका घरेलू उद्योग उत्पादन नहीं करता है। उन्होंने आगे यह कहा है कि उनका फर्मीचर एवं एलपीएम उद्योग बीआईएफएमए तथा उनके ग्राहकों के अन्य मानकों को पूरा करने के लिए बाध्य है।

#### ठ प्राधिकारी द्वारा जांच

105. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के संबंध में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए समस्त अनुरोधों को नोट किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों पर उचित स्थानों पर विस्तृत कार्यवाही की है और यह नोट किया है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं है। थाई बहत में सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए मै. वांचाई पैनल इंड. कंपनी लि. (वीपीआई) तथा मै. ग्रुप पी एल सी (वीएनजी) के अनुरोध को स्वीकार्य नहीं पाया गया है। घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि मै. मरबॉक एम डी एफ लंका (प्रा.) लि., श्रीलंका का कीमत वचन-पत्र समस्त विधिक अपेक्षा के अनुरूप होने और उसे कार्यान्वित किए जाने पर उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है और प्राधिकारी ने इसे नोट किया है। मै. मरबॉक एम डी एफ लंका (प्रा.) लि., श्रीलंका द्वारा प्रस्तुत वचन-पत्र पर ध्यान दिया है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू मांग में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2004-05 में 82.21% से

बढ़कर जांच अवधि के दौरान 89.54% हो गया है जिसमें 7.33% की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा इसी अवधि के दौरान 38.80% से घटकर 31.34% हो गया है जिसमें 7.46% की गिरावट आई है।

### ड अंतिम जांच परिणाम

106. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों एवं किए गए निवेदनों तथा उपलब्ध तथ्यों की जांच के उपरान्त प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:—

(क) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर किया गया है और पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम से अधिक रहा है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

### ड कीमत वचन-पत्र

107. कीमत वचन-पत्र के आधार पर जांच स्थगित करने या उसे समाप्त करने से संबंधित नियम 15 में यह उपबंध है कि प्राधिकारी उस स्थिति में किसी जांच को स्थगित या समाप्त कर सकते हैं यदि संदर्भाधीन वस्तु का निर्यातक लिखित में निर्दिष्ट प्राधिकारी को कीमत संशोधित करने के लिए वचन-पत्र प्रस्तुत करता है कि उक्त वस्तु का पाटित कीमत पर भारत को कोई निर्यात नहीं हुआ है अथवा विशिष्ट देशों से हुए आयातों के मामले में कीमत संशोधित करने का वचन-पत्र देता है कि पाटन का क्षतिकारी प्रभाव समाप्त हो गया है और प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि पाटन का क्षतिकारी प्रभाव समाप्त हो गया है।

108. निर्यातकों में से एक निर्यातक मै. मरबॉक एम डी एफ लंका (प्रा.) लि., होराना, श्रीलंका ने कीमत वचन-पत्र देने की इच्छा व्यक्त की है। इस प्रस्ताव की विस्तार से जांच की गई थी और प्राधिकारी ने यह पाया था कि निर्यातक द्वारा प्रदत्त वचन-पत्र उस स्थिति में स्वीकार किया जा सकता है यदि उससे पाटन का क्षतिकारी प्रभाव समाप्त होता हो। निर्यातक ने समस्त उचित सूचना प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की जिसे प्राधिकारी संगत और आवश्यक मानते हैं। प्राधिकारी ने निर्यातक से कीमत वचन-पत्र स्वीकार कर लिया है और तदनुसार 6 मि.मी. और उससे अधिक की मोटाई के प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के इस देश से हुए आयातों के मामले में कोई शुल्क लागू नहीं होगा। तथापि, निर्यातक द्वारा इस वचन-पत्र के निष्पादन में कोई उल्लंघन किए जाने पर प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में दी गई सिफारिशों के अनुसार शुल्क लागू होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यह वचन-पत्र इस कंपनी द्वारा भारत को सीधे किए गए निर्यातों के मामले में ही लागू होगा। यदि वस्तु का निर्यात कुछेक अन्य कंपनी/व्यापारी द्वारा किया जाता है तो उपर्युक्तानुसार अवशिष्ट शुल्क लगाया जाएगा भले ही उसका उत्पादन इस कंपनी द्वारा किया गया हो।

109. कंपनी ने उनके द्वारा निर्यातित प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड के लिए कीमत वचन-पत्र प्रस्तुत किया है। वचन-पत्र

की राशि 290.73 अम. डॉ. प्रति सी बी एम है। वचन-पत्र कीमत आयातों का न्यूनतम पहुंच मूल्य है।

### ण भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करके विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की पास्परिक प्रतिस्पर्धा पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आयेगी, विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क को उसी राशि तक प्रतिबंधित रखा जाए जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निवारण के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू करने से पाटन पद्धतियों के कारण मिलने वाले अनुचित लाभ को दूर किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग में आई गिरावट पर रोक लगेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक पसंद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

### त सिफारिशें

112. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच शुरू कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। प्रारंभिक जांच के बाद प्राधिकारी ने 2 फरवरी, 2009 के समसंख्यक जांच परिणामों द्वारा जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति की भरपाई हेतु अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। जांच पूरी होने के बाद प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित प्रपत्र में और तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

113. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित अंतिम शुल्क लगाए जाने की तारीख से शुल्क तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि तथा आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

## शुल्क तालिका (समग्र देश के लिए सामान्य मूल्य के आधार पर)

क्र. सं.	शीर्ष/उपशीर्ष/ टैरिफ मद	विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	इकाई	राशि	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	44.11	6 मिमी तथा इससे अधिक के प्लेन मीडियम डेन्सिटी फाइबर बोर्ड	थाईलैंड	थाईलैंड	सियाम फाइबर बोर्ड कंपनी लि.	सियाम फैब्रिक्स कंपनी लिमिटेड	प्रति घन मी.	308.72	अम. डॉ.
2	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	थाईलैंड	वांघाई फैब्रल इंडस्ट्रीज कं. लि.	वांघाई फैब्रल इंडस्ट्रीज कं. लि.	प्रति घन मी.	340.33	अम. डॉ.
3	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	थाईलैंड	वांघाई ग्रुप पब्लिक कं. लि.	वांघाई ग्रुप पब्लिक कं. लि.	प्रति घन मी.	355.90	अम. डॉ.
4	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	थाईलैंड	क्र. सं. 1 से 3 से इतर कोई संयोजन	क्र. सं. 1 से 3 से इतर कोई संयोजन	प्रति घन मी.	391.79	अम. डॉ.
5	यथोक्त	यथोक्त	थाईलैंड	थाईलैंड से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मी.	391.79	अम. डॉ.
6	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	प्रति घन मी.	391.79	अम. डॉ.
7	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका	मारबॉक एमडीएफ लंका (प्रा.) लि.	मारबॉक एमडीएफ लंका (प्रा.) लि.	प्रति घन मी.	सूच्य नीचे दी गई टिप्पणी देखें	अम. डॉ.
8	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका	क्र. सं. 7 से इतर अन्य कोई संयोजन	क्र. सं. 7 से इतर अन्य कोई संयोजन	प्रति घन मी.	352.23	अम. डॉ.
9	यथोक्त	यथोक्त	श्रीलंका	श्रीलंका से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मी.	352.23	अम. डॉ.
10	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर कोई देश	श्रीलंका	कोई	कोई	प्रति घन मी.	352.23	अम. डॉ.
11	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	डांगवा एमडीएफ	डांगवा एमडीएफ	प्रति घन मी.	328.51	अम. डॉ.
12	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	रॉबिन रिसॉसेज (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी	रॉबिन रिसॉसेज (मलेशिया) एसडीएन. बीएचडी.	प्रति घन मी.	कोई संदर्भ कीमत निर्धारित नहीं है।	अम. डॉ.
13	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	एवरग्रीन फाइबर बेरहाड (ईएफबी)	एवरग्रीन फाइबर बेरहाड	प्रति घन मी.	334.42	अम. डॉ.
14	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया	क्र. सं. 11 से 13 से इतर कोई संयोजन	क्र. सं. 11 से 13 से इतर कोई संयोजन	प्रति घन मी.	340.41	अम. डॉ.
15	यथोक्त	यथोक्त	मलेशिया	मलेशिया से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मी.	347.99	अम. डॉ.
16	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	प्रति घन मी.	347.99	अम. डॉ.
17	यथोक्त	यथोक्त	चीन	चीन	कोई	कोई	प्रति घन मी.	395.52	अम. डॉ.
18	यथोक्त	यथोक्त	चीन	चीन से इतर कोई देश	कोई	कोई	प्रति घन मी.	395.52	अम. डॉ.
19	यथोक्त	यथोक्त	संबद्ध देश से इतर कोई देश	चीन	कोई	कोई	प्रति घन मी.	395.52	अम. डॉ.

टिप्पणी : आयात के न्यूनतम\*\*\* पहुंच मूल्य के रूप में 290.73 अम. डॉ. प्रति सी बी एम की कीमत वचन पत्र में उल्लिखित राशि (शुल्क तालिका के क्रम सं. 7 के सामने)

114. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद-शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकती है।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING**  
**AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th August, 2009

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Anti-Dumping Investigations concerning imports of Plain Medium Density Fibre Board originating in or exported from China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka.**

**F. No. 14/12/2007-DGAD.**—Whereas The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Rules) received an application from M/s. All India Fibre Board Manufacturers Association, Faridabad (with Petitioner companies M/s. Shirdi Industries Ltd., and M/s. Nuchem Ltd., Faridabad) through M/s. TPM Solicitors & Consultants, New Delhi (hereinafter referred to as the Applicants) alleging dumping of Plain Medium Density Fibre Board (referred to as subject goods) originating in or exported from China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka (referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of Anti-Dumping duties on the subject goods.

2. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy issued a Public Notice dated 6th June, 2008 published in the *Gazette of India*, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 (1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of Anti-Dumping Duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. And whereas The Designated Authority having regard to the Act and Rules investigated and recommended imposition of provisional Anti Dumping Duty on imports of Plain Medium Density Fibre Board from 6MM thickness and above (hereinafter referred to as subject goods) falling under heading 4411 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) originating in or exported from China PR, Malaysia, New Zealand, Thailand and Sri Lanka vide Preliminary Findings of even number dated 2nd February, 2009 and Provisional Anti-Dumping Duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No.21/2009-Customs dated 27th February, 2009.

4. And whereas Shri A.K. Gupta, M/s. TPM Solicitors & Consultants, New Delhi vide letter dated 10th July, 2009 has informed the Authority that under the instructions from the Petitioners, they withdraw their application in respect of New Zealand under Rule 14 of the Rules in view of the fact that imports from New Zealand are primarily present in a market segment where the domestic industry is not offering the material in significant volumes at present. M/s. APJ SLG Law Office, New Delhi has stated that domestic industry has not been given any right to pick and choose or drop a country for investigation in terms of the provisions of other sub-section of Rule 14 and present investigation can either be withdrawn fully or be continued against all the subject countries for which the case was initiated. The Authority has noted that the domestic industry have withdrawn their application in respect of New Zealand in view of the fact that imports from that country were primarily present in a market segment where the domestic industry was not offering the material in significant volumes. The Authority has noted that the domestic industry has admitted that imports from New Zealand were not causing injury to them while earlier they have argued that imports from New Zealand were also causing injury. M/s. APJ SLG Law Offices have failed to produce any evidence that injury were not caused by the imports from the subject countries. The Authority accordingly allows withdrawal of application in respect of New Zealand under Rule 14 of the Rules and after exclusion of New Zealand, restrict Anti Dumping Investigations concerning imports of Plain Medium Density Fibre Board from 6MM thickness and above (hereinafter referred to as subject goods) from China PR, Malaysia, Thailand and Sri Lanka (hereinafter referred to as subject countries).

**A. PROCEDURE**

5. The procedure described below has been followed:

- (i) The Authority notified to the Embassies/Trade Representatives of subject countries in India about the receipt of application alleging dumping of subject goods made by the Applicants before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (ii) The Authority sent copies of Initiation Notification dated 6th June, 2008 to the Embassies/ Trade Representatives of the subject countries/territories in India informing about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters/producers and Non-Confidential Version of the application were also sent to the Applicants along with the names



- and addresses of the known exporters from the subject countries as per the addresses made available by the applicants.
- (iii) The Authority sent copies of Initiation Notification dated 6th June, 2008 along with non-confidential version of application as well as exporter's questionnaire to the known producers/exporters of the subject countries as per the addresses made available by the applicants and requested them to provide relevant information and make their views known in writing within 40(forty) days of Initiation Notification.
- (iv) The Authority sent copies of Initiation Notification dated 6th June, 2008 along with importer's questionnaire to the known importers and domestic industries as per the addresses made available by the applicants and requested them to provide relevant information and make their views known in writing within 40(forty) days of Initiation Notification.
- (v) The applicants requested the Authority to treat China PR as a non-market economy country for the purpose of present investigations. The Authority informed the known exporters from China PR that it proposes to examine the claim of the applicants in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment should be granted to the cooperating exporters/ producers who could demonstrate that they satisfy that market conditions prevail in their case.
- (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4):
1. Tomrich International Trading Limited RN 803, No. 309, Fushan Road, Pudong, Shanghai, China PR
  2. Nanjing ETAI Trading Co. Limited, Room 202, No. 14 Jinshajing Nanjing, China PR
  3. Linyi Hongfu Timber Co. Limited, Yitang Town, Linyi Shandong, China PR
  4. Shouguang Guihe Economic and Trade Co. Limited The west of Shengcheng Street, Weifang, Shandong, CHINA PR
  5. Linyi Baideli International Trade Co. Ltd. Nan Lou Zone, Yitang Town, Lanshan District, Linyi City Shandong China PR
  6. Zhanjiang Kingstar Building Material Co Limited 2/F, Building A, Ziwei Garden, No. 41, Haibin Road 3, Zhanjiang Guangdong China PR.
  7. Wenzhou Timber Group Co. Ltd., 42, Wenjin Road, Wenzhou Road, Zhejiang, China PR
  8. Daiken Sarawak Bdn. Sd. Lot 2069, Block 26, Kidurong Industrial Estate, 97008, Bintulu Sarawak Malaysia
  9. Merbok MDF Lanka Pvt. Limited, Perth Estate, BOI Horana EPZ Ratnapura Road, Horana 12400 Sri Lanka.
  10. Khon Kaen MDF Board 3003, Moo 6, Taeparak Road, Taeparak, 10270, Muang Samutprakan, Thailand
  11. Siam Fibreboard Co. Limited 417/112-113 Karnchanavanich Rd., Tumbol Patong, Amphur Haadyai, Songkhla 90230, Thailand
- (vii) In response to the Initiation Notification the following exporters/producers from the subject countries have responded to the questionnaire.
- (1) M/s. Evergreen Fibre Berhad (EFB) Batu 11½ Jalan Masai 81750 Masai, Johor, Malaysia.
  - (2) M/s. Evergreen Fibre Berhad (JB) SDN. BHD Batu 11½, Jalan Masai 81750 Masai, Johor, Malaysia.
  - (3) M/s. Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd No.1, Jalan Industri 5, Taman Perindustrian Temerloh 28400, Mentakab, Pahang, Malaysia.
  - (4) M/s. Segamat Panel Boards Sdn Bhd Plot 201 Kawasan Perindustrian Segamat II, Mukim Pogoh, 85000 Segamat, Johor, Malaysia.
  - (5) M/s. Siam Fibreboard Co. Limited 417/112-113 Karnchanavanich Rd., Tumbol Patong, Amphur Hatyai, Songkhla 90230, Thailand
  - (6) M/s. Advance Fibre Co. Ltd. 100/1 Varasombat Building, 18th Fl., Rama 9 Road, Huaykwang, Bangkok-10310
  - (7) M/s. Metro Fiber Co. Ltd. Manufacturers-Exporters-Importers 9/9 Moo 5, Waieo-Dongsak Road, Tamaka, Karnchanaburi 71120, Thailand
  - (8) M/s. Metro M.D.F. Co. Ltd., 74 Moo 2, Nonthaburi-1 Rd., Bang Ka So, Nanthburi 11000 Thailand.
  - (9) M/s. Vanachai Group Public Co. Ltd., Thailand
  - (10) M/s. Vanachai Panel Ind. Co. Ltd., Thailand
  - (11) M/s. Dongwa Fibre Board Sdn. Bhd. & related company Dongwa MDF(M) Sdn. Bhd., Malaysia

- (12) M/s. Merbok MDF Lanka Pvt., Limited Perth Estate, BQ1, Horana EPZ, Ratnapura Road, Horana 12400, Sri Lanka.

(viii) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4).

- (1) PLY POINT  
15/228, Kodampuzha Road Petta  
Feroke, Kozhikode, Kerala
- (2) LABEL SALES CORPN  
Indradhanush Apartment Shope No. 7, 8 & 9  
T.D.Road, Cochin, Kerala
- (3) SRIVARI TRADERS  
136/53B, Ooty Main Road, Odanthurai  
Metupalayam, Tamil Nadu
- (4) KRISHNA PLYWOODS  
34 Kannaik Road, Kavar, Tamil Nadu
- (5) THAMARAPALLY BROTHERS  
XL/499, Usha Kiran, M.G. Road, Ernakulam  
Kochi, Kerala
- (6) JACSONS VENEERS AND PANELS P. LTD.,  
XL/499 Usha Kiran, M.G. Road, Ernakulam  
Kochi, Kerala
- (7) KALINGA IMPORTS & EXPORTS Pvt. LTD.,  
18/777 Kallai Road, Calicut, Kerala
- (8) VICTORY PLYWOOD DISTRIBUTORS  
R.No.148, CE-34/640  
Stadium Complex, Kanasur, Kerala
- (9) MATHEWSONS EXPORTS & IMPORTS  
P. LTD., 44/2158, First Floor Mathewsons  
Bldg., Kaloore Cochin, Kerala
- (10) FEROKE BOARDS LTD.  
VP 4/394, P.O. Kaarad, Feroke College  
Via- Malappuram, Kerala
- (11) R. J. METALS,  
XL/4039 Fabs Complex, Jews Street,  
Ernakulam Cochin, Kerala

(ix) In response to the above notification the following importers/interested parties have filed their submissions.

1. M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Ltd.  
T-48, MIDC Road, Nagpur-440 016
2. FEROKE BOARDS LTD.,  
VP 4/394, P.O. Kaarad, Feroke College  
Via Malappuram, Kerala.
3. M/s. Venugopala Slate Industries, Nehru  
Street, Markapur-523316, Andhra Pradesh
4. M/s. Kutty Flushdoors and Furniture Co. Pvt.  
Ltd., 1167 (Old No.37) Poonamallee High Road,  
Koyambedu, Chennai-600107

5. M/s. Thamarappally Brothers, Atlantis  
Junction, M.G. Road, Ernakulam  
Cochin-682015
6. M/s. Moradabad Handicrafts Exporters  
Association, Jain Mandir Building, Opposite  
Kotwali, Moradabad-244001.
7. M/s. C.L. Gupta Exports Ltd.  
18th km. Before Moradabad Delhi Highway,  
Village Jival, J.P. Nagar-224221.
8. Joint Development Commissioner,  
Noida Special Economic Zone,  
NOIDA Dadri Road, Phase-II,  
NOIDA-201305.

(x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigation. Information received from the DGCI&S, has been relied upon in the present findings.

(xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a Public File maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7). A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, as requested.

(xii) The Authority has verified the information furnished by the Domestic Industry to the extent possible to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAPP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti Dumping Duty lower than the Dumping Margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

(xiii) In accordance with Rule 6(6), the Authority also provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a Public Hearing held on 20th April, 2009. In the Public Hearing certain interested parties requested to allow them to make their specific submissions and they were allowed to submit their submissions up to 27th April, 2009. The interested parties who presented their views in the Public Hearing were requested to file their written submissions of the views orally expressed on 4th May, 2009 with exchange of written submissions on the said date and to submit their rejoinders on 11th May, 2009.

- (xiv) \*\*\* In this Statement represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority on merits under the Rules.
- (xv) The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1st January, 2007 to 31st December, 2007 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis cover the period from 2004-05, 2005-06, 2006-07 and the Period of Investigation.
- (xvi) The Authority provided opportunity to the importers/industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.
- (xvii) The Authority in this case has considered the data relating to customers' price and costing as confidential as the disclosure of the same may give the competitive advantage to the other interested parties. The data relating to volumes of domestic industry has not been treated as confidential.

## B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

6. The product under consideration is Plain Medium Density Fibre Board also known as Plain MDF Board in market parlance. Plain Medium Density Fibre Board, or Plain MDF Board is a composite wood product made out of wood waste fibres glued together with urea formaldehyde resin or melamine resin, heat and pressure. It is widely used for partitions, Modular furniture, cabinets etc. due to its smooth and uniform finish. MDF Board is produced in plain form and lamination is additional processing which is done after production of Plain MDF Board. The laminated Medium Density Fibre Board (laminated MDF Board) is beyond the scope of product under consideration. The authority in its Preliminary Finding considered the submissions received on the product under consideration and after due examination excluded the Plain Medium Density Fibre Board below 6MM thickness from the product scope and accordingly the product under consideration was considered as Plain Medium Density Fibre Board from 6MM thickness and above and same is also considered in this investigation.

7. The product is classified under heading 4411 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The Customs classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

### B.1 Views of the interested parties:

8. The following submissions were raised post initiation by various interested parties:

- (i) The main issue of the producers/exporters, namely M/s. Metro MDF, M/s. Metro Fibre, M/s. Advance

Fibre, M/s. Shree Fibre, M/s. Evergreen Fibre Board (GFB), M/s. Evergreen Fibre Board (JB) and M/s. Sagami Panel Board have been that the domestic industry in India neither produce the subject goods below 6MM thickness nor they have appropriate technology for producing similar sizes in a commercially efficient manner. Therefore, the thickness not manufactured in India ought to be excluded and the present investigation be restricted to above 6MM thickness only. M/s. Venugopala State Industries, Marikapur, Andhra Pradesh have stated that the domestic industry do not have the potential to manufacture 2.5 MM thickness Plain MDF and they import 2.5 MM Plain MDF Board to manufacture and market within the country. M/s. Kanya Floor Doors and Furniture Company Pvt. Ltd., Chennai have stated they import Door Slabs which is described as fibre board slabs for Modular Panel Door Slabs typically 2.5 MM or 3.2 MM thickness with density 1000 kg/cu.M or around and the product imported by them is entirely different from the product under investigation.

- (ii) One constituent of the domestic industry have submitted that its plant is capable to produce MDF of 4MM thickness and above. In fact, they produced MDF of 4MM thickness during 2003-04 i.e. prior to the injury period, while during the injury period, they produced MDF boards of 6MM thickness and above. The domestic industry vide its letter dated 5th January 2009 has submitted that MDF boards of thickness up to 4MM may be excluded from the scope of the investigation.
- (iii) M/s. Thamarapally Brothers, Tirunelveli has stated that local MDF is prone to severe attacks from fungus, borer, termites etc. and its screw holding capacity is very poor.
- (iv) M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Ltd., Nagpur has stated that identifying the product at four digit of HS Code has potential to mislead in treating all other fibre boards as MDF without any clear definition of MDF in terms of density, surface covered or not and mechanically worked or not.

## C. Like Article

9. With regard to like article, Rule 2(d) provides as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

10. The applicants have claimed that there is no known difference in the product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject countries. The product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The applicants have also made following submissions :—

- (i) Difference in raw materials does not render two-product dislike. What is relevant to examine is whether essential product properties are different as a result of difference in raw materials. On this account, it is not even a claim of the interested parties that the product properties differ based on raw materials.
- (ii) That the argument that Higher sizes (beyond 1220 MM × 2440 MM) not produced in India is factually incorrect. Higher sizes of MDF have been produced by one of the petitioner company.
- (iii) Notwithstanding, the legal requirement is whether the domestic industry is offering like article. Mere difference in size of MDF cannot render them dislike.
- (iv) That the Low emission standards MDF boards are not produced in India is without basis. Due to availability of dumped product, the consumers have not even demanded this from the domestic industry. Notwithstanding, production of Plain MDF with particular emission standards is a matter of using right formaldehyde resin. The formaldehyde resin is not a proprietary item. The domestic industry can use relevant formaldehyde resin and produce Plain MDF meeting desired emission standards.
- (v) That so far, none of the opposing interested parties have been able to establish that the imported product and domestic product are dislike article.

11. The following submissions and issues have been raised by the various interested parties.

- (a) The Association of Furniture Manufacturers of India (AFMI) have made following submissions :—
  - (i) That the Indian industry neither produces nor has a capability to produce specialized MDF required by the furniture industry as low formaldehyde emitting (LFE) MDF is a mandatory requirement in the wood composites used in the furnitures and export of furnitures require mandatory compliance to entire Europe with the regulations of California Air Resources Board (CARB).
  - (b) M/s. Merino Products Ltd., Distt. Jhajjar, Haryana have raised issues on Like Article, Reference Price,

Reference Price in US\$, NIP, public interest and WTO Agreement and have also made following submissions :—

- (i) That four digit HS Code 4411 covers all fibre boards and therefore to define the MDF at least in terms of density or HS Code at 8-digit level be defined to remove any doubt or ambiguity.
- (c) M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Ltd., Nagpur have raised issues on Like Article, Reference Price, Reference Price in US\$, NIP, public interest and WTO Agreement and have also made following specific submissions :—
  - (i) That there is no conscious determination that MDF produced by the Indian MDF companies meets the technical, physical and chemical properties requirement of their industry and domestic MDF is different than the MDF their industry requires and by no means, same are entirely interchangeable.
  - (ii) That even if the domestic industry produces 6 MM thickness MDF, there is no evidence of such production in the ordinary course of business and there is no demonstration of the fact that the production of thickness less than 8 MM was economically viable even with the limitations of Day Light Presses in producing the thin panels of range less than 8 MM.

12. The Authority has noted that the interested parties have raised large number of arguments on product under consideration and like article and same have been dealt in detail at Para E.20 of this Final Findings. The Authority after due consideration of the submissions made by the interested parties has determined that the subject goods produced by the petitioner companies are like articles to the subject goods imported from subject countries in accordance with the Anti-Dumping Rules.

#### D. Domestic Industry and Standing :

13. The petition has been filed by M/s. Shirdi Industries Limited, Mumbai and M/s. Nuchem Limited - Faridabad, Apart from the applicants, M/s. Mangalam Timber Products Limited has also been a producer of the product concern during Period of Investigation. The Authority has noted from the transaction-wise information of imports received from DGCI & S that M/s. Mangalam Timber Products Limited has imported subject goods from the subject countries. An analysis of exporter responses have made it evident that M/s. Mangalam Timber has imported significant quantity \*\*\* CBM of subject goods from the subject countries. It is also found true that M/s. Shirdi industries has been an importer of subject goods in the past but their plant was commissioned only during April 2007 i.e. within the Period of Investigation. During POI, M/s. Shirdi Industries Limited imported subject goods

(6 MM thickness and above) to the extent \*\*\*CBM only, which is far less than 1% of the total sales of the domestic industry.

14. The applicants have made following submissions :

- (i) No import orders have been placed by M/s. Shirdi Industries Limited during the Period of Investigation. The goods received during POI were ordered much before and shipments arrived has been \*\*\* CBM of Plain Medium Density Fibre Board from 6MM thickness and above and cleared during the Period of Investigation against such orders. It may be noted that M/s. Shirdi Industries Limited is a new company which entered into production during Period of Investigation and the group was earlier involved in imports of the product under consideration.
- (ii) With the commencement of the production, M/s. Shirdi Industries Limited has stopped imports and increased its own production. Indeed, the exclusion discretion under Rule 2(b) is meant for such situations only. Exclusion should be made only when the focus of a company shifts from production to imports. In the present case, the focus has shifted the other way i.e. from imports to domestic production.
- (iii) The position of M/s. Mangalam Timber Products Limited is just opposite to M/s. Shirdi Industries Limited, M/s. Mangalam Timber Products Limited have been into production of the product under consideration and found it more lucrative to import the product at dumped prices and sell the same in the domestic market and thus shifted focus from production to imports.
- (iv) That large scale imports made by M/s. Mangalam Timber Products Limited fully justify their exclusion from the domestic industry.

15. There are arguments from the interested parties that the complainants do not constitute the domestic industry as defined under Rule 2(b) of the Customs Tariff Rules, 1995 as one of the complainants namely M/s. Shirdi Industries Limited has been engaged in import and trade of subject goods from the subject countries. Further, M/s. Mangalam Timber Products Limited have been the major manufacturer of the subject goods and have reported profits and they have been deliberately kept out of the present investigation in order to present distorted data.

#### D.2 Facts before the Designated Authority

16. The Authority has noted that there were three domestic producers during the Period of Investigation namely M/s. Nuchem Limited, M/s. Shirdi Industries Limited and M/s. Mangalam Timber Products Limited. Out of these three domestic producers, the first two are applicants and imports made by M/s. Shirdi Industries Limited during Period of Investigation is to the extent of \*\*\*CBM only which is far less than 1% of the total sales of

the domestic industry. Further, M/s. Shirdi Industries Limited was an importer before Period of Investigation and stopped imports before commencement of production.

17. Having considered all the aspects and based upon the information on record, the Authority has noted that the production of the applicants constitute a major proportion in the Indian production during Period of Investigation, as is evident from the table below :—

Petitioner's production CBM	Other Indian producer's production CBM	Total Indian Production CBM	Share of Petitioners in Indian Production CBM
***	***	***	65.79%

18. The Authority therefore has noted that the petition satisfies the condition of standing under the Rules and the petitioner constitutes "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5(3) (a) of Anti-Dumping Rules.

#### D.3 De-Minimis Limits :

19. The petitioners provided import statistics from two sources in the application with DGCI & S data covering upto 30th June, 2006 and Info-Drive Service, covering the entire injury period. Subsequently, DGCI & S statistics covering the entire injury investigation period was called by the Authority. The transaction, wise data for the injury period has been received from the DGCI & S and has been considered to determine CIF export price. The Authority has noted that the quantities imported from each of the subject countries during the POI were above the de minimis limits prescribed under the Rules.

#### E. Other Submissions and Issues Raised

20. A large number of submissions have been made and issues raised by the various interested parties and they have been taken into consideration in this Disclosure Statement. The specific submissions and issues raised by the interested parties are as under :—

**E. 1 Submissions of APJ-SLG Law office (on behalf of Evergreen Fibre board - Malaysia, Evergreen Fibre board (JB) Malaysia, Siam Fibre board - Thailand, Robin Resources - Malaysia, Segamat Panel Board - Malaysia, Advance Fibre Co. Thailand, Metro Fibre Co. Thailand, Metro MDF Thailand)**

- (i) The statement given by the petitioner in Causal Link that there is no difference in technology employed by the petitioner and exporters in subject countries is incorrect. Industry does not have capability to produce MDF exceeding 8" x 4". Statement given in the petition regarding production of board as per requirement of size of user is incorrect as industry cannot produce boards bigger than 8' x 4'. Misleading and wrong statement is given with regard to thickness also. Imports data



includes products which are not manufactured in India. Imports below 6MM should be removed from dumping and injury analysis.

- (ii) In market share analysis, entrance of new producer should be kept in mind, who has taken over significant share of market. Further, performance of M/s. Mangalam has improved, who is not participating in the investigation. No analysis is given with regard to substitution effect. MDF is substitutable to plywood, laminated board, other engineering boards etc. These are competing the MDF in market. Capacity and production have increased, hence there is no injury. Increase in imports is due to abnormal increase in demand and also due to inclusion of thickness below 6MM. Financial performance of the domestic industry is de-linked with the imports as domestic industry has been incurring losses throughout injury period. No confidentiality can be claimed on inventory levels and methodology thereof. There is clear absence of causal link between dumping and injury as M/s. Nuchem has been operating poorly due to several financial problems, which is acknowledged by the company in its Annual Report also. M/s. Shirdi Industries Ltd., do not have experience of MDF production and are dependent on technological suppliers from China and any inability to provide support, will affect operations of the company. Further, it is admitted that manufacturing facilities in Uttaranchal is far away from sea port, which would lead to higher cost of transportation. Performance of M/s. Mangalam improved in spite of so called dumped imports. Size of plant of domestic industry can not provide economy of scale. M/s. Shirdi Industries enjoys various tax benefits, therefore, their products are priced lower than M/s. Nuchem and there is internal competition.
- (iii) It appears that the Designated Authority has determined a single Normal Value for all exporters from Malaysia.
- (iv) That the domestic industry has miserably failed to establish any semblance of injury in the facts and the circumstances of the present investigations.
- (v) It is admitted fact that the domestic industry had given several misleading statements at the time of filing of application.
- (vi) That the manufacturers have moved to Mende or Continuous Presses and this technological advancement is known to all and there is misdeclaration regarding technological advancement.
- (vii) That there are deficiencies in the Non-confidential version of the petition.

- (viii) That the written submissions provided by the domestic industry are not serially numbered making it difficult to offer para-wise comments as required by the Hon'ble Designated Authority in terms of the Trade Notice No. 1/2007, dated 22nd October, 2007.
- (ix) It is disputed that difference in raw material would not render the two product dislike. The difference in raw material is resorted to by the producer keeping in view the end applications of the ultimate consumer. The MDF made by raw material of a particular type cannot substitute MDF made out of different raw material keeping in view the end application and requirement of the consumer in mind. Further, it is submitted that the final products made would be dissimilar in terms of their colour and also the price as the price of the wood also differ significantly. The submissions of the Domestic Industry are therefore required to be rejected.
- (x) The domestic industry has disclosed for the first time that they are producing higher sizes than 8' x 4' and the evidence in this connection has not been provided to the Authority.
- (xi) The submissions of the Domestic Industry on quality need to be rejected as the approach proposed by the Domestic Industry is in contrast to approach adopted in other cases.
- (xii) The submissions of Domestic Industry on low emission standards are without any substantiation are hence required to be rejected.
- (xiii) The domestic industry has stated that M/s. Shirdi has not made any imports in the Period of Investigation and the goods received by it in Period of Investigation were ordered much before. In this connection, it submitted that the Authority has examined the imports of M/s. Shirdi only in the Period of Investigation as 1 % of the total domestic industry sales. However, no examination of the imports made by M/s. Shirdi in the previous years has been done. We would request the Authority to kindly also carry out the examination of the imports made by M/s. Shirdi in the previous three years. It is also submitted that a domestic producer after importing huge quantities cannot come before the Authority and claim that it is injured because of the imports. In view of the above, we would request the Hon'ble Designated Authority to kindly exclude M/s. Shirdi from the purview of the domestic industry. The analysis of import volume for period of investigation and for injury investigation period is also flawed due to inclusion of such imports. While making such arguments, the Domestic Industry in the same breath has justified exclusion



of M/s. Mangalam. It itself goes to show that the arguments are based on presumptions, assumptions, conjectures and surmises. Such arguments cannot form the basis of any conclusions and hence must be rejected.

**E. 2 Submissions of M/s. Spacewood Furnitures Pvt. Limited:**

- (i) Product made by domestic producers lack consistency, quality and safety standards, which constrained us to procure MDF from other countries. Uses of fibre board broadly depends upon porosity, surface soundness, routability, brightness, pointability, printability, profiling, limits of harmful formaldehyde chemical emissions, sustainable moisture resistance, hydro-expensivity, stability and flatness of panel, uniformity of dimensional features, true panel density profile, fiber to panel compression ratio, resin load etc. Domestic products are nowhere near the international products in terms of these parameters. None of the domestic products confirm the formaldehyde standards. Domestic producers produce fibre board of limited thickness and sizes, whereas requirement of user industry is manifold. None of the petitioner produces below 8 MM thickness as per their product brochure. Our sourcing decision is not just price alone. It is suitability, functionality, and several other attributes of quality besides the performance value. If all fibre boards, as claimed, are same, there should be no compulsion on our part to import and spent at least 20% more value. M/s. Shirdi is setting up a lamination plant in Chennai to feed its furniture component plant with imported boards as raw material. For their own captive consumption, they are not relying on their own product.
- (ii) There is no causal link between injury and imports. The complainant earlier has unsuccessfully attempted to bring the goods falling under Chapter 4410 and 4411 under negative list of imports. It is financial strength and operational economics between MDF industry and pulp paper industry to determine price and availability of raw material to other segment. M/s. Nuchem is in MDF business since last 25 years and Resin over 50 years, however, since past many years, they never declared any taxable profits, which shows that their operations were never profitable even before imports commenced. Cause of injury to two petitioner lies elsewhere and not in imports as other domestic producer M/s. Mangalam shows profits. Present investigation profound bearing and long-term policy implications and may result in various socio-economic and ecological problems. Present investigation is also contrary to the WTO Agreement on forest products.

- (iii) Housing is another priority, high growth and job creating sector of Indian economy and providing affordable houses to all. Imposition of ADD on MDF board would lead to increase in imports of Modular furniture.
- (iv) That there is no conscious determination that MDF produced by the Indian MDF companies meets the technical, physical and chemical properties requirement of their industry and domestic MDF is different that the MDF their industry requires and by no means, same are entirely inter-changeable.
- (v) That the threat of material injury to the domestic industry obviously lies solely in the fact that a bad and substandard product loses acceptability of consumers on the face of a good and performing product.
- (vi) That a single compelling reason in favour of methodology to determine normal value under sub-rule(i) of 9 (1)(c), there are abundant and numerous cogent reasons why the international price in terms of Rule 9(1)(c)(ii) should not be adopted as the basis in determining of dumping margin on the face of challenge that such sales in the home market were not in ordinary course.
- (vii) That in the Preliminary Findings the Authority has not considered the landed cost at the customs border at ICD destinations like Nagpur and Delhi but confined it to Ocean Ports of Discharge and the injury margin has been unduly escalated without any regard to their submissions made on 15-10-2008. Moreover, inland haulage involving movement of product to ICD destinations alone wipes out the injury margin considerable for most with a request to afford them an opportunity of judicial scrutiny by recording reasons in not accepting their request to compare the landed cost at the Customs Port where the subject goods are delivered and enter the stream of trade rather than an ocean customs post where the cargo is discharged from an ocean vessels in transit to customs post at ICD destinations where the same is actually assessed to customs duties and received by an importer.
- (viii) That the extraordinary changes in Rupee dollar exchange rate affecting the landing cost has escaped attention and examination and there is no basis to treat the US \$ as currency of home market of exporter or importer.
- (ix) That M/s. Shirdi Industries Ltd. came into existence when the imports of MDF initiated by M/s. Shirdi only were a market reality and no case has been made out by M/s. Shirdi or the D1 to exemplify any unforeseen development of critical nature affecting its projections of the MDF industry set up by them

that the blame for failure solely attributable to factors other than dumping should have escaped its examination by the Authority.

### **E. 3 Submissions of The Association of Furniture Manufacturers of India**

- (i) That the Indian furniture manufacturers also import the product under consideration for manufacturing of furniture to domestic, institutional, deemed exports and SEZ Units and Anti-Dumping proposal shall adversely affect the furniture industry.
- (ii) That the data on input costs as furnished by domestic producers are tailored to the objectives in the demand of Anti-Dumping Duty.
- (iii) That there are over 10,000 big and small furniture factories throughout India in both organized and unorganized sector and the furniture industry and its ancillaries have invested over 5,000 crores in setting up of the production facilities with direct employment over 10,000 workers.
- (iv) That the causal link, if any, is in non-sustainable resources in wood on account of ban on felling of soft wood trees in the country by the Hon'ble Supreme Court.
- (v) Whether the Government of India will be in a position to confer immunity both fiscal and criminal, to the fabricators and re-sellers of the Furniture in India against liability arising out of and in consequences of indiscriminatory usage of sub-standard non-performing products made with domestic MDF as mandate in the order ?
- (vi) The measures Government intends to take to ensure a level playing field for the Indian Furniture Industry and its ancillaries against imports of Laminated Board and furniture where the Anti-Dumping measures or Safeguard measures would fail to sustain lawfully.
- (vii) The Indian furniture industry and its ancillaries have invested huge funds with large employment and fate of investments made and employment generated shall undoubtedly be under great risk.

### **E. 4 Submissions of M/s. Bajaj eco-tec Products Ltd., Mumbai**

- (i) M/s. Bajaj eco-tec Products Ltd., Mumbai have stated that they have commenced commercial production on 1st April, 2008 and are forced to sell the product at much lower prizes and no producer can sustain its operations based on so low prizes and have supported the petition for imposition of Anti-Dumping Duty on dumped imports of the subject goods.

### **E. 5 Submissions of M/s. Moradabad Handicrafts Exporters (Welfare) Association, Moradabad**

- (i) It is stated that no Indian producer has the technology and capability to manufacture toxic free MDF in India, whereas it is mandatory requirement of most developed countries in the world where they export their products made out of MDF to satisfy the VOC (Volatile Organic Chemicals) emission free requirement in MDF with low formaldehyde emission level E1 and E0. They have further stated that the domestic industry does not manufacture the subject goods of a thickness below 6 MM while their exporters have bulk demand for thickness range of 2.5 MM to 3.5 MM.

### **E. 6 Submissions of The Federation of Thai Industries**

- (i) That they believe that the Indian MDF Manufacturers do not offer (i) thin MDF of thickness below 6 MM, (ii) low formaldehyde MDF and (iii) bigger sizes MDF such as 6' × 8' and 5' × 9'.
- (ii) That they have also proposed that (i) MDF with mechanically worked or surface covered (not Plain MDF), (ii) High Density Fibre Board 4411.92.00 and Low Density Fibre Board 4411.94.00 should be excluded from the product under consideration and they have enclosed a list enlisting the details thereon.

### **E. 7 Submissions of Department of Foreign Trade on behalf of the Royal Thai Government**

- (i) That they would like to know whether the products (i) thin MDF (thickness below 6 MM), (ii) Low formaldehyde MDF and (iii) Big sizes MDF such 6' × 6' and 5' × 9' are covered by the investigation.

### **E. 8 Submissions of M/s. Thamarappally Brothers, Ernakulam**

- (i) That they are engaged in the import and marketing of mixed tropical hardwood MDF which is not manufactured by any domestic manufacturers and the said product has got special characteristics which are most suitable for highly humid locations like Kerala. However, they have not furnished any details in support of their claim.
- (ii) That the panel industry is consisting of particle board, plywood and MDF and their world consumption are in the ratio of 55%, 20% and 25% while in the Indian conditions same are 6%, 90% and 4% and since the plywood production in India is facing shortage of raw material, same will also move as per the World standards.
- (iii) That the domestic industry has filed misleading and false statement and figures showing exorbitant amount as normal value without any base as normal value from Malaysia has been mentioned as US \$ 575.77 per MT.

- (iv) That all the domestic factories are located in North India and transportation cost from M/s. Nuchem Factory to Chennai would be around US \$ 75 per CBM while transportation from Port Klang to Chennai is US \$ 20 per CBM only and it may not be feasible for the local factories to cater to southern markets due to the territorial disadvantages.
- (v) That the local made MDF is prone to severe attacks from fungus, borer, termite etc. and its screw holding capacity is very poor. The Preliminary Findings would lead to closer of thousands of small/big furniture making units and the construction industry as a whole and will lead to severe unemployment in the country with opening options for dumping furniture into India.
- (vi) That the audited financial statements of M/s. Nuchem Ltd. for the period ending 30th September, 2007 reveal that there is no injury to M/s. Nuchem on account of imports and any loss/cash flow problem but are due to diversion of funds, mismanagement, poor working capital management, poor financial planning and very poor investment planning.
- (vii) That the M/s. Nuchem has approached Company Law Board Northern Bench for rescheduling of repayments of principal amounts of deposits and its MDF Division is still showing profits and its problems have no connection with the alleged dumping.
- (viii) That M/s. Mangalam made windfall profits and M/s. Shirdi have been expanding their manufacturing facilities.
- (ix) That the Preliminary Findings has noted that there has been an increase in the capacity of production as well as production of the domestic industry with improvement in wages, productivity, domestic sales and selling price and do not cause any injury to the domestic industry.
- (x) That they import mixed tropical hardwood MDF suitable for coastal areas like Kerala being highly fungus resistance.
- (xi) That the exchange rate was Rs. 39 per dollar which has now gone up to Rs. 52.
- (xii) That M/s. Shirdi Industries Ltd. imported subject goods during POI and do not fall under the purview of domestic industry under Rule 2(b) of ADA Rules defining the domestic industry.
- (xiii) That in absence of normal value, importers are denied natural justice, as they are not in a position to challenge the preliminary findings; and
- (xiv) That their written submissions have not been considered in the Preliminary Findings.

#### **E.9 Submissions of M/s. Moradabad Handicrafts Exporters Association, Moradabad**

- (i) That no producer from the domestic industry manufacture MDF complying with the requirements of US CARB regarding lower formaldehyde emissions and the new law (CARB) formulated in USA is effective from 1-1-2009.
- (ii) That though the anti-dumping duty is not levied on EOU's. It is not possible to be a direct importer of MDF by the member units. Secondly, most of the exporters' source the finished hand crafted products directly from the artisans who fabricate and design the products themselves as a family venture and there are more than 10 thousand families directly engaged in such hand crafting work at their homes down the line.
- (iii) That the levy of anti-dumping duty on imported MDF will lead to further problems to the domestic handicraft industry which is already reeling under severe losses on account of gross under utilization of its established capacities during recession.

#### **E.10 Submissions of M/s. C.L. Gupta Exports Ltd., a 100% EOU, J.P. Nagar-244221**

- (i) That no manufacturer in India as well as in Asian countries meet the specifications and other parameters to cater the USA and European market as per new conditions and specifications as per their latest guidelines such as CARB and formaldehyde emission to meet the requirement of environmental friendly.
- (ii) That the non-imposition of anti-dumping duty will help the exporters in their survival and shall also avoid retrenchment of thousands of work force engaged in export of handicraft products.

#### **E.11 Submissions of The Joint Development Commissioner, Noida Special Economic Zone, Noida**

- (i) They have forwarded a representation of M/s. C.L. Gupta Exports Ltd., a 100% EOU stating that the said unit is possibly the biggest exporter of handicrafts in India and that Medium Density Fibre Board is extensively used as a raw material for making wooden handicrafts by handicraft units. It has been stated that the subject goods produced by the domestic industry and China PR do not meet the requirements of USA and Europe.

#### **E.12 Submissions of Ministry of International Trade and Industry, Malaysia**

- (i) That the period of injury determination (POID) has not been specifically identified.
- (ii) That as M/s. Shirdi Industries Limited was commissioned only during April, 2007 i.e. within the POI, in their opinion injury analysis would not reflect the actual extent of injury suffered by the Petitioners as under normal circumstances.

- (iii) That M/s. ~~Shanti Industries Limited~~ had imported the subject goods during the POI, the imports of the subject goods from Malaysia by the petitioner may be investigated and Indian producers of the subject goods may be reconsidered to determine domestic industry as per requirement of Article 5.4 of the WTO ADA and injury suffered by the re-defined Indian domestic industry be assessed.
- (iv) That the normal value has been determined for Malaysia as a whole instead of company specific in the Preliminary Findings which is against Article 2.4 of the WTO ADA stating that the Authority should adhere to Article 2.4.2 of the WTO ADA and establish the existence of dumping margin based on a fair comparison of each co-operating exporter's normal value and export price.
- (v) That in terms of Article 3.5 of the WTO ADA the Authority is required to examine all other known factors in order to conclude that the injury is caused by dumped imports and not by these other factors and Preliminary Findings does not evidence that this requirement has been examined satisfactorily.
- (vi) That analysis of data disclosed in the Preliminary Findings indicates that the Malaysian alleged companies would be imposed with provisional duties higher than the margin of dumping and accordingly the contents of Paragraph 104 of the Preliminary Findings of recommending an imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury did not materialise.
- (vii) That there is overlapping between the POI and the POID and causation cannot be proven due to inconsistency in the time period used in assessing dumping and injury.

**E. 13 Submissions of M/s. Merino Panel Products Ltd., Distt. Jhajjar, Haryana**

- (i) That they are one of the importers with several others who import for LPM and chemical properties of low formaldehyde emission, soundness of surface for lamination, cut ability, paintability or printability etc. of MDF are the factors in the process of lamination and accordingly issue is quality along that prohibits LPM industry from using domestic boards in LPM application.
- (ii) That the quality standard of domestic industry is in consistency and miserably sub-standard that it has to sell its products at lower prices. It has further been submitted that there is a price gap of almost 40-50% between any two grades and also the fact that over two-third of the production is made and sold in the lowest grade in itself is indicative of the lack of acceptability of the product in market places or the complainants inability to produce and sell a good quality product in its own standards.

**E. 14 Submissions of M/s. Victory Plywood Distributors, Kanwar**

- (i) That the total production of MDF Board in India is only less than 1/6th of the total demand for the production and there is an estimated annual increase in demand at 30% and accordingly, the manufacturers in India even after with full production capacity cannot cater the increased demand.
- (ii) That the petitioners has approached the Authority with inflated figures so as to mislead and make the authority to impose anti-dumping duty on Plain MDF Board and that MDF Boards are not sold anywhere in the world at the rates specified in the Table Annexed to the findings. The Authority has not mentioned in the Preliminary Findings the Normal Value of MDF Board of the subject countries.
- (iii) That imposition of anti-dumping duty at the rates specified in the Table annexed to the findings will result into the monopoly of three domestic manufacturers over the market and non-availability of the subject goods which are mainly used in furniture industry will also result in import of furniture at the dumping price.
- (iv) That the exchange rates for dollar to rupee has increased around 33% and hence reference price based on 2007 data and exchange rates will not have any relevance in 2009.
- (v) That the subject goods are not imported at a dumping price and there will be marginal difference in the pricing of the applicants when compared to their sales invoices.

**E. 15 Examination by the Authority**

21. The Authority has duly considered various submissions and issues raised by various interested parties and has dealt them at appropriate places. At the outset, the Authority has conducted the investigations in accordance with the Act and Rules made therein as referred above. Further, the Authority has relied upon "positive evidences" made available by the interested parties during the course of investigations. The Authority has noted that in case an interested party has advanced arguments without providing positive evidence and where it has not been possible to verify the authenticity and correctness of the argument from public sources, it has not been possible to accept such arguments. The words "positive evidence" specified under Article 3.1 has been extensively interpreted by the WTO. In particular, in the matter relating to US-Hot Rolled Steel, the Appellate body dealt in detail the meaning of positive evidence and ruled that the term 'positive evidence' relates to the quality of the evidence that authorities may rely upon in making a determination. It has been further explained that the word 'positive' means that the evidence must be of an affirmative, objective and verifiable character, and that it must be credible.

**E. 16 Initiation of investigations :**

- (i) Arguments have been raised relating to correctness of the decision to initiate the investigation, disclosure of information in the petition and non-disclosure of documents/material filed by the domestic industry before initiation of investigation in order to ensure compliance with rule 5 of the Rules. The Authority has noted that pre-initiation scrutiny of application is a routine process. Once the petitioner has filed an updated application, incorporating therein information/submission made before initiation, it is not necessary that such information forming part of pre-initiation scrutiny of the Authority should be disclosed to other interested parties.
- (ii) The Authority holds that there was sufficient justification to initiate investigation. The investigations were initiated only upon receipt of a written application, which was in the form and manner as specified by the Authority and was supported by relevant and necessary evidence relating to dumping, injury and causal link. The investigations were initiated after determining that the application was made by or on behalf of the domestic industry and after sufficient examination with regard to accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and due satisfaction of the Authority that there was sufficient evidence regarding dumping, injury and causal link to justify the initiation of investigations. As held by Appellate body in Mexico Portland Cement case, an anti dumping investigation is a process where quality and quantity of evidence improves as the investigation progresses. The Authority is merely required to satisfy itself that there is sufficient justification to initiate the investigation.

**E. 17 Recommendations for interim duties :**

- (i) A number of interested parties have disputed appropriateness of imposition of interim Anti Dumping Duty in the present investigations. The Authority, however, has noted that none of the interested parties have established with evidence why interim duties were not called for in the present investigations. In particular, no evidence has been provided to show that no injury was being caused to the domestic industry during the course of the investigation. The Authority has noted that the WTO Agreement provides for recommendations of interim duties under specified conditions and if the Authority is satisfied that such measures are necessary to prevent injury being caused during the investigations.

(ii) A number of interested parties have commented on the scope of disclosure of Preliminary findings and about the determination made in the Preliminary Findings. The Authority did not find sufficient substance in these arguments because Preliminary Findings do not constitute final determination and are based on provisional assessment given by the Authority.

(iii) A number of interested parties made a request for disclosure of dumping and calculations at the stage of Preliminary Findings. The Authority, however, has noted that the Indian Anti-Dumping Rules have laid down a clear obligation to disclose the facts of essential nature in the form of Rule 5 which reads as follows :

"16. Disclosure of information - The Designated Authority shall, before making preliminary findings, inform all interested parties of the essential facts under consideration, which form the basis for its decision"

(iv) It is evident from the above that essential facts are required to be disclosed before making the investigations. The Rules do not prescribe issuance of disclosure at the stage of preliminary findings.

**E. 18 Confidentiality of information :**

(i) A number of parties have disputed the confidentiality treatment accorded by the Authority. It is noted in this regard that the Authority is required to consider following information as confidential information:

(a) Information which is by nature confidential (for example, because disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have significant adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or

(b) Information provided on a confidential basis by the interested parties to an investigation.

(ii) Confidentiality claims have been made both by the domestic industry and foreign producers and both have objected to confidentiality claimed by other interested parties. The Authority has noted that confidentiality has been accorded only to such information which satisfies the above criteria. In any case, non-confidential copies have been made available to the interested parties in order to enable them to defend their interest. The Authority, has



therefore, held only such information confidential, as was indeed confidential and is permitted under the law and sufficient non-confidential summaries have been disclosed to other interested parties.

**E. 19 Imports by Petitioner:**

- (i) A number of parties have repeated their arguments with regard to imports made by one of the petitioner companies and therefore the issue has been re-examined. It is noted that a small volume of 43.06 CBM of the subject goods have been imported by one of the petitioner companies, which has set up a new plant during the Period of Investigation for production of the subject goods, which has been far less than 1% of the total sales of the domestic industry. The Authority has noted that it would not be appropriate to exclude M/s. Shirdi Industries Ltd. from the scope of domestic industry. As regards mis-declaration before initiation, the Authority has noted that the facts on record and circumstances of the present case have not shown a situation that the petitioner deliberately and consciously resorted to mis-declaration, particularly when the volume of imports has been so low and petitioner was likely to succeed in its claim for consideration as eligible domestic industry in view of the discretion given to the Authority under Rule 2(b). In any case, no prejudice has been caused to any interested party because of such nondisclosure to the facts before initiation.

**E. 20 Scope of product under consideration and like article—**

- (i) A number of interested parties have raised large number of arguments on product under consideration and like article. The argument of the interested parties are essentially directed towards exclusion of following types of Medium Density Fibreboards (MDF).
  - (a) Thin MDF below 8MM
  - (b) MDF with low emission standards
  - (c) Large size panels
- (ii) In view of a number of repeated arguments, the issue has been examined in detail once again after the Preliminary Findings. The Authority has considered that the following are relevant in this regard:
  - (a) The first step under Anti Dumping Investigation is identification of "product under consideration". It is undisputed position that there are no rules with regard to selection of "product under consideration". The WTO

Appellate Body has also held in US-Lumber V case that there are no provisions under the Agreement with regard to the criteria to be adopted for deciding the product under consideration. To quote the WTO Panel in this case, Article 2.6 defines the basis on which the product to be compared to the 'product under consideration' is to be determined. As the definition of 'like product' implies a comparison with another product, it seems clear that the starting point can only be the 'other product', being the allegedly dumped product. Therefore, once the product under consideration is defined, the 'like product' to the product under consideration has to be determined on the basis of Article 2.6. However, in analysis of the AD Agreement, no guidance could be found on the way in which the 'product under consideration' should be determined.

- (b) The Authority is required to consider product under consideration considering what is being imported into India. There is no dispute that the types of products for which exclusion has been sought constitute Medium Density Fibre Board (MDF). Since these product types constitute Medium Density Fibre Board, these have been rightly included within the scope of the product under consideration. After determining the product under consideration, the Authority is required to identify/determine whether like article is being offered in India. It is thus evident that the requirement is not that the authority should first identify the product being produced in India and thereafter establish scope of the product under consideration.
- (c) Some interested parties have suggested seeking help/support from technical/expert bodies. The Authority, however, holds that Anti Dumping Investigations are conducted within the framework of the Indian Rules and WTO Agreement. There is no such prescription to seek information/support from outside experts. Moreover, opportunity has been provided to all interested parties to defend their interest and the present Final Findings are based on information and evidence provided by various interested parties. It has been noted that these interested parties have not been able to establish with positive evidence that the product for which exclusion have been sought are dislike products.
- (d) Rules defines like product as follows:  
 "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article



which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

- (ii) Evidently, there are two parts to the above definition—(a) article which is alike or identical in all respects to the imported article; and (b) article which although not like has characteristics closely resembling to the imported article. In other words, the rules itself clearly envisage the situation where an identical article is not produced in India. In a situation where identical article is not produced in India, the Rules do not provide for automatic exclusion of such an article. The Rules provide for considering such other article having characteristics closely resembling.
- (e) The Authority has further noted that the Rules provide no prescription on how the Authority should determine whether the domestic article is identical or comparable to the imported article. Widely practiced methodology, however, clearly suggests considering of following factors in examining whether the domestic product is like article to the imported product.
  - (i) product specifications, which includes physical and chemical characteristics,
  - (ii) manufacturing process and technology,
  - (iii) raw materials
  - (iv) functions and uses,
  - (v) pricing,
  - (vi) distribution and marketing and
  - (iii) tariff classification of the goods.
- (f) On the basis of above mentioned criteria, the Authority is required to come to a conclusion whether the two are technically and commercially substitutable. The Authority has consistently considered the above factors in coming to a conclusion on like article. The same criteria have been applied in the instant case as well. The Authority examined the product types for which exclusion has been sought, whether like article is being offered by the domestic industry and the position is as under :
  - (i) **Product characteristics**—The types of MDF for which exclusion has been sought were compared with MDF produced and supplied by the domestic industry. It is noted that the MDF produced and supplied by the domestic industry is comparable in terms of essential product characteristics to the various other types of MDF imported in India. The claim made by various interested parties seeking exclusion of

MDF manufactured from tropical hardwood is not sustainable as the end product in either case is MDF and is a like article to the one produced and marketed by the domestic industry. The imported Plain MDF Board can be substituted by the one manufactured by the domestic industry and has therefore correctly being included within the scope of product under consideration.

- (ii) **Manufacturing process**.—All interested parties agree that Medium Density Fibre can be produced through following two processes :

- (a) Continuous Process
- (b) Day Light Process

A number of parties argued that thin MDF can be produced only on continuous presses whereas the domestic industry has only day light presses. It was also the argument of the interested parties that continuous process machines give a better quality product. The investigations have in fact shown that thin MDF below 6 MM cannot be produced on day light presses. Further, the length of the Board can be controlled on continuous process, whereas the same is fixed in case of Day Light Press. The domestic industry itself, therefore, agreed that Medium Density Fibre below 6 MM could be excluded from the purview of proposed duties and the same was done in the preliminary finding.

- (iii) **Raw-material**.—The responding exporters as well as other interested parties have not been able to establish how the difference in raw material leads to totally different physical and chemical properties of the two products that the domestic product cannot be used in the absence of imported product and the two are not technically and commercially substitutable. Even when the two are produced from different raw materials, it is noted that the essential product properties of the two remains almost the same. It is to be noted in this regard that mere differences in values of some of the product properties does not mean that the two products are dislike articles. It only means that the two are not identical articles. However, as noted before, merely because an identical article has not been offered by the domestic industry does not mean that the goods produced by them are not like article to the imported article.
- (iv) **Functions and uses** :—All MDF have application in building and construction, furniture, industrial, handicrafts purpose etc. While it is possible that some MDF might have some

specific end applications, there is clear overlap in the function and use of different types of MDF. In any case, complete interchangeability by all consumers is never considered as definitive criteria for determination of like product. So long as the two products are having overlapping use, the two have to be considered as like product.

- (v) **Tariff classification.**—Different types of Medium Density Fibre Boards fall in the same tariff classifications.
- (g) Having regard to the above criteria normally applied for deciding whether the domestic industry produces and supplies like article to the imported product and considering the elaborate submissions made by various interested parties, the Authority compared the product catalogues of number of exporters/producers and the domestic industry.
- (h) It is noted that the specifications under various standards and product specifications of the various foreign producers and Indian Producers also specify these parameters. Additionally, a number of specifications also provide for following product parameters :
- Core Density  
Surface Density  
Surface Soundness  
Formaldehyde Emissions  
Dimensional Stability
- (i) The domestic industry stated that core density, surface density and surface soundness are linked to/related to density of board and are therefore gets addressed by density prescribed under BIS standards. Dimensional stability has not been argued as a critical parameter by any interested party, nor has any interested party claimed differences between the imported and domestic product on the basis of dimensional stability.
- (j) The interested parties have argued that the domestic product is not a like article to the imported product in terms of difference in emission standards. In particular, it has been claimed that MDF with E0, E1 emission standards is not produced and supplied in India. Domestic industry rebutted by stating that MDF with different emission standards is produced by use of appropriate resins. It was argued that E1 and E2 emission standards MDF is produced by use of different grade of formaldehyde resin, while application of MDI resin instead of formaldehyde resin leads to E0 emission standard MDF. Technically, low emission standard can be achieved

by use of appropriate resin and therefore, all producers of MDF are in a position to produce and supply MDF with different emission standards. Commercially, use of different resin or formaldehyde results in use of a more expensive resin thus leading to higher cost and resultant price of MDF.

- (k) Based on the above, the Authority considered the claims of interested parties for exclusion of some types of MDF.
- (i) **MDF below 6 MM**—The Authority considered whether domestic industry produce and supply MDF below 6 MM or some other product which could be considered as like article to MDF below 6 MM thickness imported in India. The investigations have shown that different technology and plant and equipment is involved in production of MDF below 6 MM thickness. Since the domestic industry does not possess requisite plant and equipment, it was concluded that the domestic industry was not in a position to produce and supply MDF below 6 MM thickness. At the same time, this product has different end-applications. MDF below 6 MM thickness in general cannot be used by the consumers who otherwise require MDF 6 MM thickness and above. It is concluded that MDF below 6 MM thickness is technologically and commercially not substitutable to MDF 6 MM thickness and above. On the basis of this conclusion, it was considered appropriate to exclude MDF below 6 MM thickness in the Preliminary Findings. After careful consideration of the submissions made by various interested parties, the preliminary conclusion in this regard are confirmed in the Final Findings.
- (ii) **Low formaldehyde emission MDF**—Domestic industry has argued that technically, low emission standard can be achieved by use of appropriate resin and therefore, all producers of MDF are in a position to produce and supply MDF with different emission standards. Commercially, low or no emission standard MDF board merely requires a more expensive resin, thus leading to higher cost and resultant price of MDF. If low emission MDF price be lower than high emission MDF, there can be no dispute that the consumers would readily switch to the cheaper low emission MDF. In other words, if low emission MDF is removed from the purview of proposed measures,

according to domestic industry, the dumping would switch to such low emission MDF. It is not the argument of any interested parties that the consumers of Indian MDF cannot switch over to imported low emission MDF, if such imported product be cheaper than domestic product. In any case, there is significant overlap between the two types and even though there may not be complete interchangeability, it is undisputed that the product involved is interchangeable.

- (iii) Large Size Panels—The responding exporters as well as other interested parties have claimed that the domestic industry do not manufacture MDF Board exceeding sizes 1220 × 2440 MM (4' × 8'). The domestic industry has claimed that they are capable to manufacture large size panels. On analysis of data received from DGC & S, it has been observed that large size panels exceeding the size 1220 × 2440 MM (4' × 8') either in width or in breadth or in both have been imported to the extent of 3.15% of the total imports from the subject countries. The domestic industry has stated that if large size panels are kept out of the purview of the investigations, the dumped imports shall occur and cause injury to the domestic industry as higher sizes can be brought into the country and can be cut into lower sizes and this amounts to substitutability. The Authority holds that the large size panels constitute the product under consideration.

## F. Methodology for calculation of dumping margin

### F.1 Determination of Dumping Margin

#### F.2 Dumping Margin for Market Economy Countries

22. The Authority has sent exporters questionnaire to various exporters/producers in subject countries as per information furnished by the applicants. In addition, the Authority has sent letters to the Embassies/Trade Representatives of subject countries in India and requested them to ask producers and exporters of product concern in their countries to respond to the Authority. In response, the following producers and exporter have cooperated to the Authority :

1. M/s. Siam Fibre Board Company Limited—Thailand
2. M/s. Vanchai Panel Industries Company Limited—Thailand
3. M/s. Vanchai Group PCL—Thailand
4. M/s. Metro MDF—Thailand
5. M/s. Metro Fibre—Thailand
6. M/s. Advance Fibre—Thailand

7. M/s. Merbok—Srilanka
8. M/s. Dongwha—Malaysia
9. M/s. Robin Resources—Malaysia
10. M/s. Evergreen Fibre Board (EFB)—Malaysia
11. M/s. Evergreen Fibre Board (JB),—Malaysia
12. M/s. Segamat Panel Boards Sdn. Bhd.—Malaysia

### F.3 Dumping Margin for Thailand

#### F.3.1 Dumping Margin determination in case of M/s. Siam Fibre Board Company Limited

23. Normal Value :—The Company provided information in various appendices, which was examined by the Authority. The Authority conducted on the spot verification to verify the data submitted by the exporter on 29th and 30th April, 2009 and verification report in that regard was forwarded to the exporter for their comments. After allowing adjustments against the domestic sales as verified by the Investigation Team, the Normal value has been determined as Thai Baht \*\*\* per Cubic Meter (CBM).

24. Export Price : The exporter have furnished information about export sales in Appendix 2 and submitted revised Appendix 2 showing export sales for the subject goods from 6MM and above. After verification and cross checking with different Appendices, adjustments have been allowed on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Clearing and Handling, Sales and Marketing and Net Export Price has been determined as US \$ \*\*\* per CBM.

#### F.3.2 Dumping Margin determination in case of Vanchai Panel Industries Co. Limited - Thailand

25. Normal Value :—The Company provided information in various Appendices, which was examined by the Authority in detail and deficiency letter was issued. The Authority carried out on the spot verification of the producer/exporter on 1st May, 2009 and on verification observed that the Company has significant volumes of domestic sales to related companies but they could not furnish any evidence or justification to the Investigation Team that sales to related companies are at arm's length. The Company purchased resins from related company and it was noted that rates of resin purchased from related company and imported one were close to each other showing that the purchases from related company were at arm's length. On verification adjustments towards commission, credit note, credit cost, packing and inland freight have been allowed and Normal Value has been determined as Thai Baht \*\*\* per CBM.

26. Export Price :—The exporter has furnished information in Appendix 2, and submitted revised Appendix 2 in respect of subject goods from 6 MM and above. On verification adjustments have been allowed on account of ocean freight, commission to related company as well as to

Indian trader, inland transportation, packing and credit cost and Net Export Price has been determined as USD \*\*\* per CBM.

### F.3.3 Dumping Margin determination in case of Vanchai Group PCL—Thailand

27. **Normal Value.**—The Company provided information in various Appendices, which was examined by the Authority in detail and deficiency letter was issued. The Authority carried out on the spot verification on 2nd May, 2009 and has observed that the Company has significant volumes of domestic sales to related companies but they could not furnish any evidence or justification to the Verification Team that sales to related companies are arm's length. The Company purchased resins from related company and it was noted that rates of resin purchased from related company and imported one were close to each other showing that the purchases from related company were at arm's length. On verification adjustments towards commission, credit note, credit cost, packing and inland freight have been allowed and Normal Value has been determined as Thai Baht \*\*\* per CBM.

28. **Export Price.**—The exporter has furnished information in Appendix 2, and submitted revised Appendix 2 in respect of subject goods from 6 MM and above. On verification adjustments have been allowed on account of ocean freight, commission to related company as well as to Indian trader, inland transportation, packing and credit cost and Net Export Price has been determined as USD \*\*\* per CBM.

### F.3.4 Dumping Margin Determination in case of Metro MDF, Metro Fibre and Advance Fibre - Thailand

29. The Authority notes that while filing their responses to the Initiation Notification, the abovesaid three producers/exporters of Thailand have submitted incomplete information. Whereas information relating to export sales to India along with claimed adjustments have been submitted, other information relating to cost of production, domestic sales and other related information thereon were not submitted by these three producers/exporters. The Authority has sent letters to these companies requesting them to provide information relating to sales in the domestic market and cost of production. No information was however, filed by these companies in this regard. Subsequently, letters were also issued on 18-12-2008 advising these producers/exporters to submit the relevant information required for arriving normal value failing which, the Authority would be constrained to determine normal value based on cost of sales of domestic industry.

30. At the stage of Preliminary Findings, pending verification of data, submitted by these producers/exporters, they were allowed individual treatment to the extent export price claimed by them with various adjustments were allowed subject to verification. Subsequent to issue of Preliminary Findings the Indian

representative of these producers/exporters showed the inability of these producers/exporters to get the requisite data verified by the Investigating Team. Therefore, even the information submitted regarding export price to India could not be verified. Therefore, considering these aspects of the case, these three producers/exporters are accorded the non-cooperating status for the purpose of the present investigations.

31. **Normal Value for non-cooperating producers/exporters from Thailand.**—Normal value has been determined for individual cooperating producers/exporters concerned. The weighted average normal value has been determined as US \$ \*\*\* per CBM for non-cooperating producers/exporters of Thailand.

### F.3.5 Dumping Margin determination in case of other non-cooperating producers/exporters from Thailand

32. In case of other non-cooperating producers/exporters from Thailand, export price has been taken as per minimum net export price as determined for cooperating producers/exporters which comes to US \$ \*\*\* per CBM.

33. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under :

Name	SIAM Fibre Board	Vanachai Panel	Vanachai Group	Others
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin %	4-8	5-9	12-16	26-30

### F.4 Dumping Margin for Sri Lanka

#### F. 4.1 Dumping Margin determination in case of Merbok Sri Lanka

34. **Normal Value.**—The Authority notes that exporter has provided information in different Appendices, which has been examined and cross-checked by the Designated Authority and a detailed letter was also issued. An analysis of financial statement of the company shows that during 2006, the company was having loan from holding company to the extent of USD \*\*\* Million carrying interest rate of \*\*\*%. During the POI (since May, 2007) all these loans were transferred as interest free loans. The Authority carried on the spot verification and on verification after allowing adjustments as claimed and verified the Normal Value has been determined as US \$ \*\*\* per CBM.

35. **Export Price.**—The net export price on verification after allowing adjustments as claimed and verified on account of Commission, Ocean Freight, Sales & Marketing, Inland Transportation, port charges has been determined

as US \$ \*\*\*per CBM. The exporter has submitted Price Undertaking dated 18th August, 2009 and same has been found in order and feasible.

**36. Normal Value for non-cooperating producers/exporters from Sri Lanka.**—The Authority notes that there is only one producer who have cooperated from Sri Lanka. Normal value as worked out for M/s. Merbok Sri Lanka, cooperating producer/exporter is therefore considered as normal value for non-cooperating producers/exporters of Sri Lanka and has been determined as US\$ \*\*\*per CBM.

**F.4.2 Dumping Margin determination in case of other non cooperating exporter-producer from Sri Lanka.**

**37.** In case of non cooperating exporters/producers in Sri Lanka, Normal value is taken as discussed above, for export price; export price is taken as per lowest export price based on cooperating exporter/producer concerned.

**38.** Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under :—

	US\$ Per CBM	
	Merbok	Others
Normal Value	***	***
Export Price	***	***
Dumping Margin	***	***
Dumping Margin %	5-9	40-45

**F.5 Dumping Margin for Malaysia**

**F.5.1 Dumping Margin determination in case of M/s. Dongwa Fibre board Sdn. Bhd. - Malaysia**

**39. Normal Value.**—In response to the Exporter's Questionnaire, producer/exporter filed a combined response in respect of Dongwa Fibre Board and Dongwa MDF. It was noted by the Authority that M/s. Dongwa Fibre Board has two factories namely Merbok and Nilai while M/s. Dongwa MDF has one factory. It was noted that in Appendix-8 production was shown as \*\*\*CBM while sales were shown as \*\*\* CBM. The difference in production and sales could be either in the form of inventories or captive transfers but it was nowhere explained. Further, the resin which is one of the major component of input cost was purchased from its related company i.e. M/s. Dongwa Chemical (M) Sdn. Bhd. Accordingly, deficiency letter was issued to the producers/exporters to submit complete reconciliation of production and sales of each plant/factory. It has been seen that there was huge difference between production and sales in respect of Merbok plant. The Authority carried out on the spot verification in respect of Merbok Plant and Nilai Plant during 13th to 15th April, 2009. The Company again supplied revised Appendix-4 showing opening stock, production, sales and closing stocks which were

significantly different from the information filed already. The Appendix-7 & Appendix-8 were taken up for verification but the Company intended to submit again revised Appendix 7 & Appendix 8 which was not taken on record by the Verification Team because the Team was deputed to verify the information already filed by the company and not to collect fresh information. The verification team requested the company to produce evidence to show that purchases of resin from related company were at arm's length but company could not furnish any evidence in that regard. The verification team noted that the financial and cost data as filed were not found reliable. The information in Appendix-7 filed in response of Deficiency Letter could not be verified as no supporting/back-up sheets were available.

**40.** Considering the above facts of the case the Authority holds M/s. Dongwa Fibre Board, the producer/exporter as non-cooperating.

**F.5.2 Dumping Margin determination in case of M/s. Dongwa MDF—Malaysia**

**41. Normal Value.**—The Normal Value has been determined based on the response filed by the Exporter allowing all the adjustments as claimed. The Normal value has been determined as Malaysian Ringgit \*\*\*per CBM (ex-factory).

**42. Export Price.**—Based on the exporter's response filed by the exporter and allowing all the adjustments, the ex-factory export price has been determined as US\$ \*\*\*per CBM.

**F.5.3 Dumping Margin determination in case of Robin Resources—Malaysia**

**43. Normal Value.**—The Company furnished information relating to sales in home market as also cost of production. The Authority carried out on spot verification of the company on 9th April, 2009 and after verification, allowing adjustments as claimed and verified, the Normal Value has been determined as Malaysian Ringgit \*\*\*per CBM.

**44. Export Price.**—The net export price on verification after adjustments on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Clearing & Handling, Bank Charges has been determined as US\$ \*\*\*per CBM.

**F.5.4 Dumping Margin determination in case of Evergreen Fibreboard—Malaysia**

**45. Normal Value.**—The Company furnished information relating to sales in home market as also cost of production. The Authority carried out on the spot verification on 10th and 11th April, 2009 of the company and after verification, allowing adjustments as claimed and verified by the team, the Normal value has been determined as Malaysian Ringgit \*\*\*per CBM.



46. **Export Price.**—The export price after verification allowing adjustments on account of Commission, Ocean Freight, Inland Transportation, Bank Charges as claimed and verified has been determined as US\$ \*\*\*per CBM.

**F.5.5 Normal Value for non-cooperating producers/exporters from Malaysia :**

47. The Normal Value has been determined for individual cooperating producers/exporters concerned and weighted average normal value has been determined as US\$\*\*\* per CBM for non-cooperating producers/exporters from Malaysia.

**F.5.6 Dumping Margin determination in case of other non-cooperating exporter-producer from Malaysia**

48. In case of other non-cooperating producers/exporters from Malaysia, Normal Value has been worked out as discussed above. For export price, export price has been taken as per minimum export price worked out for cooperating producers/exporters. M/s. Evergreen Fibre JB and M/s. Segamat Panel have also responded and submitted that they have exported below 6 MM thicknesses only. The Authority have excluded MDF below 6MM thicknesses from the scope of the product concern and accordingly, these two exporters have not exported subject goods to India.

49. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin comes as under :

	US\$/CBM			
	Dongwha MDF	Robin Resources	Evergreen (EFB)	Others
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin %	18-23	Less than 1%	10-15	22-27

**F.6 Dumping Margin for China PR**

**F.6.1 Dumping Margin determination in case of China PR**

50. China PR is non-market economy country and therefore, the Normal Value in case of China PR is required to be determined as per procedure prescribed in Para 7 of Annexure I to the Anti-Dumping Rules. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the Anti Dumping Investigations by the other WTO Members. None of the producers/exporters from China PR have responded to the Authority and there is no claim for treatment of market economy status. Therefore, in terms of Para 7 and 8(2) of the Annexure I of the Anti-Dumping Rules, the Authority holds China PR as a non-market economy.

51. **Normal Value.**—The Authority notes that none of the producer/exporter from China PR have responded to the Authority. The Authority therefore, have no option but to determine normal value on the basis of cost of production and sales of the domestic industry added with reasonable profit margin. Normal value has been determined as US \$ \*\*\*per CBM. As no producer/exporter has responded from China PR, the Authority has worked out normal value based on best information available.

52. **Export Price.**—The Authority notes that none of the exporter or producer from China PR has responded to the Designated Authority. The Designated Authority has therefore, determined export price from China PR as per data made available by the DGCI & S. Adjustment have been made on account of Ocean Freight, Marine Insurance. Inland Transport, Port Expenses. After adjustment of the above, export price at ex-works level comes to US \$ \*\*\*per CBM.

53. Considering the normal value and export price as discussed above, dumping margin for China PR comes as under :—

Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	***
Dumping Margin %	120-125

**METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS**

**G. Examination of Injury and Causal Link :**

54. Rule 11 of Anti-Dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India or whether the effect of such imports are otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

55. The Authority notes that the application for imposition of Anti-Dumping Duty has been filed by M/s. Nuchem Limited and M/s. Shirdi Industries Limited, who commands a major proportion of total production of subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules they have been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. The Authority also notes that M/s. Mangalam Timber Products Ltd. is also other known producer of the subject goods in India and has been importing the subject goods substantially during Period of Investigation from the subject countries.



56. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. are required to be considered in accordance with Annexure II of the Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization sales volume etc. are also required to be examined.

#### G.1: Views of the Domestic Industry:

57. The following are the views of domestic industry:—

- (i) Present position is for imposition of Anti-Dumping Duty against dumped imports of Medium Density Fibre Board from various countries in the Indian market. Dumping of the product in India is not a new phenomenon.
- (ii) The product is being dumped in the Indian market since quite some time. In fact, in whole injury period, the subject goods have been exported to India below normal value.
- (iii) The subject goods has been exported at dumped prices throughout the injury period. Therefore, while analyzing the effect of the dumped imports on the domestic industry, the fact of consistent dumping is required to be considered.
- (iv) M/s. Shirdi Industries Limited is a new producer of the product in the Indian market. The company started production during the Period of Investigation only and faced dumping in its nascent stage.
- (v) Due to commencement of production by M/s. Shirdi Industries Limited, various volume parameters may show positive trend. Therefore, while examining injury to the domestic industry, this fact needs to be considered.
- (vi) The production of the participating companies accounts for a major proportion in Indian Production. Participating companies continue to operate in India within the meaning of the Rules.
- (vii) Margin of Dumping from each of the subject country is more than the prescribed limit. Volume of imports from each of the subject country is more than de-minimis limits. The product involved from various countries is one like product. There is no difference in physical and chemical properties of the product. The primary factor deciding the source for the consumers is the price; be it the domestic source or imports from subject countries. The exporters from the subject countries and petitioners have sold the same product in the same periods to same category

of consumers. Physical characteristics are comparable for the various Foreign Products and domestic industry. Volume of imports from each of the subject countries is significant.

- (viii) Imports from subject countries have increased in absolute terms. Imports have caused a reduction in production of the product in India. Imports have increased in relation to consumption of the product in India.
- (ix) Imports are significantly increasing the prices of the domestic industry in the market. As a result of significant difference in the price of the domestic industry and imports, the volume of imports have increased more than three times, whereas the domestic industry sales have increased by just 11%, which is due to absence of new products. New entrants in the market are limited.
- (x) As a result of significant increase in the price of the domestic industry has been prevented from increasing its prices in accordance with increase in the cost of production. Raw material, quality of the domestic industry of the domestic industry in the proposed investigation period.
- (xi) Capacity utilization declined continuously, which is directly linked to imports from subject countries. The domestic industry has been prevented from increasing its capacity utilization in a situation where demand has increased by more than 67%. In fact, it can be said that the entire increased demand has been taken away by dumped imports.
- (xii) The Indian producers have significant unutilized capacity. There are three producers in India and two are producers in the proposed period. Other producer has capacity of 10000 MT per annum. There is significant increase in demand in India, which has been captured by the imports from subject countries. As a result, capacity utilization of domestic industry declined significantly in spite of increase in demand in India.
- (xiii) Sales volumes of the domestic industry increased in proportion to demand as a result of commencement of production and sales by new producer M/s. Shirdi Industries Limited. However, the same could not increase in proportion to the increase in demand.
- (xiv) Cost of production of the domestic industry increased by 38% as a result of increase in raw material and utility cost. Selling price also increased by 36%. However, in absolute terms, whereas cost of production increased by Rs. 4415 CBM over base year, selling price increased by Rs. 4109 CBM over base year. As a result, contribution declined and consequently, profitability suffered.

- (xv) The Domestic industry improved its performance and made cash profit in 2005-2006. However, the same deteriorated in proposed investigation period again.
- (xvi) Inventories with the domestic industry increased. Increase in inventory is in spite of increase in sales.
- (xvii) Productivity of the domestic industry shows same trend as of production, i.e., productivity remained more or less constant over the injury period, except period of investigation, in which production; productivity has increased due to commencement of production by one of the producer.
- (xviii) Growth of the domestic industry in terms of a number of volume parameters is due to commencement of production by one of the Indian producers. Growth in various injury price parameters remained negative.
- (xix) The domestic industry is suffering from dumping for a fairly long period. Dumping adversely affected the performance of the domestic industry throughout the injury period.
- (xx) Even when the demand for the product is growing significantly, the domestic industry is prevented from utilizing its existing capacities. Persistent dumping has therefore adversely affected utilization of capacities in the Country. Resultantly, production has suffered.
- (xxi) Significant price difference between imported and domestic product is preventing the domestic industry from increasing its sales volumes. Practically entire increase in demand is being met by dumped imports. Persistent dumping is therefore adversely affecting sales volumes of the domestic industry.
- (xxii) Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. Consequently, dumping is preventing price increases that would have otherwise occurred as a result of increase in the cost of production.
- (xxiii) Persistent dumping has adversely affected profitability of the domestic industry. The domestic industry suffered financial losses throughout the injury period. Further, profitability and consequently profits position deteriorated further. This directly impacted return on capital employed and cash profits.
- (xxiv) Dumping is adversely affecting the growth of the domestic industry.
- (xxv) Dumping margins are significant. Further, the product was being exported at dumped prices throughout the injury period.

## G2 Views of the Exporters, Importers and other interested parties.

58. Other interested parties have made following submissions with regard to injury to the domestic industry and causal link thereof:

- (i) There is no injury to the domestic industry. Injury to the domestic industry is due to other factors than dumping; therefore, there is no causal link between dumping and injury to the domestic industry.
- (ii) Analysis of major factors as given in Annexure II as per domestic industry the data reveals that they have failed to make out a case of injury let alone material injury.
- (iii) Market share of domestic industry need to be examined in context of entrance of new producer, who has taken away significant market share. Further, same is also required to be examined with reference to non participating producer i.e. M/s. Mangalam Timber Products, whose performance has improved.
- (iv) No analysis has been done with the products, which are directly substitute for subject goods like Ply Board, Particle boards, other boards etc. Without taking into account effects from such substitutes, proper and complete injury analysis and non attribution analysis cannot be done. Without this, selling price and market share analysis is flawed.
- (v) The Production and capacity of the domestic industry has increased, therefore, any injury can not be claimed on these accounts. Drop in capacity utilization is just 1.7% in spite of addition of capacity and certainly, this cannot be a factor of injury.
- (vi) M/s. Nuchem Ltd. has given much higher installed capacity in petition whereas their licensed capacity is much lower.
- (vii) Admittedly, sales has increased by 31%, therefore, this cannot be a factor of injury.
- (viii) Increase in imports is due to unprecedented increase in demand in India. Domestic industry is not in a position to meet the demand; therefore, demand is being met through imports. The Domestic industry did not make efforts to increase their capacity in terms of volume, size and product range. Products of the domestic industry are not comparable to the imported product.
- (ix) Financial performance of the domestic industry is de-linked with the imports. Admittedly, domestic industry has incurred losses in 2005-06, though, claimed that dumping has been there in that period

also. The Authority may ask the domestic industry to provide detailed information over the injury period.

- (x) The domestic industry is clearly trying to take shelter of Anti Dumping Duty in a situation, which is plagued due to other factors unrelated to imports. Interestingly, data is indexed, and therefore, they are not able to comment.
- (xi) No confidentiality can be claimed on inventories and methodology thereof. The Authority may compare inventory in terms of number of days, sales and production in view of the fact that new capacity has been added in Period of Investigation. It is also likely that newcomer M/s. Shirdi Industries Ltd. may have faced some difficulties in production and stabilization of their products due to start up operations. A thorough analysis of each of the constituents of domestic industry needs to be carried out by the Authority before reaching to any conclusion. Admittedly, employment, wages and productivity do not show any injury.
- (xii) Selling price has gone up by 35% in Period of Investigation. Domestic industry has been able to increase their prices in spite of their claim that there has been significant price undercutting throughout the injury period.
- (xiii) The claim of the domestic industry that dumping has been taking place throughout the injury period is self-serving as one of the petitioners M/s. Shirdi Industries Limited has been one of the leading importers of MDF in India prior to set up of their plant. Published financial statements of M/s. Nuchem Ltd. clearly shows that their performance has improved.
- (xiv) M/s. Nuchem Ltd. has been performing poor since long, due to production and financial problems, which shows that there was no nexus between imports and their performance.
- (xv) Admittedly, M/s. Shirdi Industries Ltd. does not have any experience in handling labour intensive operations and manufacturing activities, which is affecting their profitability and performance. Therefore, domestic industry cannot allege injury if any to the alleged dumped imports.
- (xvi) Performance of M/s. Mangalam Timber Products Ltd. has improved in spite of alleged dumped imports with almost 100% Capacity Utilization. Increase in performance of M/s. Mangalam Timber Products Ltd. shows that imports have no effect on performance of the domestic industry and performance of domestic producers is poor due to historical reasons and unviable capacities.

- (xvii) Size of plant of the domestic industry cannot provide economy of scale. Capacity of M/s. Nuchem Ltd. is 45000 MT and M/s. Shirdi Industries Ltd. is 30000 MT. Against this, typical plant size in subject countries is 100000 MT, while some bigger plants have capacity of 300000 MT. Small Indian plants cannot be viable in the era of globalization and reduced tariff barriers.
- (xviii) M/s. Shirdi Industries Ltd. enjoys several tax benefits including Excise Duty, Sales Tax and Income Tax and able to sell product at lower prices in the market, which competes with M/s. Nuchem Ltd. in the domestic market.
- (xix) The importers in India incurred substantial amount to build their brand name for promotional activities. The price at which imported material is being sold is higher than the price of the domestic industry. The Authority should consider these facts while examining price effects.
- (xx) Cash profits of domestic industry improved substantially in spite of alleged dumping
- (xxi) M/s. Shirdi Industries Ltd. has huge interest cost, with lot of pressure on the company. Depreciation cost is also on higher side being new capacities. Trend analysis ought to have factored with this.
- (xxii) US \$ Exchange rate dropped from Rs. 47 to Rs. 37 in Period of Investigation, no effect is considered in the petition in this regard.
- (xxiii) There are a number of reasons/factors other than dumping, which have caused injury to the domestic industry.

### G.3 Examination by the Authority

59. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for injury determination and causal link.

### G.4 Cumulative assessment of injury

60. As per Annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigations, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that :

- (i) The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,
- (ii) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

61. In the instant case, product is being dumped from more than one country. The Authority, therefore, examined whether the injury to the domestic industry must be determined cumulatively from these sources. The Authority has noted that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of injury is appropriate in respect of these countries in view of the followings—

- (i) The subject goods have imported from the subject countries under the same tariff classification ;
- (ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced product.
- (iii) The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are like products.

- (iv) Consumers are using domestic material as also imported material. Same category of customers who are buying the product from the domestic industry, who are importing product from subject countries.

62. The Authority notes that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports on the domestically produced like article.

#### G.5 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic industry :

63. Transaction-wise information of imports was called for from DGCI & S for the imports of product concern in India. The information furnished by the DGCI & S has been analyzed by the Authority and the imports of the subject goods from 6 MM thickness and above are as under.

#### G.6 Import Volumes and share of subject countries :

64. The imports volume of the subject goods have been as under :—

	Units	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Imports from</b>					
China PR	CBM	436	1,251	7,904	16,642
Malaysia	CBM	6,539	16,010	14,183	22,576
Thailand	CBM	740	3,049	2,176	13,169
Sri Lanka	CBM	23,365	36,009	30,869	35,902
Subject Countries	CBM	31,080	56,318	55,132	88,288
Trend	Indexed	100	181	177	284
Others	CBM	6,727	16,807	10,502	10,314
Total	CBM	37,806	73,125	65,634	98,602
Trend	Indexed	100	193	174	261
<b>Market Share in Imports</b>					
China PR	%	1.15	1.71	12.04	16.88
Malaysia	%	17.29	21.89	21.61	22.90
Thailand	%	1.96	4.17	3.32	13.36
Sri Lanka	%	61.80	49.24	47.03	36.41
Subject Countries	%	82.21	77.02	84.00	89.54
Others	%	17.79	22.98	16.00	10.46
Total	%	100	100	100	100

65. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period to the extent of

161% and 184% respectively. The share of dumped imports from the subject countries has increased from 82.21% in 2004-05 to 89.54% during the Period of Investigation.

**G.7 Demand and Market shares**

66. Demand of subject goods has been determined by adding domestic sales of domestic industry, domestic sales of other Indian producers and imports from all countries which are as under :

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Demand</b>					
Sales of Domestic Industry	CBM	46,301	46,130	42,218	60,484
Sales of Other Indian Producer	CBM	35,237	27,399	40,302	33,890
Imports in India	CBM	37,806	73,125	65,634	98,602
Demand in India	CBM	119,344	146,655	148,154	192,976
Trend	Indexed	100	123	124	162
<b>Market Share in Demand</b>					
China PR	%	0.37	0.85	5.34	8.62
Malaysia	%	5.48	10.92	9.57	11.70
Thailand	%	0.62	2.08	1.47	6.82
Sri Lanka	%	19.58	24.55	20.84	18.60
Subject Countries	%	26.04	38.40	37.21	45.75
Others	%	5.64	11.46	7.09	5.34
Domestic Industry	%	38.80	31.45	28.50	31.34
Other Indian Producers	%	29.53	18.68	27.20	17.56
Total Imports	%	31.68	49.86	44.30	51.10

67. From the above Table, the Authority notes the market share of the domestic industry declined from 38.80% in the base year to 31.34% during POI. At the same time, the market share of the other Indian producer also declined from 29.53% in the base year to 17.56% during POI. In the scenario of persistent growth in demand, while the share of domestic industry as well as Indian producers have declined significantly, the market share of imports from

subject countries have registered a significant rise and the market share of the subject countries which was only 26.04% in the base year have increased to 45.75% during the period of investigation. The demand for the subject goods has increased by 62% from base year to the Period of Investigation and demand during the Period of Investigation over immediate preceding year have increased substantially.

**G.8 Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry :**

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Capacity	CBM	59,850	59,850	59,850	100,350
Production	CBM	46,120	45,873	42,000	65,163
Capacity Utilization	CBM	77.06	76.65	70.18	64.94
Sales	CBM	46,301	46,130	42,218	60,484

68. The Authority notes that capacity, production and sales of the domestic industry has increased during the Period of Investigation as M/s. Shirdi Industries Limited one of the constituents of the domestic industry commenced production and sales in that period only and due to entrance of a new producer in the market, the absolute indices like capacity, production, and sales are bound to increase. However, the capacity utilization of the

domestic industry has declined to 64.86% during Period of Investigation as compared to 77.06% in the base year. During 2004-05 to 2006-07 when M/s. Nuchem Ltd. was only in operation, the production and sales and capacity utilization has continuity declined as capacity utilization of M/s. Nuchem Ltd. decreased to 70.18% during 2006-07 as compared to 77.06% in base year.

**G.9 Dumped Imports in relation to Indian Production**

69. Dumped imports in relation of the domestic industry's production has been as under :

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Production of DI	CBM	46,120	45,873	42,000	65,163
Imports					
China PR	CBM	436	1,251	7,904	16,642
Malaysia	CBM	6,539	16,010	14,183	22,576
Thailand	CBM	740	3,049	2,176	13,169
Sri Lanka	CBM	23,365	36,009	30,869	35,902
Subject Countries	CBM	31,080	56,318	55,132	88,288
China PR	%	0.95	2.73	18.82	25.54
Malaysia	%	14.18	34.90	33.77	34.64
Thailand	%	1.60	6.65	5.18	20.21
Sri Lanka	%	50.66	78.50	73.50	55.09
Subject Countries	%	67.39	122.77	131.27	135.49

70. It is evident that imports from subject countries in relation to domestic industry's production have continually increased throughout the injury period. The dumped imports of the subject goods from the subject countries were 67.69% during 2004-05 which increased to 135.49% during Period of Investigation in relation to the production of domestic industry and there has been an absolute increase in imports throughout the injury period and particularly during Period of Investigation relating to production of the domestic industry as well as consumption of the subject goods in India.

**H. Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry and Factors affecting prices****H.1. Price under-cutting and under-selling effects :**

71. As per Rule 11 of Anti Dumping Rules read with Annexure II, the impact of dumped imports from the subject countries on the prices of the domestic industry have been examined with reference to the price under-cutting, price under-selling, price suppression and price depression. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries and price under-cutting as well as price under-selling have been as under :

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Net Sales	Rs/CBM	***	***	***	***
Realization					
Landed Price					
China PR	Rs/CBM	9609	10774	9996	10118
Malaysia	Rs/CBM	10609	9024	10994	12004
Thailand	Rs/CBM	13353	11488	10821	12899
Sri Lanka	Rs/CBM	10490	11036	11753	12023
Subject Countries	Rs/CBM	10571	10483	11269	11790
Price under-cutting					
China PR	Rs/CBM	***	***	***	***
Malaysia	Rs/CBM	***	***	***	***
Thailand	Rs/CBM	***	***	***	***
Sri Lanka	Rs/CBM	***	***	***	***
Subject Countries	Rs/CBM	***	***	***	***



	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
<b>Price under-cutting (%)</b>					
China PR	%	10-20	8-15	20-30	30-40
Malaysia	%	1-10	20-30	15-25	18-28
Thailand	%	Negative	1-10	10-20	10-20
Sri Lanka	%	5-15	5-15	10-20	20-30
Subject Countries	%	1-10	10-20	10-20	20-30
Non Injurious Price	Rs./CBM	***			
<b>Price Underselling</b>					
China PR	Rs./CBM	***			
Malaysia	Rs./CBM	***			
Thailand	Rs./CBM	***			
Sri Lanka	Rs./CBM	***			
Subject Country	Rs./CBM				
Price Underselling	%				
%					
China PR	%	60-70			
Malaysia	%	30-40			
Thailand	%	20-30			
Sri Lanka	%	30-40			
Subject Countries	%	35-45			

From the above table it is evident that the landed prices of the subject goods from the subject countries have been significantly lower than the selling price of domestic industry, causing significant price under-cutting as well as price under-selling.

## H. 2 Price suppression and depression effects of the dumped imports

72. The price suppression and price depression effects of the dump imports are as under :

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Cost of Sales	Rs/CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	98.81	118.43	134.04
Selling price	Rs/CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	106.90	117.00	133.11

73. The trend in the moment of selling price during injury period shows that selling price of domestic industry have shown rising trend and therefore, price depression effect has not been found to exist. Further the domestic industry has been able to increase the selling price almost commensurate the increase in cost therefore, price suppression effect is absent.

## H. 3 Examination of other Injury Parameters

74. The other injury parameters are observed as under :

## H. 4 Profits, return on investments and cash flow

75. The profits, return on investments and cash flow details have been as under:—

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Profit & Loss	Rs/CBM	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100.00)	(2.66)	(135.46)	(145.06)
Total profit & loss (PBT)	Rs/Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100.00)	(2.65)	(123.32)	(189.50)
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	260.36	68.70	96.19
Return on capital employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	257.09	74.78	35.47
Cash profit	Indexed	(100.00)	219.16	(13.33)	(159.08)

76. It is evident that the domestic industry continuously have suffered financial losses during the injury period. The ROI also declined throughout the injury period. There has been a cash loss both in POI as well as immediate preceding period 2006-07.

#### H.6 Productivity

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Productivity per employee	Indexed	100	108	107	145
Productivity per day	Indexed	100	99	91	141

78. The data on production per employee shows that the productivity of the domestic industry increased due to commencement of new capacity.

#### H.7 Employment and wages

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Employment	Indexed	100	92	85	97
Wages	Indexed	100	95	98	135
Wages per employee	Indexed	100	104	115	139

79. It is evident that the employment continually decreased from base year up to 2006-07 and after that increased during POI due to commencement of M/s Shirdi Industries Ltd. The wages per employee have continually increased during the injury period.

#### H.8 Inventories

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Opening Inventories	CBM	***	***	***	***
Closing Inventories	CBM*	***	***	***	***
Average Inventories	CBM	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	71	33	139

80. It is evident that the average inventory continually declined till 2006-07 and substantially increased during Period of Investigation. The closing inventory as on 31 December, 2007 was 774 CBM as against 73 CBM in January, 2007.

#### H.9 Growth

81. Overall growth of the domestic industry remained negative in terms of value parameters. In volume parameters, growth became positive in absolute terms during Period of Investigation due to entrance of a new producer. However, when the same is compared in relation to demand and market share, growth in volume terms also remain negative only. In price parameters performance of domestic industry deteriorated significantly with reduced ROI and cash losses.

#### H.10. Investment

82. The domestic industry has made new investment due to entrance of M/s Shirdi Industries Limited, who started production during Period of Investigation. The Authority also notes that some other producers are also investing in MDF production because of significant increase in demand in the country and with the expectation of better margins.

#### H.5 Return on Investment and ability to raise capital :

77. Up to 2006-07 M/s. Nuchem Industries Ltd. was only domestic industry and did not enhance its capacity and accordingly the ability to raise capital particularly when the return on investments has declined could not be assessed.

#### H.11 Magnitude of Dumping

83. Dumping margin from each of the subject country is significant as has been analyzed and determined in dumping section.

#### H.12 Factor Effecting prices

84. Final examination of trend in the volume of dumped imports and prices of the subject countries and the domestic prices indicate that the dumped imports have affected the prices of the domestic industry.

#### H.13 Facts on injury parameters

85. It is evident that in spite of absolute increase in production, sales and capacity, the domestic industry has suffered injury on account of decline in market share, decline in profitability and cash losses. The volume of dumped imports from subject countries have increased substantially. The landed price of imports from subject countries have undercut the prices of domestic industry throughout the injury period and its intensity peaked during Period of Investigation. In a scenario of substantial increase in demand for the product under consideration the domestic

industry has been left with idle capacity and the injury suffered by the domestic industry is material and significant.

#### H. Causal Link and other factors

86. Having examined the existence of material injury and volume and price effect on dumped imports on the price of domestic industry in terms of price undercutting, price underselling etc. other indicative parameters listed under the Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factors, other than dumped imports have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined.

##### 1.1 Volume and prices of imports from other sources

87. The Authority notes that volume of imports from other than subject countries have been 10.46% and therefore not appears to be a cause of any injury to the domestic industry.

##### 1.2 Contraction in demand and/or change in pattern of consumption

88. There is no contraction in demand and same is not a cause of any injury to the domestic industry.

##### 1.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

89. The subject goods have been freely importable and there have been no trade restrictive practices in the domestic market, therefore this factor could not be a reason for affecting performance of the domestic industry.

##### J.1 Magnitude of Injury and Injury Margin

93. The Authority has compared the non-injurious price as worked out with the average landed value determined based upon the data available from the DGCI & S source in respect of subject countries and Injury margins have been arrived at as under :

US\$ per CBM

	Country	NIP	Landed Price	Injury Margin	Injury Margin %
Siam Fibre Board Co.	Thailand	***	***	***	20-30
Vanachai Panel	Thailand	***	***	***	15-25
Vanachai Group	Thailand	***	***	***	15-25
Others	Thailand	***	***	***	15-25
Merbok	Sri Lanka	***	***	***	25-35
Others	Sri Lanka	***	***	***	25-35
Evergreen Fibre Board	Malaysia	***	***	***	20-30
Dongwha MDF	Malaysia	***	***	***	30-40
Robin Resources	Malaysia	***	***	***	20-30
Others	Malaysia	***	***	***	20-30
China PR	China PR	***	***	***	30-40

#### 1.4 Development of technology

90. The technology as also production process for producing subject goods is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is hardly any technological advancement which can be attributed to be a cause to the injury to the domestic industry.

#### 1.5 Export performance

91. None of the producers are exporting product concern and hence export cannot be a cause of injury to the domestic industry.

#### J. Factors establishing causal link

92. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. The volume of dumped imports from the subject countries has sharply increased and landed prices were undercutting the prices of domestic industry which was maximum during the period of investigation. The domestic industry failed to recover its actual cost of production and earn reasonable profits and were compelled to under sell the product. Increase in volume of dumped imports and reduction in market share of domestic industry coupled with idle capacity has adversely affected profit, return on investment. The authority proposes to hold that domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the volume and price effect of dumped imports from the subject countries.

**L. Comments on Disclosure Statement****L.1 Submissions by the Domestic Industry**

94. On the Disclosure Statement, the domestic industry has made the following submissions :

- (i) product under consideration has been exported to India at dumping prices from subject countries, resulting in dumping of the product;
- (ii) domestic industry has suffered material injury;
- (iii) anti-dumping duties are required to be imposed;
- (iv) duties may please be expressed in terms of US \$.

**L.2 Submissions by interested Parties**

95. M/s. APJ SLG Law Offices, New Delhi have made various submissions on Disclosure Statement on behalf of M/s. Siam Fibre Board Company Limited, Thailand, M/s. Robin Resources Sdn. Bhd., Malaysia and M/s. Evergreen Fibre Board Bhd. Malaysia and have made following specific submissions :

- (i) That the individual Normal Value for each of the cooperating exporters has not been considered for the purpose of Dumping Margin as the Parliament has passed the amendments in Section 9(A) and the Finance Bill will get the assent of the Hon'ble President of India within a day or two;
- (ii) That the domestic industry does not have the capacity to manufacture the board sizes exceeding 1220 MM width;

96. Mr. M.N. Jha, Advocate, Supreme Court of India, New Delhi on behalf of M/s. Merbok MDF Lanka (Pvt.) Ltd., Sri Lanka has submitted price undertaking duly signed by his client.

97. Ministry of Export Development and International Trade, Department of Commerce, Colombo, Sri Lanka has stated that M/s. Merbok is prepared to enter into a Price Undertaking and periodical review of the undertaking in the future on account of changes in costs greater than 5% and subject to reference price based AD Duty levied on other exporters from the subject countries.

98. Mr. M.N. Jha, Supreme Court of India, New Delhi on behalf of M/s. Vanachai Panel Industries Co. Ltd. (VPI) and M/s. Vanachai Group PLC (VNG) has stated that domestic sales to related companies were not significant and the value of difference between related and non-related customers for both the clients were 4.5% only and that difference do not necessarily point out to the non arm's length relationship as the price difference between sales made to related and unrelated customers are rather insignificant, commercially speaking and transactions between the companies and their related customers be considered to have been made on an arm's length basis. It has been further stated that since all sales and adjustments to export sales were recorded in accounting system in Thai Baht according to the regulations of Thai Revenue Department, dumping margin may be calculated based on normal value and export price in Thai Baht.

99. Mr. M.N. Jha, Supreme Court of India, New Delhi on behalf of M/s. Dongwa Fibre Board Sdn. Bhd. (DFB)

and related company Dongwa MDF (M) Sdn. Bhd. (together Dongwa) Malaysia has stated that they are disappointed that the Authority did not accept the revise Appendix 7 & 8 for Merbok and Nillai factory and they explained the errors happened during the verification.

100. M/s. Lakshmi Kumaran and Sridharan, Attorneys, New Delhi on behalf of M/s. Spacewood, Nagpur have made various submissions on Product Under Consideration, large size panels and have stated that they did not receive copy of the Disclosure Statement. They have also requested that if at all any protective measure is to be imposed, a fixed rate of anti dumping duty rather than a reference price based duty be recommended.

101. M/s. Pahargang Plywood & Timber Dealer Association (Regd.), New Delhi has made their submissions *vide* letter dated 22nd August, 2009 stating that there is no merit whatsoever in imported MDF treated as Indian MDF.

102. M/s. Thamarappally Brothers, Ernakulam *vide* their letter dated 21-9-2009 has stated that no manufacturer in India produces MDF on Tropical Hardwood as the latter is not available for free felling in India. They stated that M/s. Shirdi Industries have reduced their selling price showing that the local manufacturers can make good profit even if they reduced their prices. They have further stated that M/s. Shirdi Industries made imports during the POI and they strongly believe that M/s. Shirdi should definitely be disqualified from participating the investigation. They have also stated that their name needs to be reviewed for inclusion in the list of importers.

103. Ministry of International Trade and Industry, Malaysia have stated that the comparison made between the country specific normal value and individual company's export prices (company specific) in order to arrive at the dumping margins are unfair and inconsistent of 2.4 Article of the WTO ADA. They have stated that the Authority should established the existence of dumping margin on a fair comparison of each cooperating exporters' normal value and export price and Disclosure Statement did not state recommendation on AD Duties for all alleged companies. They have stated that their argument on imposition of provisional duties higher than the margin of dumping need serious consideration in arriving at the Final Findings.

104. M/s. Spacewood Furnishers Pvt. Ltd., Nagpur *vide* their fax letter dated 21-8-2009 has stated that it is patently incorrect that DI can produce maximum 16' length and 4' wide. The presses of DI are not expandable and there is no technology in the world to expand the press size except that it can only be replaced. They have also stated that they require minimum 6' wide panels which are not produced by the Domestic Industry. They have further stated that their furniture and LPM industry is under obligation to meet the standards of BIFMA and other standards of their buyers.

**M. Examination by the Authority**

105. The Authority has noted all the submissions on the Disclosure Statement made by the domestic industry and other interested parties. The Authority has dealt in

detail on the various submissions made by the interested parties at the appropriate places and has noted that there are no evidence in support of arguments made by the interested parties. The request made by M/s. Vanachai Panel Industries Co. Ltd (VPI) and M/s.. Group PLC (VNG) to calculate dumping margin based on normal and export price in Thai Baht has not been found maintainable. The Domestic Industry has informed that they do not have any objection to Price Undertaking of M/s. Merbok MDF Lanka (Pvt.) Ltd., Sri Lanka so long as the same meets all legal requirements and well implemented and the Authority has noted the same. The Authority has noted that the share of the subject countries in the domestic demand has increased from 82.21 % in 2004-05 to 89.54% during POI registering an increase of 7.33% while the share of the domestic industry has reduced from 38.80% to 31.34% during the same period registering a decline of 7.46%.

#### N. Final Findings:

106. On the basis of the above analysis and taking into account the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The subject goods have been exported to India from the subject countries at dumped prices and dumping margins have been substantial and above de minimis level.
- (b) The domestic industry has suffered material injury.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

#### O. Price Undertaking

107. Rule 15 relating to suspension or termination of investigation on price undertaking provides that the Authority may suspend or terminate an investigation if the exporter of the article in question furnishes an undertaking in writing to the designated authority to revise the prices so that no exports of the said article are made to India at dumped prices, or in the case of imports from specified countries undertake to revise the prices so that injurious effect of dumping is eliminated and the Authority is satisfied that the injurious effect of the dumping is eliminated.

108. One of the exporters, M/s Merbok MDF Lanka (Pvt.) Ltd. Horana, Sri Lanka had extended its willingness to offer price undertaking. The offer was examined in detail and the Authority found that the undertaking offered by the exporter can be accepted since it eliminates the injurious effect of dumping. The exporter has agreed to provide all reasonable information, which the Authority considers relevant and necessary. The Authority has accepted Price Undertaking from the exporter and accordingly no duties would apply in the case of exports of Plain Medium Density Fibre Board of 6MM thickness and above, from this company. However, in the case of any violation in the execution of this undertaking by the exporter, the duties would apply on the recommendations given by the Authority in this regard. It is also clarified that this undertaking would apply only in case of exports made by this company directly to India. In case the goods are exported by some other

company/trader, the residual duty, as mentioned below, would apply, even if the same is the produce of this company.

109. The company has extended price undertaking for Plain Medium Density Fibre Board exported by them. The undertaking amount is at landed value US\$ 290.73 per CBM. The undertaking price is the minimum landed value of imports.

#### O. Indian Industry's Interest & Other Issues

110. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and therefore would not affect the availability of the products to the consumers.

111. The Authority notes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured/subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help to maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

#### M Recommendations

112. The Authority has noted that the investigation has been initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity has been given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. On preliminary investigations, the Authority recommended imposition of provisional duty to offset dumping and injury pending completion of the investigation vide Preliminary Findings of even number dated 2nd February, 2009. The Authority on completion of investigations considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

113. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive Anti-Dumping Duty equal to the difference between the amount indicated in Col. 9 of the Table below and landed value of imports is recommended to be imposed from the date of imposition of the provisional duty notified by the Central Government on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.



## DUTY TABLE

Sl. No.	Heading/Sub-heading/ Tariff item	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Unit	Amount	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	44.11	Plain Medium Density Fibre Board from 6MM and above	Thailand	Thailand	Siam Fibreboard Company Limited	Siam Fibreboard Company Limited	Per Cubic Meter	308.72	USD
2.	As above	As above	Thailand	Thailand	Vanachai Panel Industries Co., Ltd.	Vanachai Panel Industries Co. Ltd.	Per Cubic Meter	340.33	USD
3.	As above	As above	Thailand	Thailand	Vanachai Group Public Company Limited	Vanachai Group Public Company Limited	Per Cubic Meter	355.90	USD
4.	As above	As above	Thailand	Thailand	Any other combination other than SN 1 to 3		Per Cubic Meter	391.79	395.52
5.	As above	As above	Thailand	Any Country other than Thailand	Any	Any	Per Cubic Meter	391.79	USD
6.	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Thailand	Any	Any	Per Cubic Meter	391.79	USD
7.	As above	As above	Sri Lanka	Sri Lanka	Merbok MDF Lanka (Pvt) Ltd	Merbok MDF Lanka (Pvt) Ltd	Per Cubic Meter	Nil	Note USD
8.	As above	As above	Sri Lanka	Sri Lanka	Any other combination other than SN 7		Per Cubic Meter	352.23	
9.	As above	As above	Sri Lanka	Any Coun other than Sri Lanka	Any	Any	Per Cubic Meter	352.23	USD
10.	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Sri Lanka	Any	Any	Per Cubic Meter	352.23	USD
11.	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Dongwha MDF	Dongwha MDF	Per Cubic Meter	328.51	USD
12.	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	Robin Resources (Malaysia) Sdn Bhd	Per Cubic Meter	No Reference Price prescribed	USD
13.	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Evergreen Fibre Berhad (EFB)	Evergreen Fibre Berhad (EFB)	Per Cubic Meter	334.42	USD
14.	As above	As above	Malaysia	Malaysia	Any other combination other than SN 11 to 13		Per Cubic Meter	347.99	USD
15.	As above	As above	Malaysia	Any Count other than Malaysia	Any	Any	Per Cubic Meter	347.99	USD
16.	As above	As above	Any Country other than Subject Country	Malaysia	Any	Any	Per Cubic Meter	347.99	USD
17.	As above	As above	China	China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD
18.	As above	As above	China	Any Country other than China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD
19.	As above	As above	Any Country other than Subject Country	China	Any	Any	Per Cubic Meter	395.52	USD

Note : Subject to Price Undertaking amount of US\$ 290.73 per CBM as minimum Landed Value of imports (Against Sl. No. 7 of the Duty Table).

114. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and

Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority